राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण रविवार 17 नवंबर 2024 वर्ष-7,अंक-291 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

20 नवंबर को मतदान के कारण 6 राज्यों में रहेगी सार्वजनिक छुट्टी

नई दिल्ली। 20 नवंबर को झारखंड, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, पंजाब, केरल और उत्तराखंड में मतदान होनो है जिसके चलते यहां सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है। इन राज्यों में स्कूल, कॉलेज, बैंक, पोस्ट ऑफिस और सरकारी कार्यालय बंद रहेंगे ताकि मतदाता बिना किसी बाधा के अपने मतदान का इस्तेमाल कर सकें। झारखंड में 38 विधानसभा सीटों पर वोटिंग होना है यहां दूसरे चरण के लिए मतदान होगा। 12 जिलों के 528 उम्मीदवार मैदान में हैं। यहां 1.23 करोड़ से ज्यादा मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। महाराष्ट्र में 288 विधानसभा सीटों पर वोट डाले जाएंगे। महाराष्ट्र में एक ही चरण में चुनाव होंगे। कुल 4,140 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं, जो 2019 के विधानसभा चुनाव की तुलना में 28 फीसदी ज्यादा हैं। वहीं यूपी की 9 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होना है जिसमें फूलपुर, गाजियाबाद, मझवां, खैर, मीरापुर, सीसामऊ, कटेहरी, करहल और कुंदरकी सीटें हैं। पंजाब में 4 विधानसभा सीटों पर वोट डाले जाएंगे जिसमें डेरा बाबा नानक, छब्बेवाल, गिद्दड़बाहा, बरनाला हैं। केरल की एक विधानसभा सीट पलक्कड़, उत्तराखंड की एक विधानसभा सीट केदारनाथ और महाराष्ट्र की एक लोकसभा सीट नांदेड़ लोकसभा पर मतदान होगा। राज्य सरकारों ने मतदान में नागरिकों की भागीदारी तय करने के लिए सार्वजनिक अवकाश की घोषणा की है। सभी सीटों के परिणाम 23 नवंबर को आएंगे।

स्वापक नियंत्रण ब्यूरो की कार्रवाई से खुश हुए अमित शाह, मादक पदार्थ के खिलाफ एक्शन जारी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) ने दिल्ली में करीब 900 करोड़ रुपये मूल्य की 80 किलोग्राम से अधिक कोकीन जब्त की है। कार्रवाई को मोदी सरकार द्वारा मादक पदार्थ रैकेट के खिलाफ चलाए जा रहे कड़े अभियान का हिस्सा बताकर शाह ने कहा कि यह कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। केंद्रीय गृह मंत्री ने पोस्ट कर कहा कि ''इस दिन एक और बड़ी सफलता'' स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी), नौसेना और गुजरात एटीएस द्वारा संयुक्त अभियान में गुजरात अपतटीय क्षेत्र से करीब 700 किलोग्राम मेथमफेटामाइन की बरामदगी के साथ हुई। इस अभियान में आठ ईरानी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा, ''यह अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ एक ही दिन में लगातार दो बड़ी सफलताएं हैं, जो मोदी सरकार के नशा मुक्त भारत बनाने के संकल्प को दर्शाती हैं।

3.25 लाख ट्यूलिप से खिल उठेगी नई दिल्ली

नई दिल्ली। नई दिल्ली एरिया को ट्यूलिप सिटी बनाने का प्लान तैयार किया है। शांति पथ, अकबर रोड, न्याय मार्ग, चाणक्यपुरी सहित अलग-अलग इलाकों में इस साल करीब 3.25 लाख ट्यूलिप लगाए जाएंगे। इसके लिए कई तरह की तैयारियां चल रही हैं। एनडीएमसी उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल के अनुसार, नई दिल्ली एरिया को ट्यूलिप सिटी के रूप में डिवेलप किया जाएगा। लोदी गार्डन में एक ऐसी नर्सरी बनाई गई है, जहां देसी माहौल में ट्यूलिप डिवेलप किए जा सकते हैं। इस नर्सरी में 20 हजार ट्यूलिप डिवेलप किए जा रहे हैं। उम्मीद है कि 18 हजार ट्यूलिप दिसंबर के आखिर तक सैपलिंग के लिए तैयार हो जाएंगे। इसके अलावा एनडीएमसी इस बार 5.5 लाख ट्यूलिप बल्ब खरीद रही है। इसमें से 3.25 लाख बल्ब तो एनडीएमसी एरिया में लगाए जाएंगे। शांति पथ के पास ढाई-तीन किमी लंबे स्ट्रेच में 80 से 90 हजार ट्यूलिप बल्ब लगाने का प्लान है। अकबर रोड, इंडिया गेट, न्याय मार्ग और बाकी जगहों पर भी इसी तरह से ट्यूलिप लगाए जाएंगे।

झांसी के सरकारी अस्पताल में लगी आग

10 बच्चों की जलकर मौत,16 झुलसे

झांसी।

झांसी के महारानी लक्ष्मीबाई अस्पताल के शिशु वॉर्ड में शॉर्ट सर्किट के चलते भीषण आग लग गई। खबर है कि हादसे में 10 बच्चों की मौत हो गई है और 37 को सुरक्षित बचा लिया गया है। आग लगने से अस्पताल में भगदड़ मच गई। इस हादसे में कई परिवारों ने अपने मासूमों को खो दिया। बीती रात झांसी स्थित महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज के नवजात गहन चिकित्सा इकाई में भीषण आग लगने से कम से कम 10 बच्चों की मौत हो गई, जबकि 16 अन्य गंभीर घायल हो गए। यह हादसा शॉर्ट सर्किट की वजह से हुआ माना जा रहा है। आग लगने से अस्पताल में अफरातफरी मच गई। परिजन और मरीज जान बचाने के लिए भागने लगे, जिससे भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। फायर ब्रिगेड की टीम ने मौके पर पहुंचकर 37 बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला। हादसे के समय कुल 54 बच्चे भर्ती थे। प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट को हादसे की वजह माना जा रहा है। एसएसपी ने कहा, इस घटना के पीछे किन परिस्थितियों या लापरवाही की वजह से आग लगी, इसकी विस्तृत जांच की जा रही है। उन्होंने यह भी बताया कि हादसे के बाद कुछ माता-पिता अपने बच्चों को घर ले गए। एनआईसीयू में भर्ती बच्चों की स्थिति का सत्यापन किया जा रहा है। मेडिकल कॉलेज ने बताया कि हादसे के समय 52 से 54 बच्चे एनआईसीयू में भर्ती थे, जिनमें से 10 की मौत हो गई और 16 का इलाज चल रहा है। 1968 में शुरू हुआ यह सरकारी मेडिकल कॉलेज बुंदेलखंड क्षेत्र के सबसे बड़े अस्पतालों में से एक है। घटना के बाद एनआईसीयू में बचाव कार्य रात 1 बजे तक पूरा कर लिया गया। अधिकारियों ने कहा कि घटना से संबंधित सभी तथ्यों को खंगालने के बाद रिपोर्ट सार्वजनिक की जाएगी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस घटना को दिल दहला देने वाला बताया और घायलों को सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उन्होंने एक्स पर लिखा, झांसी जिले के मेडिकल कॉलेज के एनआईसीयू में हुई दुर्घटना में बच्चों की मृत्यु अत्यंत दुखद एवं हृदयविदारक है। जिलाधिकारी और संबंधित अधिकारियों को युद्धस्तर पर राहत एवं बचाव कार्य करने का निर्देश दिया गया है। मैं प्रभु श्री

राम से प्रार्थना करता हूं कि दिवंगत आत्माओं को शांति और घायलों को शीघ्र स्वस्थ करें।वार्ड से बच्चों को बचाने वाले याकूब ने बताया कि मेनगेट से कोई जा नहीं पा रहा था इसलिए उन्होंने ईंट-पत्थरों से खिड़की तोड़कर बच्चों को बचाया। इस दौरान कई लोग बच्चों को लेकर भाग भी गए। अस्पताल परिसर में मौजूद एक और शख्स ने बताया कि हादसे में उनके बच्चे की मौत हो गई। बच्चे की डिलीवरी ललितपुर के एक प्राइवेट अस्पताल में हुई थी जहां से उसे सरकारी अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया था लेकिन बीती रात आग में जलकर उसकी जान चली गई।

डेमचॉक और देपसांग इलाकों में पेट्रोलिंग फ्रिक्वेंसी पहले से ज्यादा नहीं होगी

भारत-चीन को समझौते के तहत एक-दूसरे को एक दिन पहले देनी होगी सूचना

नई दिल्ली।

पूर्वी लद्दाख के डेमचॉक और देपसांग इलाकों में भारत और चीन के बीच पेट्रोलिंग गतिविधियां जारी हैं। दोनों देशों ने कुल सात पॉइंट्स में से दो पर पेट्रोलिंग प्रक्रिया पूरी कर ली है, बाकी पांच पॉइंट्स पर अभी तक तारीख तय नहीं दी गई है। समझौते के मुताबिक पेट्रोलिंग से पहले एक-दूसरे को कम से कम एक दिन पहले इसकी सूचना देना जरुरी होगा।

सूत्रों के मुताबिक समझौते में यह तय किया गया है कि अप्रैल 2020 से पहले पेट्रोलिंग की जो सामान्य फ्रिक्वेंसी थी, उससे ज्यादा नहीं की जाएगी। पहले भारत महीने में एक पेट्रोलिंग करता था और बर्फबारी के दौरान 2-3 महीने तक पेट्रोलिंग रुक जाती थी। चीन भी इसी पैटर्न का पालन करता था और कभी-कभी तो चीनी सैनिक पेट्रोलिंग करते ही नहीं थे। इस समय भी वही पैटर्न लागू रहेगा।

देपसांग में बाकी चार पॉइंट्स पर दोनों देशों के सैनिक पहले स्वतंत्र रूप से पेट्रोलिंग करेंगे और इसके बाद पेट्रोलिंग की फ्रिक्वेंसी अप्रैल 2020 से पहले की स्थिति में वापस आ जाएगी। डेमचॉक और देपसांग में पेट्रोलिंग करने में करीब 5-6 घंटे से लेकर 20 घंटे तक का समय लगता है, जो पेट्रोलिंग के मार्ग और लंबाई पर निर्भर करता है।

भारत ने 2017 में डेमचॉक में सीएनएन जंक्शन तक पहुंचने के लिए एक नया रास्ता बनाया था, जिसका चीन ने विरोध किया था।

वह रास्ता पूरी तरह से तैयार नहीं था। बातचीत में यह तय हुआ कि इस रास्ते का अब कोई भी पक्ष इस्तेमाल नहीं करेगा। चीन ने इस रास्ते को हटाने की मांग की थी, लेकिन भारतीय पक्ष ने साफ कहा कि वह इसका इस्तेमाल नहीं करेगा। भरोसा दिलाने के लिए भारत ने इस रास्ते में कुछ जगहों पर गड्ढे भी बना दिए हैं। चीन ने भी डेमचॉक में एलएसी के पास एक नया रास्ता बनाने की कोशिश की थी, लेकिन काम रोक दिया गया था। दोनों देशों ने यह वादा किया है कि वे इन नए रास्तों का इस्तेमाल नहीं करेंगे।

पाकिस्तान से बांग्लादेश पहुंचे 300 से ज्यादा कंटेनर, भारतीय सुरक्षा एजेंसियां हुई सतर्क

नई दिल्ली ।

पाकिस्तान ने बांग्लादेश को समुद्र के रास्ते हथियार भेजने का पहला कदम उठाया है, इससे भारतीय सुरक्षा प्रतिष्ठानों में चिंता बढ़ गई है। कराची से बांग्लादेश के चटगांव तक पहुंचे 300 से ज्यादा कंटेनरों में हथियारों की बड़ी खेप होने की खबर है। यह पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच 1971 के मुक्ति संग्राम के बाद पहला सीधा समुद्री संपर्क है, जो दोनों देशों के रिश्तों में एक नई शुरुआत का संकेत है।

बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के सत्ता से बाहर होने के बाद, मुहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार ने पाकिस्तान के साथ संबंधों में बदलाव का संकेत दिया है। पाकिस्तान और बांग्लादेश के नेताओं की संयुक्त राष्ट्र की बैठक में मुलाकात के बाद दोनों देशों के बीच व्यापार बढ़ाने की उम्मीद जाहिर की थी। बांग्लादेश ने पाकिस्तान से तोपखाने के गोले, टैंक गोला-बारूद, विस्फोटक और प्रोजेक्टाइल का ऑर्डर किया था, और अब बांग्लादेश की सेना को पाकिस्तानी हथियारों की पहली खेप मिल चुकी है। वहीं भारतीय सुरक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, समुद्री संपर्क से भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में दिक्कत बढ़ सकती है। चटगांव और मोंगला बांग्लादेश के प्रमुख बंदरगाह हैं, जो दशकों तक पाकिस्तान की पहुंच से बाहर थे। लेकिन अब बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच सीधा समुद्री संपर्क स्थापित होने से इन दोनों देशों के रिश्तों में नए समीकरण बन सकते हैं, जो भारत की सुरक्षा स्थिति के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकते हैं।

दिल्ली से लाहौर तक फैली जहरीली हवा, एक्युआई 450 के पार

-मौसम विभाग की अपील, मॉस्क लगाकर बाहर निकले, बुजुर्ग-बच्चे घर में ही रहें

नई दिल्ली।

दिल्ली-एनसीआर समेत पूरे उत्तर भारत और पाकिस्तान के बड़े हिस्से पर जहरीली हवा फैलने से संकट मंडरा रहा है। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने सैटेलाइट तस्वीरों में दिल्ली से लेकर लाहौर तक के इलाके को गैस चैंबर जैसी स्थिति में दिखाया है। स्थिर हवाओं और कम तापमान के कारण प्रदूषण का स्तर बढ़ता ही जा रहा है। दिल्ली की बिगड़ती हवा से एक्युआई 450 के पार हो गया है। दिल्ली और आसपास के इलाकों में वायु गुणवत्ता सूचकांक गंभीर श्रेणी में पहुंच गया है। सुबह 7 बजे दिल्ली का औसत एक्युआई 406 रहा। आनंद विहार और अशोक विहार में 438 दर्ज किया गया।प्रगति मैदान और आईटीओ जैसे इलाकों में एक्युआई 357 रहा, जिसे खराब श्रेणी में रखा गया है। दिल्ली-एनसीआर में स्मॉग की मोटी परत के कारण लोगों को सांस लेने में दिक्कत हो रही है। आंखों और गले में जलन की समस्या उत्पन्न हो रही है। अस्पतालों में सांस और हृदय संबंधी बीमारियों के मामले सामने आ रहे हैं। भारतीय मौसम विभाग ने 21 नवंबर तक पंजाब, दिल्ली, यूपी, राजस्थान, मध्य प्रदेश, बिहार और झारखंड में तापमान में भारी गिरावट का अनुमान लगाया है। ठंड के साथ हवा की गति धीमी होने के कारण प्रदूषण का स्तर और खराब हो सकता है। मौसम

प्रदूषण ने इससे बचने के उपाय बताएं हैं। जिसमें कहा गया है कि घर से बाहर निकलते समय मास्क का इस्तेमाल करें। बच्चे और बुजुर्ग घर के अंदर ही रहें। इनडोर एयर प्यूरीफायर का इस्तेमाल करें। मॉर्निंग वॉक या व्यायाम बाहर करने से बचें। आंखों की जलन से बचने के लिए चश्मा पहनें। यह जहरीली हवा केवल आज की समस्या नहीं है, बल्कि भविष्य के लिए एक बड़ा खतरा है। सामूहिक प्रयासों से ही इस संकट को दूर किया जा सकता है।

चीन की कर्ज-जाल कूटनीति से फंसते जा रहे पड़ोसी मुल्क...भारत के लिए चिंताएं बढ़ी

नई दिल्ली ।

भारत के पड़ोसी देशों पर चीन का प्रभाव बढ़ रहा है, जिससे क्षेत्रीय सुरक्षा और व्यापारिक हितों को चुनौती मिल रही है। पाकिस्तान, नेपाल, बांग्लादेश और श्रीलंका जैसे देशों में चीन के बड़े निवेश और परियोजनाओं ने भारत के लिए रणनीतिक चिंताए पैदा कर दी हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि चीन की बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) और कर्ज-जाल कूटनीति से ये देश चीन के प्रति अधिक झुकाव दिखा रहे हैं। पाकिस्तान में चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी), नेपाल में नक्शे विवाद, बांग्लादेश में आर्थिक निवेश, और श्रीलंका के हंबनटोटा बंदरगाह पर नियंत्रण इसके मुख्य उदाहरण हैं। भारत इन चुनौतियों से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सहयोग बढ़ा रहा है। क्वाड जैसे संगठन और दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के साथ कूटनीतिक संबंधों को मजबूत कर रहा है। साथ ही, भारत चाबहार बंदरगाह परियोजना और घरेलू रक्षा उत्पादन के जरिए अपनी स्थिति मजबूत करने में जुटा है। विश्लेषकों का कहना है कि क्षेत्रीय स्थिरता बनाए

रखने के लिए भारत को पड़ोसी देशों के साथ अपने सांस्कृतिक और आर्थिक रिश्तों को और गहरा करना होगा।

भारत की रणनीति : भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया का यह संगठन इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव को रोकने के लिए सक्रिय है। क्वाड की हालिया बैठक में चीन के खिलाफ आर्थिक, सुरक्षा और सामरिक उपायों पर चर्चा हुई।

चाबहार बंदरगाह: चीन के बढते प्रभाव के बीच भारत ने ईरान में चाबहार बंदरगाह एक महत्वपूर्ण रणनीतिक परियोजना है, जो चीन के ग्वादर बंदरगाह का मुकाबला कर सकता है। वहीं रूस, ईरान और अन्य देशों के साथ व्यापारिक और सैन्य संबंध मजबूत कर भारत अपनी स्थिति को मजबूत कर रहा है। रेलू रक्षा उत्पादन और आत्मनिर्भर भारत अभियान के जरिए सैन्य शक्ति में वृद्धि की जा रही है।

भारतीय शिक्षण मंडल के शोधार्थी सम्मेलन में शामिल हुए आरएसएस प्रमुख

मात्र चार फीसदी आबादी को ही 80 फीसदी संसाधन मिलते हैं: भागवत

नई दिल्ली।

भारतीय शिक्षण मंडल के तीन दिवसीय शोधार्थी सम्मेलन का उद्घाटन एसजीटी यूनिवर्सिटी में किया गया, जिसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत शामिल हुए। इस सम्मेलन का विषय था विजन फॉर विकसित भारत और इसका उद्देश्य शोधार्थियों को एकजुट करके देश के विकास में उनके योगदान को समझना और प्रेरित करना था। उद्घाटन सत्र में भागवत ने कहा कि भारत की विशेषता उसकी समग्र दृष्टि में है।

आरएसएस प्रमुख ने तकनीकी प्रगति के मापदंडों पर चर्चा की, जिसमें उन्होंने कहा कि मात्र चार फीसदी आबादी को 80 फीसदी संसाधन मिलते हैं, और ऐसे विकास में कठिन मेहनत की जरुरत होती है। इस दौरान निराशा भी हो सकती है और कभी कठोर कदम भी उठाने पड़ते हैं। उनका इशारा उन चुनौतियों की ओर था, जो आजकल सामाजिक और आर्थिक असमानता के रूप में सामने आ रही हैं।

उन्होंने आगे कहा कि यह सवाल गंभीर है कि क्या हम विकास की राह में पर्यावरण को नजरअंदाज कर सकते हैं या हमें प्रकृति के संतुलित तरीके से विकास करना चाहिए। उन्होंने यह भी बताया कि जीवन की गुणवत्ता, सामाजिक कल्याण और स्थिरता को विकास के मापदंडों में शामिल किया जाना चाहिए, न कि केवल आर्थिक और भौतिक संपन्नता को ही प्राथमिकता दी जानी चाहिए। इस अवसर पर इसरो के अध्यक्ष डॉ. एस सोमनाथ ने पीएम मोदी की विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने का यह सही समय बताया और देश के वैज्ञानिकों और शोधार्थियों की भूमिका को अहम माना। नोबेल शांति पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी ने भी सम्मेलन में कहा कि यह पहला मौका है जब करीब दो लाख प्रतिभागियों में से चुने हुए 1200 शोधार्थी एक ही छत के नीचे जमा हुए हैं, जो कि एक ऐतिहासिक पल है।

उनका मानना है कि शोध और शिक्षा के क्षेत्र में इस तरह के

आयोजनों से भारत को एक नई दिशा मिलेगी और देश का समग्र विकास संभव होगा। यह सम्मेलन युवाओं और शोधार्थियों के लिए एक प्रेरणा बनकर उभरा है, जो भविष्य में अपने कार्यों से समाज और राष्ट्र को सशक्त बनाने का काम करेंगे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नोबेल पुरस्कार विजेता वैज्ञानिक -यूजीन पॉल विग्नर

(लेखक- संजय गोस्वामी)

(जन्म दिवस 17 नवंबर पर विशेष)

यूजीन पॉल विग्नर एक हंगरी-अमेरिकी गणितज्ञ और सैद्धांतिक भौतिक विज्ञानी थे जिनका जन्म 17 नवंबर 1902 को हुआ था। उन्होंने परमाणु बम का सह-आविष्कार किया और 1963 में नोबेल पुरस्कार जीता।

17 नवंबर, 1902 को हंगरी के बुडापेस्ट में जन्मे यूजीन पॉल विग्नर 8 जनवरी, 1937 को संयुक्त राज्य अमेरिका के नागरिक बन गए। 1938 से, वह प्रिंसटन विश्वविद्यालय में गणितीय भौतिकी के थॉमस डी. विग्नर प्रोफेसर रहे हैं। जोन्स एक प्रोफेसर हैं - वे 1971 में सेवानिवृत्त हुए। उनकी औपचारिक शिक्षा यूरोप में हुई; ए डॉ. इंजीनियरिंग में डिग्री. टेक्नीश होचस्चुले बर्लिन में डिग्री। उन्होंने 1941 में मैरी एनेट व्हीलर से शादी की। वह दो बच्चों डेविड और मार्था के पिता हैं। उनका बेटा, डेविड, कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, बर्कले में गणित पढ़ाता है। उनकी बेटी, मार्था, शिकागो एरिया ट्रांसपोर्टेशन सिस्टम के साथ है, एक संगठन जो उस शहर की आंतरिक परिवहन प्रणाली में सुधार करना चाहता है। गौटिंगेन में, विग्नर ने समता के संरक्षण का अपना कानून विकसित किया, जिसका अर्थ है कि बाईं ओर दाईं ओर से अंतर करना असंभव है -हैंड साइड मूलभूत शारीरिक अंत:क्रियाओं में होता है। यह सिद्धांत क्वांटम यांत्रिकी का एक अभिन्न अंग बन गया, लेकिन 1956 में, भौतिकविदों त्सुंग-दाओ ली और चेन निंग यांग ने दिखाया कि उप-परमाणु कणों की कमजोर बातचीत में समानता हमेशा संरक्षित नहीं होती है। प्रिंसटन में, विग्नर ने निर्धारित किया कि न्यूट्रॉन और प्रोटॉन को एक साथ बांधने वाला परमाणु बल आवश्यक रूप से अल्पकालिक और किसी भी विद्युत आवेश से स्वतंत्र था। उन्होंने परमाणु नाभिक के ऊर्जा स्तर की जांच के लिए गणितीय समूह सिद्धांत को लागू करने में शामिल सिद्धांतों को भी विकसित किया। 1936 में उन्होंने न्यूट्रॉन अवशोषण के सिद्धांत पर काम किया, जो बाद में परमाणु रिएक्टरों के निर्माण में उपयोगी साबित हुआ।उन्होंने फ्रोबेनियस और बर्नसाइड के कारण सममित समूह के प्रतिनिधित्व सिद्धांत का भी अध्ययन किया। वॉन न्यूमैन के सुझाव के अनुसार यह सिद्धांत बिल्कुल वही था जिसकी उन्हें इट्ट इलेक्ट्रॉनों वाले परमाणुओं के स्पेक्ट्रम का सिद्धांत विकसित करने के लिए आवश्यकता थी। इसके बाद उन्होंने वह काम शुरू किया जिसके लिए वे प्रसिद्ध हैं, अर्थात् समूह सिद्धांत को क्वांटम यांत्रिकी में लागू करना। इट्ट इलेक्ट्रॉनों के मामले पर उनका शोधपत्र 26 नवंबर 1926 को ज़ट्सिक्रिप्ट फर फ़िज़कि को प्रस्तुत किया गया था।

विग्नर को 1927 में हिल्बर्ट का सहायक बनने के लिए गोटिंगेन में आमंत्रित किया गया था। क्वांटम यांत्रिकी में पहले से ही रुचि रखने वाले हिल्बर्ट को लगा कि उन्हें अपनी विशेषज्ञता के पूरक के रूप में एक भौतिक विज्ञानी की आवश्यकता है। यह विग्नर के लिए एक महत्वपूर्ण समय था, जिन्होंने बहुत गहराई और महत्व के शोधपत्र तैयार किए, अपने शोधपत्र ऑन द कंजर्वेशन लॉज़ ऑफ़ क्वांटम मैकेनिक्स (1927) में समता की नई अवधारणा पेश की। हालाँकि, हिल्बर्ट के साथ उनका सहयोग कम सफल रहा क्योंकि वे वर्ष के दौरान केवल पाँच बार मिले - विग्नर गोटिंगेन में एक साल बिताने के बाद बर्लिन लौट आए जहाँ उन्होंने क्वांटम मैकेनिक्स पर व्याख्यान दिया, अपने प्रसिद्ध पाठ समूह सिद्धांत और परमाणु स्पेक्ट्रा के क्वांटम मैकेनिक्स में इसके अनुप्रयोग पर काम किया और अपना शोध जारी रखा। लगभग 1950 में भौतिकी और प्राकृतिक नियम

1939 में, विग्नर और लियो स्ज़ीलार्ड ने अल्बर्ट आइंस्टीन को परमाणु श्रृंखला प्रतिक्रिया बनाने की संभावना के बारे में सचेत किया और उन्हें अमेरिकी सरकार को सूचित करने के लिए राजी किया; आइंस्टीन द्वारा प्रेस को भेजे गए ऐतिहासिक पत्र को पढ़ा । रूजवेल्ट ने अमेरिकी परमाणु बम परियोजना को गति दी। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान, विग्नर ने शिकागो विश्वविद्यालय मूं धातुकर्म प्रयोगशाला में काम किया, जहां उन्होंने एनरिको फर्मी को पहला परमाणु स्टैक बनाने में मदद की। विग्नर ने क्वांटम यांत्रिकी, रासायनिक प्रतिक्रियाओं की दर के सिद्धांत और परमाणु संरचना पर भी शोध किया। उनके प्रकाशनों में ग्रुपेंथोरी अंड इह्रे अनवेंडुंग औफ डाई क्वांटनमेचेनिक डेर एटमस्पेक्ट्रेन (1931; ग्रुप थ्योरी एंड इट्स एप्लीकेशन टू द क्वांटम मैकेनिक्स ऑफ एटॉमिक स्पेक्ट्रा), एक क्लासिक टेक्स्ट, और सिमेट्रीज़ एंड रिफ्लेक्शन्स (1967) शामिल हैं। डॉ. विग्नर ने 1942 से 1945 तक द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान शिकागो विश्वविद्यालय में मैनहट्टन परियोजना पर काम किया और 1946-1947 में क्लिंटन प्रयोगशालाओं में अनुसंधान और विकास के निदेशक बने। परमाणु अनुसंधान में उनके काम की आधिकारिक मान्यता में यू.एस. मेडल फॉर मेरिट, 1946 शामिल थे 1958 में एनरिको फर्मी पुरस्कार (यू.एस.ए.ई.सी.); और शांति के लिए परमाणु पुरस्कार; विग्नर के पास फ्रैंकलिन सोसाइटी का मेडल, जर्मन फिजिकल सोसाइटी का मैक्स प्लैंक मेडल, अमेरिकन-हंगेरियन स्टडीज फाउंडेशन का जॉर्ज वाशिंगटन अवार्ड (1964), अमेरिकन-हंगेरियन मेडिकल एसोसिएशन का सेमेल्विस मेडल (1965) मिला और राष्ट्रीय विज्ञान पदक (1965) से सम्मानित किया गया। उनके पास विस्कॉन्सिन विश्वविद्यालय, वाशिंगटन विश्वविद्यालय, केस इंस्टीट्यूट, अल्बर्टा विश्वविद्यालय (कनाडा), शिकागो विश्वविद्यालय, कोल्बी कॉलेज, पेंसिल्वेनिया विश्वविद्यालय, येशिवा विश्वविद्यालय, थिएल कॉलेज, नोट्रे डेम विश्वविद्यालय, टेक्नीश यूनिवर्सिटेट बर्लिन, स्वर्थमोर से मानद उपाधियाँ हैं। कॉलेज, यूनिवर्सिटी डी ल्यूवेन, यूनिवर्सिटी डी लीज, इलिनोइस विश्वविद्यालय, सेटन हॉल, कैथोलिक विश्वविद्यालय और द रॉकफेलर विश्वविद्यालय। वह अमेरिकन फिजिकल सोसाइटी के पूर्व उपाध्यक्ष और अध्यक्ष थे , । वह अमेरिकन न्यूक्लियर सोसाइटी के निदेशक मंडल के पूर्व सदस्य थे ; उनके पास अमेरिकन फिलॉसॉफिकल सोसाइटी, अमेरिकन मैथमैटिकल सोसाइटी, अमेरिकन एसोसिएशन ऑफ फिजिक्स टीचर्स, नेशनल एकेडमी ऑफ साइंस, अमेरिकन एकेडमी ऑफ आर्ट्स एंड साइंसेज, रॉयल नेदरलैंड एकेडमी ऑफ साइंसेज एंड लेटर्स, अमेरिकन एसोसिएशन फॉर द एडवांसमेंट ऑफ साइंस, ऑस्ट्रियन एकेडमी ऑफ साइंसेज की सदस्यता थी । , हे गेसेलशाफ्ट डेर विसेंसचाफ्टन, गोटिंगेन के संवाददाता सदस्य और रॉयल सोसाइटी के विदेशी सदस्य ग्रेट ब्रिटेन हैं। वह 1952-1957 तक अमेरिकी परमाणु ऊर्जा आयोग की सामान्य सलाहकार समिति के सदस्य थे, 1959 में समिति में फिर से नियुक्त हुए और 1964 तक इस पर कार्य किया। जेन्सेन और मारिया गोएपर्ट-मेयर। यूजीन विग्नर की मृत्यु 1 जनवरी, 1995 को प्रिंसटन में हुई, जहां उन्हें भी दफनाया गया था। टेक्नीश यूनिवर्सिटैट बर्लिन में नई भौतिकी इमारत का नाम उनके नाम पर रखा गया है।

विग्नर को 1927 में हिल्बर्ट का सहायक बनने के लिए गोटिंगेन में आमंत्रित किया गया था। क्वांटम यांत्रिकी में पहले से ही रुचि रखने वाले हिल्बर्ट को लगा कि उन्हें अपनी विशेषज्ञता के पूरक के रूप में एक भौतिक विज्ञानी की आवश्यकता है। यह विग्नर के लिए एक महत्वपूर्ण समय था, जिन्होंने बहुत गहराई और महत्व के शोधपत्र तैयार किए, अपने शोधपत्र ऑन द कंजर्वेशन लॉज़ ऑफ़ क्वांटम मैकेनिक्स (1927) में समता की नई अवधारणा पेश की। हालाँकि, हिल्बर्ट के साथ उनका सहयोग कम सफल रहा क्योंकि वे वर्ष के दौरान केवल पाँच बार मिले - विग्नर गोटिंगेन में एक साल बिताने के बाद बर्लिन लौट आए जहाँ उन्होंने क्वांटम मैकेनिक्स पर व्याख्यान दिया, अपने प्रसिद्ध पाठ समूह सिद्धांत और परमाणु स्पेक्ट्रा के क्वांटम मैकेनिक्स में इसके अनुप्रयोग पर काम किया और अपना शोध जारी रखा।

संपादकीय

चंडीगढ़ की कसक

अभी भी चंडीगढ़ के लोग विश्वास नहीं कर पा रहे हैं कि शहर की फिजा में इतना ज़हर घुल चुका है कि एक्यूआई चार सौ का आंकड़ा पार कर गया। सिटी ब्यूटीफुल के उपनाम से विख्यात इस शहर को किसकी नज़र लगी, शहर के बाशिंदे अब तक समझ नहीं पा रहे हैं। लोग बताते नहीं थकते कि ऐसा मंजर उन्होंने जिंदगी में पहली बार देखा है। कभी लोग इस शहर की खूबसूरती और स्वास्थ्यवर्धक आबोहवा की कसमें खाया करते थे। पं. जवाहर लाल नेहरू के सपनों का शहर, जिसे तत्कालीन पंजाब के मुख्यमंत्री प्रताप सिंह कैरो ने रात-दिन एक करके हकीकत बनाया। फिर फ्रांस के नामचीन वास्तुकार ली कार्बूजिए ने अपनी भारतीय टीम के साथ मिलकर उस सपने को साकार किया। भरपूर हरियाली और योजनाबद्ध तरीके से बने शहर में ऐसा कुछ नहीं दिखता जो भयावह प्रदूषण का सबब बने। विस्तृत सुखना झील, इसके पर्यावरण व सौंदर्य को निखारती है और आबोहवा को शुद्ध करती है। इस शहर को तीन प्रदेशों की राजधानी होने का दर्जा हासिल है। पंजाब व हरियाणा के साथ खुद केंद्रशासित प्रदेश चंडीगढ़ की भी राजधानी है। ऐसे में जब सिटी ब्यूटीफुल के लोगों ने अखबारों में चंडीगढ़ के एक्यूआई लेवल के चार सौ पार करने का समाचार पढ़ा तो उन्हें अपनी आंखों पर विश्वास नहीं हुआ। एक शहर जिसके सौंदर्य व आबोहवा की शान में पंजाबी गीतों में तमाम कसीदे पढ़े जाते थे, उसे यकायक ये क्या हो गया। शासन प्रशासन के लिये भी यह एक नई चुनौती थी। ऐसी स्थिति पहले कभी उसके सामने आई भी नहीं थी। नौकरशाह भी हतप्रभ थे कि किया क्या जाए। इस ज़हरीली फिजा में प्रत्यक्ष तौर पर शहर की भूमिका भी तो नहीं थी। यहां न तो ऐसी कोई इंडस्ट्री थी और न ही थर्मल प्लांट आदि, जिन पर तत्काल कार्रवाई होती। एक सुनियोजित-व्यवस्थित शहर व जागरूक नागरिक और साथ में सचेत तंत्र। वैसे आधुनिक सभ्यता की विसंगतियां तो जरूर थीं जो तापमान बढ़ाने में किसी हद तक भूमिका निभाती हैं। बहरहाल, समय के साथ-साथ बहुत कुछ ऐसा बदला जरूर है जो इस शहर की आबोहवा में दखल देता है। कभी चंडीगढ़ को बाबुओं का शहर कहा जाता था। बदलते वक्त के साथ कारों का हुजूम जरूर यातायात और पार्किंग की समस्या खड़ी करता है। लेकिन उसकी एक्यूआई लेवल को चार सौ पार पहुंचाने में इतनी बड़ी भूमिका भी नहीं रही। वैसे तो आधुनिक जीवनशैली के चलते एसी, फ्रिज, कार और निकटवर्ती इलाकों में अंधाधुंध निर्माण कार्यों में तेजी ने हमारे पर्यावरण पर हर शहर की तरह असर तो डाला है। एक जिम्मेदार नागरिक के तौर पर हमें जो भूमिका पर्यावरण संरक्षण हेतु निभानी चाहिए, वो हम नहीं निभाते हैं। यूं तो चंडीगढ़ का मूल स्वरूप बरकरार है। कुछ सेक्टर नये जुड़े हैं, लेकिन सुनियोजित तरीके से ही उनका विस्तार हुआ। चंडीगढ़ के निर्धारित स्वरूप के चलते इसके अधिक विस्तार की गुंजाइश भी नहीं है, लेकिन इसके चारों ओर तमाम छोटे-बड़े शहरों का विस्तार हुआ है। घनी आबादी कहीं न कहीं चंडीगढ़ पर दबाव जरूर बनाती है। लेकिन यह स्थिति उतनी विकट नहीं है कि शहर का एक्यूआई लेवल चार सौ पार करे। कह सकते हैं कि इसके आसपास के राज्यों में जलती पराली की इसमें किसी सीमा तक भूमिका होगी। पड़ोसी पाकिस्तान के लाहौर में एक्यूआई लेवल की जो भयावह स्थिति है उसका असर अमृतसर से चंडीगढ़ तक कितना पड़ा, इसके लिये वैज्ञानिक अध्ययन की जरूरत है। मौसम वैज्ञानिक कह रहे हैं कि पहाड़ों में बर्फबारी के बाद मैदानों में अचानक तापमान गिरने से हवा में नमी बढ़ी है।

अंग प्रदेश के विक्रमशिला विश्वविद्यालय से विक्रमशिला हिंदी पीठ तक की यात्रा!

(लेखक - डॉ श्रीगोपाल नारसन)

विक्रमशिला विश्वविद्यालय भारत ही नहीं दक्षिण-पूर्व एशिया सहित दुनियाभर का एक प्रसिद्ध शिक्षा केन्द्र रहा है। विक्रमशिला की स्थापना पाल राजवंश के राज्य काल में जनमानस की शिक्षा के लिए आठवीं शताब्दी में पाल वंश के राजा धर्मपाल ने की थी। वर्तमान समय में यह स्थान बिहार के भागलपुर जिले का अंतीचक गांव है,जो बिहार-झारखंड को जोड़ने वाले बाराहाट के निकट है। पंडित अतीश दीपंकर ने कभी यहीं शिक्षा ग्रहण की थी।उस समय यहां पर लगभग 160 विहार थे, जिनमें अनेक विशाल प्रकोष्ठ बने हुए थे।विक्रमशिला विश्वविद्यालय में सौ शिक्षकों द्वारा अध्यापन किया जाता था। बिहार मंत्रिमंडल ने भागलपुर में विक्रमशिला विश्वविद्यालय के पास केंद्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए तो भूमि अधिग्रहण हेतु 87 करोड़ 99 लाख रुपए की स्वीकृति प्रदान की परन्तु विक्रमशिला विश्वविद्यालय के भग्नावशेष को चिरजीवी बनाने के लिए उक्त विश्वविद्यालय को पुनर्जीवित करने के लिए कोई आर्थिक प्रस्ताव पारित नही किया।अलबत्ता विक्रमशिला विश्वविद्यालय के भग्नावशेष को चिरजीवी बनाए रखने के लिए स्वयं के संसाधनों से विक्रमशिला हिंदी विद्यापीठ आगे बढ़ रही है।प्राचीन शिक्षा की यह महान विरासत बिहार के कहलगांव अनुमंडल स्थित अंतीचक में विक्रमशिला महाविहार के रूप में स्तिथ है। अब इसके भग्नावशेष ही बचे है।इसके गौरव को वापस लौटाने की मांग विक्रमशिला हिंदी विद्यापीठ व स्थानीय लोग करते रहे हैं।8वीं शताब्दी में पाल वंश के शासक धर्मपाल द्वारा बिहार प्रान्त के भागलपुर में विक्रमशिला विश्वविद्यालय की स्थापना 770-810 ईसा पूर्व में की गई थी।विक्रमशिला में उस समय छह द्वार थे। 6 द्वार संख्या छह होने का तात्पर्य है कि यहाँ पर छह विषयों की पढ़ाई होती थी, जिनमें केवल तंत्र विद्या , भौतिकी,रसायन विज्ञान, धर्म, संस्कृति आदि शामिल थे।उस समय विक्रमशिला विश्वविद्यालय में लगभग दस हज़ार विद्यार्थियों को पढ़ाया जाता था। गौतम बुद्ध स्वयं यहाँ आए थे और यही से गंगा नदी पार कर सहरसा की ओर गए थे।जबकि 12वीं शताब्दी में यहाँ 3000 छात्रों के होने का विवरण प्राप्त होता है। लेकिन यहाँ के सभागार के जो खण्डहर मिले हैं उनसे पता चलता है कि सभागार में 8000 विद्यार्थियों को बिठाने की व्यवस्था थी। विदेशी छात्रों में तिब्बती छात्रों की संख्या अधिक थी। एक छात्रावास तो केवल तिब्बती छात्रों के लिए ही था।इसी ऐतिहासिक विरासत को संरक्षित कर आगे बढाने का काम विक्रमशिला हिंदी विद्यापीठ कर रही है,जिसको संचालित करने में भारत ही नही कई देशों के हिंदी विद्वानों की भूमिका है।विद्यापीठ द्वारा ही विक्रमशिला के भग्नावशेष भवन परिसर को सुरक्षित करने के लिए चारदीवारी कार्य सम्पादित किया गया और विक्रमशिला की आत्मा हिंदी को बढ़ावा देने के लिए हिंदी लेखकों,साहित्यकारो को प्रोत्साहित करने के लिए शैक्षणिक पीठ सम्मान शुरू किए गए।जिसमे कम से कम 2 पुस्तकों या फिर 2 शोधपत्र लिखने वालों को विद्या वाचस्पति व विद्या सागर मानद उपाधियों के साथ अन्य सम्मान श्रंखला शुरू की गई।विक्रमशिला हिंदी विद्यापीठ ने यूं तो भागलपुर, साहबगंज की कन्हैया स्थली,उज्जैन, वर्धा समेत अनेक स्थानों पर अपने अधिवेशन किये लेकिन इस बार यह अधिवेशन विक्रमशिला की जन्मस्थली के निकट बाराहाट में हुआ।बीते10 नवंबर को हुए विद्यापीठ के अधिवेशन में देशभर से आये साहित्यकारो को छठ पूजा के चलते यातायात व्यवधान से भी रूबरू होना पड़ा।

बहार की खस्ताहाल सड़के और जगह जगह छठ पूजा के कारण सड़को पर लगे जाम ने वाहनों के पहिये जाम किये रखे।मैं स्वयं अपने मित्र उत्तराखंड के संस्कृत शिक्षा निदेशक डॉ आनन्द भारद्वाज व स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी नवीन शरण निश्चल के साथ फ्लाइट द्वारा पटना तो सहजता से पहुंच गए परन्तु वहा से भागलपुर बाराहाट की लगभग 300 किमी की दूरी तय करने में हमारी टैक्सी को 12 घण्टे लग गए।सुबह 11 बजे पटना से चलकर रात 11 बजे बाराहाट पहुंचे तो होटल पर खाने की व्यवस्था बंद हो चुकी थी,लेकिन विद्यापीठ के कुलसचिव डॉ देवेंद्र नाथ शाह के पुत्र प्रीतम ने रात में ही बड़े मनोभाव से खाना बनवाया और हमारी जमकर मेहमान नवाज़ी की जिससे हमारी 12 घण्टे की थकान उड़नछू हो गई।

बाराहाट बिहार व झारखंड सीमा पर बसा एक ऐसा कस्बा है ,जिसकी सड़क के पूरब का बाराहाट बिहार में है,तो पश्चिम का बाराहाट झारखंड में है,सुबह के समय हम नाश्ते की तलाश में निकले तो शुद्ध व सात्विक नाश्ता ढूंढने पर भी नही मिला,तभी हमारी दृष्टि ब्रह्माकुमारीज के सेवा केंद्र पर पड़ गई और हम बिना किसी परिचय के वहां जा पहुंचे।ब्रह्माकुमारीज केंद्र संचालिका बहन जो मूल रूप से गुजरात की थी,ने हमारा स्वागत किया और पानी लाने के बहाने ढेर सारा नाश्ता ले आई,जो हमारे लिए परमात्मा द्वारा उपलब्ध कराया गया ब्रह्मा भोजन था,जिसे पाने के लिए देवता तक तरसते है।इसके बाद विद्यापीठ के अधिवेशन में कुलाधिपति डॉ रामजन्म मिश्र,कुलपति दयानन्द व कुलसचिव डॉ देवेंद्र नाथ शाह के द्वारा अकादमिक सम्मान दिए गए।उत्तराखंड से वीके डोभाल, नई दिल्ली से डॉ जनित शर्मा व डॉ सीमा सूरी समेत अनेक विभूतियां हिंदी सेवाओं के लिए पुरूस्कृत की गई।जो हिंदी सेवा व विक्रमशिला की विरासत को जीवंत रखने का एक बड़ा यज्ञ कहा जा सकता है।यह अधिवेशन विद्यापीठ के संस्थापक डॉ तेजनारायण कुशवाहा के योगदान को याद करने व उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित करने के साथ सम्पन्न हुआ।

(लेखक विक्रमशिला हिंदी विद्यापीठ के उपकुलपति व वरिष्ठ साहित्यकार है)

(चिंतन-मनन)

समता की अनुभूति

मनोबल के विकास का दूसरा सूत्र बताया गया है- स्व दर्शन समता का दर्शन या परमात्मा का दर्शन। प्रांस की यूनिवर्सिटी का एक प्रोफेसर अहंकार में आकर बोला, मैं दुनिया का सर्वश्रेष्ठ आदमी हूं। किसी ने पूछ लिया-यह कैसे? उसने कहा, प्रांस दुनिया का सर्वश्रेष्ठ देश है। पेरिस प्रांस का सर्वश्रेष्ठ नगर और हमारा विश्वविद्यालय हमारे नगर का सर्वश्रेष्ठ क्षेत्र। दर्शन का विभाग उसमें सर्वश्रेष्ठ। मैं उसका अध्यक्ष। इसलिए मैं सर्वश्रेष्ठ आदमी। यह कैसा गणित है! हमारी दृष्टि जब दूसरों की ओर जाती है तो यही निष्कर्ष निकलता है कि हम दूसरों को काटते जाते हैं, तोड़ते जाते हैं और दूसरों के संदर्भ में हम अपने को सर्वश्रेष्ठ प्रतिष्ठापित करते जाते हैं। इसके अतिरिक्त कोई निष्कर्ष निकलता ही नहीं है। जब स्व-दर्शन में आदमी आता है तो उसे अनुभव होता है कि न प्रांस सर्वश्रेष्ठ, न पेरिस सर्वश्रेष्ठ, न विश्वविद्यालय सर्वश्रेष्ठ, न दर्शन का विभाग सर्वश्रेष्ठ और न विभागाध्यक्ष। सब समान है। सब व्यक्ति समान, सब देश समान, सब राष्ट्र समान और सब आत्माएं समान। जो समता के क्षण में जाता है, उसे यह नहीं लगता कि यह अलग, वह अलग। उसे लगता है कि सब मेरे-जैसे हैं। यह समान ही समान का गणित ऐसा चलता है कि अनन्त में से अनंत निकालो तो भी पीछे अनन्त ही रहेगा। अनन्त में अनन्त मिलाओ तो भी अनन्त ही रहेगा। समता में मिलाते जाओ, निष्कर्ष समता। यह समता की अनुभूति जब जागती है, तब एक विचित्र अनुभव होता है। उसे जगाने का जो सूत्र है, वह मनोबल को जगाने का परम सूत्र होता है।

विचार मंथन

1 वर्ष में सड़क हादसों में 1,72,890 लोगों की मौत, 9489 नाबालिग

(लेखक- सनत जैन)

भारत में रोजाना सड़क हादसों में मरने वालों की संख्या बढ़ती जा रही है। वर्ष 2023 में 172890 लोगों की मौत हुई है। 4 लाख 80 हजार 513 सड़क दुर्घटनाएं हुई हैं। भयंकर रूप से जख्मी लोगों की संख्या 462825 थी। 18 वर्ष से कम उम्र के तथा बिना हेलमेट पहने जिन लोगों की सड़क दुर्घटना में मौतें हुई है। उनकी संख्या 54568 थी। सड़क हादसों में मरने वालों की संख्या सबसे ज्यादा उत्तर प्रदेश, उसके बाद तमिलनाडु महाराष्ट्र मध्य प्रदेश कर्नाटक राजस्थान बिहार आंध्र प्रदेश और गुजरात में सर्वाधिक मोतें हुई हैं। किसी भी देश में सड़क हादसे में मरने वालों की संख्या भारत में सर्वाधिक है। पिछले दो दशक में भारत में सड़क दुर्घटनाओं में मरने वालों की संख्या लगातार बढ़ती चली जा रही है। केंद्र सरकार की लापरवाही इन दुर्घटनाओं का सबसे बड़ा कारण है। पिछले दो दशक में राष्ट्रीय राजमार्ग द्वारा जो राजमार्ग बनाए गए हैं। उनमें काफी स्पीड से वाहन चलते हैं। जो वाहन पिछले 20 वर्षों में तैयार किये जा रहे हैं।उनकी स्पीड पहले की तुलना में बहुत ज्यादा है। वाहन निर्माता द्वारा जो लाइटें वाहनों में लगाई जा रही हैं। वह काफी दूर तक तेज रोशनी फेंकती हैं। जिसके कारण सामने वाले वाहन के चालक को कुछ समय के लिए दिखना बंद हो जाता है। सड़कों पर वाहन 100 से लेकर 120 किलोमीटर की रफ्तार में चलाए जा रहे हैं। लाइट के कारण अधिकांश दुर्घटनाएं रात के समय में हो रही हैं। केंद्रीय परिवहन मंत्रालय दुर्घटनाओं का ठीकरा हेलमेट के ऊपर फोड़कर दुर्घटना से बचाव करता है। चार पहिया वाहनों में अब पैसेंजर के लिए बेल्ट के माध्यम से वाहनों में सुरक्षा बेग से सुरक्षित होने की बात बड़ी जोर-जोर से प्रचारित करता है। लेकिन जब दुर्घटनाएं होती हैं, तो यह बेग भी वाहन चालकों और वाहन में बैठे हुए यात्रियों को कोई सुरक्षा नहीं कर पा रहे हैं । जिस तेजी के साथ ऑटोमोबाइल क्षेत्र में वाहनों की संख्या साल दर साल बढ़ती जा रही है। उसके हिसाब से वाहन चालकों को प्रशिक्षण देने के कोई इंतजाम भारत में नहीं किए गए हैं। वाहनों में जो लाइटें लगाई जा रही हैं। वही दुर्घटना का सबसे बड़ा कारण बन रही हैं। वाहन जब सड़कों पर तेज रफ्तार से दौड़ते हैं। अधिकांश दुर्घटनाओं में यह पय गया है, कि वाहन चालक अपना नियंत्रण नहीं रख पाया। सड़कें भी जिस तरीके से बनाई गई हैं। वह भी दुर्घटना स्पाट के रूप में सामने आ रही हैं। गलत डिजाइनिंग और लापरवाही के कारण सड़क दुर्घटनाएं तेजी के साथ बढ़ती ही चली जा रही हैं। कुछ समय पहले वाहनों में जो लाइट लगाई जाती थी। उनमें अपर डिपर और लाईटें इस तरह से लगाने की व्यवस्था की जाती थी। सामने वाले वाहन चालक के आंखों में सीधी रोशनी ना पड़े। लेकिन अब जिस तरीके से वाहनों में लाइट लगकर आ रही हैं। उसकी लाइट सामने वाले वाहन चालकों पर सीधी पड़ती है। जो वर्तमान में वाहन चालक हैं।वह अपर-डिपर से लाइट को कंट्रोल करने का कोई प्रयास नहीं करते हैं। जिसके कारण वाहन दुर्घटनाओं की संख्या बड़ी तेजी के साथ बढ़कर लाखों पर पहुंच गई है। लाखों लोगों की मृत्यु सड़क दुर्घटना में हो रही है। लाखों लोग अस्पताल में गंभीर रूप से घायल होकर कई महीनों और वर्षों तक इलाज कराने के लिए मजबूर हैं। लाखों रुपए खर्च करने के बाद भी सारे जीवन अपाहिज की तरह अपना जीवन बिताने के लिए मजबूर होते हैं। पिछले 20 वर्षों से भारत में सड़क दुर्घटनाओं में होने वाले लोगों की मौत की संख्या बड़ी तेजी के साथ बढ़ती जा रही है। हेलमेट नहीं पहनने पर भारी जुर्माना लगाया जा रहा है। सीट बेल्ट नहीं लगाने पर भारी जुर्माना सड़कों पर खड़ी पुलिस द्वारा वसूल किया जा रहा है। जुर्माने से सरकार को करोड़ों रुपए की कमाई हो रही है।लेकिन सड़क दुर्घटनाएं और इसमें मरने वालों की संख्या कम होने के स्थान पर बढ़ती ही जा रही है।जुरमाने से सरकार वाहन दुर्घटनाओं को रोकने की जो कवायत कर रही है। उससे सरकार को कमाई तो हो रही है। लेकिन सड़क दुर्घटनाएं बढ़ती ही जा रही हैं। ऐसा लगता है कि भारत में सड़क दुर्घटनाओं के मामले में सरकार विश्व रिकॉर्ड बनाने की तैयारी कर ली है। यदि ऐसा नहीं है, तो फिर क्या कारण है, हर साल सड़क दुर्घटनाओं में रोकथाम नहीं हो पा रही है। सरकार के तमाम प्रयासों के बाद भी दुर्घटनाएं बढ़ती ही जा रही हैं। इसे केंद्रीय परिवहन मंत्रालय की अक्षमता से जोड़ा जा सकता है। परिवहन मंत्रालय वाहनों के निर्माण, तकनीकी, रोड निर्माण की तकनीकी, डिजाइन तथा वाहन चालकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए नियम बनाती है। एक आम आदमी भी यह कह रहा है। तेज गति से चलने वाले वाहन की लाइट के कारण बहुत सारी दुर्घटनाएं हो रही हैं। सड़क पर खड़े हुए वाहनो से तेज गति से आ रहे वाहन भिड़ रहे हैं। वाहन चालकों को रात मे दिखते नहीं है। जो गंभीर दुर्घटनाओं के कारण बनते हैं। इसी तरह सड़कों पर मवेशी बैठे रहते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

देश का विदेशी मुद्रा भंडार घटकर 675.65 अरब डॉलर पर

गोल्ड रिजर्व भी 1.94 अरब डॉलर घटकर 67.81 अरब डॉलर हुआ

मुंबई । भारत का विदेशी मुद्रा भंडार पिछले सप्ताह 6.48 अरब डॉलर घटकर 675.65 अरब अमेरिकी डॉलर रह गया है, जो सप्ताह के दौरान कम हो गया है। रिजर्व बैंक के हाल ही में बयान के मुताबिक विदेशी मुद्रा आस्तियों में 4.47 अरब डॉलर का घाटा होकर 585.38 अरब अमेरिकी डॉलर रह गया है। विदेशी मुद्रा भंडार का बदलाव बहुत महत्वपूर्ण है और इसका सीधा प्रभाव मुद्रा बाजारों पर होता है। विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट की यह सूचना देश की अर्थव्यवस्था पर भी प्रभाव डाल सकती है। विदेशी मुद्रा भंडार में गोल्ड रिजर्व की भी गिरावट हुई है, जो 1.94 अरब डॉलर घटकर 67.81 अरब अमेरिकी डॉलर रह गया है। अतः विदेशी मुद्रा भंडार में प्रमुख गिरावट और इसके प्रभाव की जांच आवश्यक है। साथ ही अंतरराष्ट्रिय मुद्राकोष (आईएमएफ) के पास भारत का आरक्षित भंडार भी 1.4 करोड़ डॉलर घटकर 4.30 अरब डॉलर पर आ गया है। यह भी एक महत्वपूर्ण विकेन्द्रित विषय है जिसे अधिक जानकारी और विश्लेषण की आवश्यकता है। रिजर्व बैंक की आंकड़ों के अनुसार यह सभी घटनाएं दर्शाती हैं कि कारोबारी समृद्धि और अर्थव्यवस्था को लेकर मुद्रा बाजार में उतार-चढ़ाव की संभावना है। इसके लिए विशेषज्ञों और नीति निर्माताओं को समय रहते सावधानी बरतने की आवश्यकता हो सकती है।

जीईएम पोर्टल के जरिये सार्वजनिक खरीद तीन लाख करोड़ के पार

जीईएम पोर्टल के माध्यम से केंद्रीय इकाइयों की खरीद में भी देखी गई वृद्धि

नई दिल्ली । जीईएम पोर्टल के माध्यम से सरकारी खरीद ने वित्त वर्ष के शुरुआती महीनों में एक बड़ी उछाल देखा है। इस माध्यम से अब तक तीन लाख करोड़ रुपये की सरकारी खरीद हो चुकी है, जिसके उल्लेख्य कारण मंत्रालयों और विभागों में खरीद गतिविधियों में वृद्धि है। जीईएम पोर्टल की शुरुआत से बीते वित्त वर्ष में केंद्रों और राज्यों के सरकारी विभागों तथा सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों ने चार लाख करोड़ रुपये की खरीद की थी। इसके साथ ही जीईएम ने पंचायतों और सहकारी समितियों को भी इस प्रक्रिया में शामिल किया है। जीईएम पोर्टल के माध्यम से केंद्रीय इकाइयों की खरीद में भी वृद्धि देखी गई है, जिसमें करीब 30,264 करोड़ रुपये का खाता है। इसके साथ ही 9.7 लाख से अधिक सूक्ष्म, लघु और मझोले उद्यमों ने जीईएम पर पंजीकरण करवाया है, जिन्हें कुल ऑर्डर का लगभग 40 प्रतिशत अंश प्राप्त हुआ है। जीईएम पोर्टल के माध्यम से सरकारी खरीद के लिए एक सुविधाजनक प्लेटफ़ॉर्म प्राप्त होने के साथ-साथ उद्यमों को भी बड़ी और छोटी स्केल पर व्यापार का मौका प्रस्तुत हो रहा है। इस स्थिति में जीईएम पोर्टल सरकारी खरीद के प्रक्रियाओं में सुधार और पारदर्शिता में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो रहा है।

मैनकाइंड फार्मा ने भारत सीरम्स का हिस्सा गिरवी रखा

- कंपनी ने निजी नियोजन के आधार पर 10,000 करोड़ जुटाने की योजना बनाई

नई दिल्ली । मैनकाइंड फार्मा ने अपनी सहायक भारत सीरम्स ऐंड वैक्सींस लिमिटेड (बीएसवी) के लिए 5,000 करोड़ रुपये के गैर-परिवर्तनीय ऋणपत्र जारी किए हैं। इसके लिए कम्यूनिकेशन कंपनी कैटलिस्ट ट्रस्टीशिप लिमिटेड के साथ 39.68 फीसदी हिस्सेदारी का कदम उठाया गया है। यह कदम 10 अक्टूबर को तीन डिबेंचर ट्रस्ट डीड्स की व्यवस्था के तहत किया गया। गिरवी करार को 14 नवंबर को औपचारिक रूप दिया गया है। इससे मैनकाइंड फार्मा को एनसीडी जारी करने की संभावना है। कंपनी ने सितंबर में घोषणा की थी कि उन्होंने अपने निजी नियोजन के आधार पर 10,000 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बनाई है। इसके तहत, 23 अक्टूबर को उन्होंने बीएसवी के पूर्ण स्वामित्व का अधिग्रहण किया था। गिरवी के लिए किसी रकम का खुलासा नहीं किया गया है, लेकिन इसके संदर्भ में कोई सौदा नहीं है। कंपनी ने नियामकीय सूचना में इसे स्पष्ट किया है। इस गिरवी से मैनकाइंड फार्मा की रणनीतिक पहल और वृद्धि योजना को सहारा मिलने की उम्मीद है। इसके जरिए कंपनी कि विकास की गति में मदद मिलेगी।

अनिल अंबानी की कंपनी की चूक की चर्चाएं तेज

– लोन की रकम के दुरुपयोग का आरोप, केनरा बैंक ने जारी किया नोटिस

नई दिल्ली ।

रिलायंस कम्युनिकेशंस के मालिक अनिल अंबानी की मुसीबतें दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही हैं। केनरा बैंक ने दावा किया है कि रिलायंस कम्युनिकेशंस और उसकी सहायक कंपनी रिलायंस टेलीकॉम के लोन अकाउंट को फ्रॉड घोषित करने के लिए एक नोटिस जारी किया गया है। केनरा बैंक ने 28 अक्टूबर को नोटिस जारी किया था, जिसमें बताया गया कि कंपनी को साल 2017 में 1,050 करोड़ रुपये का लोन दिया गया था। इस लोन को चुकाने में रिलायंस कम्युनिकेशंस विफल रही। नोटिस के अनुसार बैंकों से मिलाकर कंपनी को कुल 31,580 करोड़ रुपये का लोन दिया गया था, जिसमें से करीब 13,668 करोड़ रुपये का इस्तेमाल लोन और अन्य भुगतानों के लिए किया गया था। इसके अलावा, बैंक दावा कर रहा है कि रिलायंस कम्युनिकेशंस ने लोन की मंजूरी की शर्तों का भी उल्लंघन किया है। ऑडिट में पाया गया है कि कंपनी ने लोन के एक भाग का इस्तेमाल अनअथॉराइज्ड उद्देश्यों के लिए किया गया था। रिलायंस कम्युनिकेशंस ने बैंक के इस नोटिस का अभी तक जवाब नहीं दिया है। दिवालिया हो चुकी कंपनी ने दावा किया है कि वह दिवालियापन समाधान प्रक्रिया में है और किसी भी डांट के प्रति मुकदमा सुरक्षित है। इस विवाद की चर्चा व्यापक है और अनिल अंबानी की कंपनी के भविष्य पर प्रश्न खड़े कर रही है। रिलायंस कम्युनिकेशंस की पक्ष और केनरा बैंक की भूमिका की समीक्षा जारी है, जो इस मामले का समाधान तय करेगी।

त्योहारी सीजन में वाहनों की मांग बढ़ी

- 42 दिन में बिक गईं 42,88,248 गाड़ियां

मुंबई । देश में यातायात सेवाओं की मांग में भारी बढ़ोतरी के बाद विविध वाहनों की बिक्री में भी वृद्धि दर्ज की गई है। डीलरों के संगठन ने जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार इस वर्ष 42 दिन की त्योहारी अवधि में वाहनों का पंजीकरण 12 प्रतिशत तक बढ़कर 42,88,248 इकाई हो गई है। इसमें यात्री वाहनों की बिक्री में भी सात प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। वाहन डीलर संघों के अध्यक्ष ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में मांग का अद्भुत उछाल देखने को मिला है, जिसने दोपहिया वाहनों की बिक्री में 14 प्रतिशत की वृद्धि को प्रेरित किया है। सिमित अवधि में ट्रैक्टर की बिक्री में कमी दर्ज की गई है, जबकि स्कूटर की बिक्री में वृद्धि दर्ज की गई है। उद्योग संगठन सियाम ने बताया कि अक्टूबर में यात्री वाहनों की थोक बिक्री में मामूली वृद्धि दर्ज की गई है। इसके साथ ही, दोपहिया वाहनों की बिक्री में बढ़ोतरी भी देखने को मिली है। स्कूटर की बिक्री में भी अवधि के तुलना में वृद्धि की गई है। यह आंकड़े देशभर के राज्यीय परिवहन कार्यालयों से एकत्र किए गए हैं, जो वाहन वाणिज्य के स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव दर्शाते हैं। सम्मानित उद्योग संगठनों के आगे देश के यातायात सेवाओं में सिफारिश देते हुए, ये आंकड़े असहनीय रूप से उत्तेजना देने वाले हैं।

वैश्विक ब्रोकरेज सीएलएसए का फिर भारत पर जोर, चीन में निवेश घटाया

- सीएलएसए ने दोनों देशों में निवेश की रणनीति में बदलाव करने का लिया है निर्णय

नई दिल्ली ।

वैश्विक ब्रोकरेज कंपनी सीएलएसए ने भारतीय शेयर बाजारों से निकलकर चीन में निवेश करने की घोषणा की है। ब्रोकरेज ने चीन में निवेश को अपनी रणनीति के महत्वपूर्ण हिस्से में बदल दिया है। इसके बजाय, वह भारत में निवेश को बढ़ाने का मंजूरी दी है। सीएलएसए की रिपोर्ट में कहा गया कि चीनी बाजारों में व्यापार की चुनौतियों के उभार के बाद, चीन में निवेश कम किया जा रहा है। इसके बजाय भारत में निवेश को बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। व्यापारिक मामलों में चीन के विपक्षी नेता डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के लिए भारी विचारधारा बयान किया गया है, जो एक व्यापारिक युद्ध की संभावनाओं का सिग्नल दे रहा है। इस संदर्भ में, सीएलएसए ने दोनों देशों में निवेश की रणनीति में बदलाव करने का निर्णय लिया है। अक्टूबर की शुरुआत में भारत में निवेश को कम करते हुए, सीएलएसए ने चीन में निवेश को बढ़ाने का फैसला किया था। हालांकि, अब ब्रोकरेज कंपनी ने इस निर्णय को वापस लेते हुए भारत में निवेश में वापसी की घोषणा की है। सीएलएसए के इस रूपांतरण के साथ, व्यापारिक दुनिया में स्थिति में एक सकारात्मक परिवर्तन आएगा। सीएलएसए का नया मुख्यालय भारत के वृद्धि और विकास के भविष्य में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

शेयर बाजार में दूसरे सप्ताह भी गिरावट रही

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजार में लगातार दूसरे सप्ताह भी गिरावट दर्ज की गई। सोमवार को सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट देखने को मिली जिसके बाद मंगलवार को मजबूती के बावजूद फिसला। बुधवार और गुरुवार को भी शेयर बाजार में गिरावट देखने को मिली। गुरुनानाक जयंती पर शुक्रवार को बाजार बंद रहा। शेयर बाजार में बीते कुछ समय से जारी गिरावट का सिलसिला सोमवार को भी जारी रहा। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 484.98 अंक गिरकर 79,001.34 पर खुला और 9.83 अंक की मामूली बढ़त के साथ 79,496.15 पर बंद हुआ। निफ्टी 143.6 अंक फिसलकर 24,004.60 के स्तर पर खुला और 6.90 अंक गिरकर 24,141.30 पर बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को मजबूत शुरुआत के बावजूद फिसल गया। शुरुआती सत्र में हरे निशान पर करोबार करने के बाद बैंकिंग और ऑटो सेक्टर के शेयरों में बिकवाली से बेंचमार्क सूचकांक फिसल गए। सेंसेक्स 675.23 अंकों की गिरावट के साथ 78,820.92 पर खुला और 820.97 अंक टूटकर 78,675.18 पर बंद हुआ। निफ्टी 221.10 टूटकर 23,920.20 पर खुला और 257.85 अंक फिसलकर 23,883.45 पर बंद हुआ। भारतीय शेयर बाजार के प्रमुख बेंचमार्क सूचकांक, सेंसेक्स और निफ्टी 50 बुधवार को तिमाही परिणामों में कंपनियों की आय में मंदी और कमजोर वैश्विक संकेतों के बीच एक बार फिर लाल निशान पर खुले।

बीएसई सेंसेक्स 78,495.53 पर खुला और 984 अंक या 1.25 प्रतिशत की गिरावट के साथ 77,691 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 23,822.45 पर खुला और 324 अंक की गिरावट के साथ 23,559 अंक पर बंद हुआ। गुरुवार के कारोबारी दिन भारतीय शेयर बाजार के प्रमुख बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी मामूली गिरावट के साथ सपाट खुले। सेंसेक्स 254.5 अंक चढ़कर 77,945.45 पर खुला और 110.64 अंक गिरकर 77,580.31 पर बंद हुआ। निफ्टी 86.25 अंक चढ़कर 23,645.30 पर खुला और 26.35 अंक की गिरावट के साथ 23,532.70 अंक पर बंद हुआ।

अक्टूबर में दोपहिया वाहनों की बिक्री में 14.2 प्रतिशत की वृद्धि

नई दिल्ली ।

अक्टूबर 2024 में देश में दोपहिया वाहनों की बिक्री में 14.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इस दौरान कुल 21.64 लाख यूनिट दोपहिया वाहन बिके, जबकि अक्टूबर 2023 में यह आंकड़ा 18.96 लाख यूनिट था। यह जानकारी सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) द्वारा जारी किए गए आंकड़ों में दी है। सियाम के महानिदेशक राजेश मेनन ने बताया कि इन त्योहारों ने ऑटो इंडस्ट्री की परफॉर्मेंस को महत्वपूर्ण बढ़ावा दिया। अक्टूबर 2024 में यात्री वाहनों की बिक्री भी बढ़ी, जिसमें कार और एसयूवी की बिक्री मिलाकर कुल 3.93 लाख यूनिट तक पहुंच गई, जो अक्टूबर 2023 के 3.9 लाख यूनिट के उच्च आंकड़े से 0.9 प्रतिशत अधिक है। यह वृद्धि वाहन रजिस्ट्रेशन डेटा में भी दिखाई दी, जिसमें दोनों प्रकार के वाहनों (यात्री और दोपहिया) के रजिस्ट्रेशन में 30 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई। हालांकि, तिपहिया वाहनों की बिक्री में 0.7 प्रतिशत की मामूली गिरावट आई और यह अक्टूबर 2024 में 0.77 लाख यूनिट रही। वहीं, रजिस्ट्रेशन में 11 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। बाजार विश्लेषकों का मानना है कि दोपहिया वाहनों की बिक्री में वृद्धि का प्रमुख कारण ग्रामीण आय में वृद्धि है। इस वर्ष सामान्य मानसून के कारण फसल की पैदावार बेहतर हुई, जिससे कृषि क्षेत्र में आय में वृद्धि हुई और ग्रामीण क्षेत्रों में उपभोग वस्तुओं की मांग में भी इजाफा हुआ।

इसके अतिरिक्त, सरकार द्वारा फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि से किसानों की आय में और भी बढ़ोतरी हुई। यह ट्रेंड केवल ऑटोमोबाइल क्षेत्र में ही नहीं, बल्कि भारत के फास्ट मूविंग कंज्यूमर गुड्स (एफएमसीजी) सेक्टर में भी देखने को मिला है। नील्सनआईक्यू के सर्वेक्षण के अनुसार, जुलाई-सितंबर तिमाही में एफएमसीजी वस्तुओं की बिक्री में मूल्य के हिसाब से 5.7 प्रतिशत और मात्रा के हिसाब से 4.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई। यह वृद्धि लगातार तीसरी तिमाही में ग्रामीण मांग के कारण हुई, जो शहरी बाजारों की तुलना में अधिक तेजी से बढ़ी है। बताया जा रहा है कि बिक्री में बढ़ोतरी का मुख्य कारण देश में दशहरा और दीपावली जैसे प्रमुख त्योहारों का एक ही महीने में आना था, जो उपभोक्ता मांग में वृद्धि का कारण बने।

प्याज की कीमत में आई गिरावट

दिल्ली में प्याज की कीमत 67 रुपए किलो से 63 रुपए किलो गिरी

नई दिल्ली ।

दिल्ली में प्याज की कीमतों में मामूली गिरावट की खबर सभी को राहत देने वाली है। इस सप्ताह प्याज की कीमत 67 रुपए प्रति किलो से 63 रुपए प्रति किलो गिरी है। सरकार की उम्मीद है कि अगले 1-2 सप्ताह में और गिरावट आ सकती है। राजस्थान के अलवर में प्याज की फसल तैयार हो गई है, लेकिन दिवाली और छठ पर्व के दौरान मजदूरों की कमी के कारण फसल की कटाई में देरी हुई है। सरकारी सहकारी समितियां नैफेड और एनसीसीएफ ने प्याज की सप्लाई बढ़ा दी है। सरकार ने इस साल 4.75 लाख टन प्याज का बफर स्टॉक तैयार किया है। पिछले सप्ताह दो मालगाड़ियां प्याज लेकर दिल्ली पहुंची थीं और एक और मालगाड़ी नासिक से रवाना हो रही है। साथ ही, अब प्याज को मालगाड़ियों के माध्यम से भेजा जा रहा है, जिससे लोकल प्याज की आपूर्ति में वृद्धि हो रही है। आजादपुर मंडी में प्याज व्यापारी संघ के अध्यक्ष ने बताया कि कीमतों में स्थायी गिरावट की संभावना है, लेकिन इसमें थोड़ी देरी हो सकती है। वे उम्मीद कर रहे हैं कि खरीफ की फसल आने के बाद कीमतें और भी कम हो सकती है।

एफपीआई ने बिकवाली करके 18,077 करोड़ के शेयर बेचे

सरकारी प्रतिभूतियों के यील्ड में अब सिर्फ 240 आधार अंक का अंतर है

नई दिल्ली ।

विदेशी निवेशक (एफपीआइएस) के निवेश की दिशा में बदलाव देखने को मिल रहा है, जैसे ही दोनों भारतीय ऋण और इक्विटी बाजारों से धीरे-धीरे निकाल रहे हैं। सीसीआईएल की रिपोर्ट के अनुसार नवंबर में एफपीआईएस ने शुद्ध बिकवाली करके सरकारी प्रतिभूतियों के 8750 करोड़ रुपये की बेची। अक्टूबर में इस आंकड़ा 5142 करोड़ रुपये था। विदेशी निवेशक इक्विटी बाजार से भी धीरे-धीरे बाहर निकल रहे हैं, जिसमें नवंबर में 18077 करोड़ रुपये के शेयर बेचे गए हैं। दक्षिण एशियाई बाजारों में अवेक्षण करने वाले जन स्मॉल फाइनैंस बैंक के ट्रेजरी और कैपिटल मार्केट्स के एक अे धिकारी कहते हैं कि सरकारी प्रतिभूतियों के यील्ड में अब सिर्फ 240 आधार अंक का अंतर है, जिससे भारतीय बाजार के लिए निवेश कम हो सकता है। अमेरिका में बॉन्ड यील्ड में वृद्धि के संकेत हैं, जबकि डॉलर मजबूत हो रहा है जिससे भारतीय रुपया 84.41 प्रति डॉलर के निचले स्तर पर उतार चढ़ाव देख रहा है। एवेंडस कैपिटल पब्लिक मार्केट्स के सीईओ कहते हैं कि एफपीआईएस की निवेश में जल्दी का उम्मीदवार नहीं है। हालांकि, बाजारों की समेकन अवधि में वृद्धि की उम्मीद है जिससे कंपनियों की आय बढ़ेगी और ब्याज दरों में कमी आ सकती है। उभरते बाजारों में भारत को एक आकर्षक विकल्प के रूप में देखा जा सकता है जिससे निवेशकों को स्थिरता की आशा है।

ईजमाईट्रिप प्लैनेट एजुकेशन ऑस्ट्रेलिया का करेगी अधिग्रहण

- प्लैनेट एजुकेशन के वैश्विक स्तर पर 25 कार्यालय हैं

नई दिल्ली ।

यात्रा बुकिंग प्लेटफॉर्म ईजमाईट्रिप ने शुक्रवार को घोषणा की कि वह प्लैनेट एजुकेशन ऑस्ट्रेलिया प्राइवेट लिमिटेड की 49 प्रतिशत चुकता शेयर पूंजी का अधिग्रहण करेगी। यह अधिग्रहण ईजमाईट्रिप के ग्राहक आधार, एजेंट नेटवर्क, तकनीकी क्षमताओं और प्लैनेट एजुकेशन के वैश्विक शिक्षा नेटवर्क के बीच तालमेल को मजबूत करेगा। यह डील प्लैनेट एजुकेशन की वृद्धि की सार्वजनिक श्रेणी में महत्वपूर्ण कदम होगा। सिडनी में मुख्यालय वाली प्लैनेट एजुकेशन वैश्विक स्तर पर 25 कार्यालयों में उपस्थित है और 350 से अधिक विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग कर रही है। इस समान्वयन से प्लैनेट एजुकेशन और ईजमाईट्रिप की गति और गुणवत्ता में सुधारित होगा। ईजमाईट्रिप के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि हर साल लाखों छात्र उच्च शिक्षा के लिए विभिन्न देशों में जाते हैं। उन्होंने कहा प्लैनेट एजुकेशन के अधिग्रहण से हमें अंतरराष्ट्रीय अध्ययन पर्यटन के क्षेत्र में एक प्रमुख खिलाड़ी बनने का सामर्थ्य मिलेगा। यह आलेख संदेश करता है कि ईजमाईट्रिप का प्लैनेट एजुकेशन का अधिग्रहण किया जाना साथ संयुक्त शक्ति का उत्कृष्ट उदाहरण है जो उच्च शिक्षा एजेंसियों के लिए एक नया परिदृश्य स्थापित करेगा।

जियो ने बिना नीलामी सैटेलाइट संचार कंपनियों को स्पेक्ट्रम आवंटन का विरोध किया

बिना नीलामी के स्पेक्ट्रम आवंटन से स्थानीय संस्थाएं विदेशी सैटेलाइट कंपनियों से प्रतिस्पर्धा कर सकेंगी

नई दिल्ली ।

रिलायंस जियो ने बिना नीलामी के सैटेलाइट संचार (सैटकॉम) कंपनियों को स्पेक्ट्रम आवंटित करने के प्रस्ताव का विरोध किया है। कंपनी ने कहा कि बिना नीलामी के स्पेक्ट्रम आवंटन से स्थानीय संस्थाएं सीधे विदेशी सैटेलाइट कंपनियों से प्रतिस्पर्धा कर सकेंगी। दूरसंचार नियामक ट्राई को लिखे पत्र में कंपनी ने बताया कि एलन मस्क की स्टारलिंक और अमेजन की कुइपर के संयुक्त उद्यम ने पिछले कुछ वर्षों में तीनों प्रमुख भारतीय दूरसंचार कंपनियों की तुलना में अधिक क्षमता सृजित की है। जियो ने कहा, नीलामी के माध्यम से स्पेक्ट्रम आवंटन भारतीय संस्थाओं को सीधे विदेशी कंपनियों से प्रतिस्पर्धा करने का अवसर प्रदान करेगा। विदेशी कंपनियों ने आईटीयू (अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ) के पहले आओ, पहले पाओ मानदंड के आधार पर प्राथमिकता सूची को अवरुद्ध कर दिया है और अपनी खुद की समूह योजना बनाई है। कंपनी ने उल्लेख किया कि स्पेक्ट्रम आवंटन/प्राथमिकता में पारदर्शिता और निश्चितता के बिना, कोई भी भारतीय संस्था कभी भी अपना स्वयं का एनजीएसओ (गैर-भूस्थिर उपग्रह कक्षा) समूह शुरू नहीं कर पाएगी। उल्लेखनीय है कि 2023 के दूरसंचार अधिनियम में सैटकॉम कंपनियों को बिना नीलामी के प्रशासनिक रूप से स्पेक्ट्रम आवंटित करने का उल्लेख किया गया है। इसका कारण यह है कि सैटेलाइट कंपनियां आवंटित रेडियो फ्रीक्वेंसी को साझा स्पेक्ट्रम मानती हैं और उनका मानना है कि सैटकॉम इकाइयों को अलग-अलग फ्रीक्वेंसी आवंटित करना तकनीकी रूप से संभव नहीं है। जियो ने भी इस तर्क को यह कहते हुए खारिज कर दिया है कि सैटकॉम सेवाएं उन दूरसंचार सेवाओं की पूरक होंगी जहां कोई नेटवर्क कवरेज मौजूद नहीं है।

सैमसंग कर रही चिप बनाने में देरी का सामना

नई दिल्ली । ऐपल की प्रतिद्वंद्वी सैमसंग ने बताया कि वह अपनी आगामी मोबाइल सीरीज गैलेक्सी एस25 के लिए एक्सीनोस 2500 चिप बनाने में देरी का सामना कर रही है। इसके पीछे कंपनी का मानना है कि दक्षिण कोरिया में प्रति सप्ताह 52 घंटे का कार्य सीमा है, जिसके कारण वे अपने उत्पादन लक्ष्यों को पूरा करने में विफल रहे हैं।

सैमसंग ने अपने चिप प्रोडक्शन में देरी के कारणों का अजीब तर्क देते हुए कर्मचारियों की वर्किंग ऑवर्स को जिम्मेदार ठहराया है। सैमसंग का दावा है कि 52 घंटे की यह कार्य सीमा, जिसमें 12 घंटे का ओवरटाइम शामिल है, चिप उत्पादन की मांगों को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं है। कंपनी के अनुसार, कार्य सीमा की वजह से उनके इंजीनियर जरूरत के समय भी काम बंद कर देते हैं, जिससे उत्पादन अधूरा रह जाता है।

रिपोर्ट के अनुसार, सैमसंग के कई कर्मचारियों को बिना अतिरिक्त भुगतान के ओवरटाइम करना पड़ता है ताकि कंपनी अपने लक्ष्यों को हासिल कर सके। इसी के मद्देनजर, सैमसंग ने अधिक कार्य की अनुमति प्राप्त करने के लिए दक्षिण कोरिया के सांसदों से नीति परिवर्तन की चर्चा शुरू की है। हालांकि, सैमसंग के इस तर्क पर कई आलोचक सवाल उठा रहे हैं। प्रतिस्पर्धा में मौजूद ताइवान की टीएसएमसी जैसी अन्य कंपनियाँ सप्ताह में 48 घंटे के कार्यकाल में भी अपने लक्ष्यों को समय पर पूरा कर रही हैं। इसके अलावा, दक्षिण कोरिया की एसके हायनिक्स भी इन्हीं घंटों में काम कराकर अपने उत्पादन को पूरा कर रही है, जबकि सैमसंग अपने देरी का ठीकरा कार्य समय सीमा पर फोड़ रही है। दुनिया भर में कार्य घंटों के सामान्य औसत पर नजर डालें, तो अधिकांश देशों में कार्य समय प्रति सप्ताह 40 से 50 घंटे के बीच है। भारत में यह सीमा 48 घंटे प्रति सप्ताह है, जबकि अमेरिका में यह 38.5 घंटे और ऑस्ट्रेलिया में 36.5 घंटे प्रति सप्ताह है। वहीं, दक्षिण कोरिया में 52 घंटे की कार्य सीमा है, जो अन्य कई देशों की तुलना में अधिक है। फिर भी सैमसंग अपने लक्ष्यों को समय पर हासिल नहीं कर पा रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि सैमसंग को अपनी आंतरिक प्रबंधन और रणनीतियों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संजू सैमसन और तिलक के धमाकेदार शतक, साउथ अफ्रीका के खिलाफ भारत ने जीती 3-1 से सीरीज

जोहान्सबर्ग (एजेंसी)। भारत ने संजू सैमसन और तिलक वर्मा की धमाकेदार नाबाद शतकीय पारियों की बदौलत शुक्रवार को यहां चौथे और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 138 रन से जीत हासिल कर श्रृंखला 3-1 से अपने नाम की। सैमसन (नाबाद 109) और वर्मा (नाबाद 120) के बीच दूसरे विकेट के लिए रिकॉर्ड 210 रन की अटूट साझेदारी से भारत ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए एक विकेट पर 283 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया।

यह भारत का टी20 अंतरराष्ट्रीय में अब तक का विदेशी सरजमीं पर और दक्षिण अफ्रीकी धरती पर किसी भी देश द्वारा बनाया गया सबसे बड़ा स्कोर है। अर्शदीप सिंह (20 रन देकर तीन विकेट) के शानदार शुरूआती स्पैल की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने 10 रन पर चार विकेट गंवा दिये थे और फिर पूरी टीम 18.2 ओवर में 148 रन पर सिमट गई। मैच के दौरान कई रिकॉर्ड टूटे जिसमें सबसे खास रिकॉर्ड दो भारतीय बल्लेबाजों का एक ही टी20 अंतरराष्ट्रीय पारी में शतक जड़ना रहा।

सैमसन और वर्मा ने दूसरे विकेट के लिए सिर्फ 93 गेंद में बनी 210 रन की साझेदारी भारत के लिए इस प्रारूप में किसी भी विकेट के लिए सबसे बड़ी भागीदारी भी रही। हैदराबाद के 22 वर्षीय तिलक ने महज 47 गेंद में नौ चौके और 10 छक्के जड़े जिससे वह टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लगातार शतक जड़ने वाले दूसरे भारतीय बने।

कप्तान सूर्यकुमार यादव ने इस युवा प्रतिभा को मौका देने के लिए अपने पसंदीदा बल्लेबाजी स्थान को छोड़ने का फैसला किया जो उनकी नेतृत्व क्षमता दिखाता है। पहले मैच में शानदार शतक जड़ने वाले सैमसन ने 56 गेंद का सामना करते हुए अपनी शतकीय पारी में छह चौके और नौ छक्के जमाये। वर्मा के साथ मिलकर सैमसन ने एक बार फिर दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों की धुनाई की।

तीसरे नंबर पर वर्मा आत्मविश्वास और जोश से भरे दिखे। सैमसन ने पिछली पांच पारियों में तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक जड़े हैं जिसमें दो बार शून्य पर आउट होना भी शामिल हैं जबकि वर्मा ने लगातार दो टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक जड़े। दक्षिण अफ्रीका की शुरूआत ही काफी खराब हुई, उसने तीसरे ओवर में 10 रन पर चार विकेट खो दिये थे। इस विशाल स्कोर का पीछा करते हुए बल्लेबाजों का दबाव में आना लाजमी था।

दक्षिण अफ्रीका ने पारी की तीसरी गेंद पर अपने सलामी बल्लेबाज रीजा हैंड्रिक्स का विकेट गंवाया जो अर्शदीप सिंह का पहला शिकार हुए। दूसरे ओवर में आल राउंडर हार्दिक पंड्या ने रेयान रिकेल्टन को पवेलियन भेज दिया। दक्षिण अफ्रीका ने 10 रन के स्कोर पर ऐडन मार्करम और हेनरिच क्लासेन के विकेट गंवा दिये जिससे स्कोर 10 विकेट पर चार रन था।

ऐसी शुरूआत के बाद दक्षिण अफ्रीकी पारी के जल्दी समाप्त होने की उम्मीद थी लेकिन टीम 18.2 ओवर तक खेलने में सफल रही। उसके लिए ट्रिस्टन स्टब्स ने 43 रन, डेविड मिलर ने 36 और मार्को यानसेन ने नाबाद 29 रन बनाये। भारत के लिए अर्शदीप के तीन विकेट के अलावा वरूण चक्रवर्ती और अक्षर पटेल ने दो दो विकेट झटके।

इससे पहले सैमसन 51 गेंद में छह चौके और आठ छक्के से 100 रन पूरे किये और वर्मा ने अपना सैकड़ा पूरा करने के लिए 41 गेंद खेलीं जिसमें छह चौके और नौ छक्के शामिल थे। अभिषेक शर्मा (18 गेंद में 36 रन) को भी पावरप्ले में चार बड़े छक्के जड़कर पारी को लय देने का श्रेय मिलना चाहिए। बल्लेबाजी के लिए

अच्छी पिच पर भारतीय बल्लेबाजों ने रिकॉर्ड 23 छक्के लगाए।

दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज गेराल्फ कोएत्जी चोटिल दिख रहे थे जिससे उन्हें गेंदबाजी में परेशानी हो रही थी और इससे भारत को फायदा ही हुआ। दोनों बल्लेबाजों ने मध्यम गति के गेंदबाज एंडिले सिमेलाने और लूथो सिपामला को खूब धुना। जब तक कप्तान एडेन मार्करम ने कोएत्जी को दूसरे स्पैल के लिए लगाया तब तक भारतीय बल्लेबाज अपना काम कर चुके थे। दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजों ने हड़बड़ाहट में लगाम कसने के लिए 17 वाइड गेंद फेंक दी।

केशव महाराज और ट्रिस्टन स्टब्स भी दोनों बल्लेबाजों के कोप से नहीं बच सके जिनके खिलाफ दोनों ने कट, पुल, स्लॉग स्वीप, रिवर्स स्वीप जैसे सभी शॉट लगाये। मैदान का कोई भी कोना ऐसा नहीं था जहां इन दोनों भारतीयों ने स्ट्रोक्स नहीं लगाये हों। बल्कि सैमसन का एक शॉट एक महिला दर्शक के गाल पर लगा जिससे वह दर्द से रो रही थी और टीवी कैमरों ने इसे कैमरे पर उतार लिया।

नेशंस लीग : रोनाल्डो के दो गोल से पुर्तगाल की पोलैंड पर बड़ी जीत

चेन्नई (एजेंसी)। मैड्रिड-स्टार स्ट्राइकर क्रिस्टियानो रोनाल्डो के दो गोल के दम पर पुर्तगाल ने शुक्रवार को पोलैंड को 5-1 से हराकर नेशंस लीग फुटबॉल टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह सुनिश्चित की। स्कॉटलैंड ने क्रोएशिया को 1-0 से हराकर नौ मैचों में अपनी पहली जीत दर्ज करके टूर्नामेंट के शीर्ष स्तर पर बने रहने की अपनी उम्मीदें बरकरार रखीं।

इस बीच बुखारेस्ट में रोमानिया और कोसोवो के बीच मैच को इंजरी टाइम में रोक दिया गया और बाद में इसे गोल रहित ड्रॉ पर रद्द कर दिया गया। दोनों टीमों के खिलाड़ियों के बीच हाथापाई हुई और कोसोवो के खिलाड़ी मैदान से बाहर चले गए। यूरोपीय फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था यूईएफए ने यह नहीं बताया कि खेल को बीच में क्यों रोक दिया गया लेकिन कथित तौर पर कोसोवो के खिलाड़ी सर्बियाई समर्थक नारे सुनकर नाराज थे। इस फुटबॉल संस्था ने अपनी वेबसाइट पर जारी बयान में कहा, 'रोमानिया और कोसोवो के बीच यूईएफए नेशंस लीग मैच रद्द कर दिया गया है। यूईएफए उचित समय पर आगे की जानकारी देगा।% ग्रुप ए4 में पहले ही अपना पहला स्थान सुनिश्चित कर चुके स्पेन ने कोपेनहेगन में डेनमार्क को 2-1 से हराया। फ्रांस, इटली, जर्मनी, स्पेन और पुर्तगाल क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर चुके हैं।

रोनाल्डो ने पोर्टो में खेले गए मैच में शानदार प्रदर्शन किया और उन्हें मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। उन्होंने पेनल्टी किक पर अपने अंतरराष्ट्रीय करियर का 134वां गोल किया और फिर कुछ देर बाद ओवरहेड किक पर गोल करके पुर्तगाल की तरफ से अपने कुल गोल की संख्या 135 पर पहुंचा दी। पोलैंड की इस हार से क्वार्टर फाइनल में पहुंचने की उम्मीदें खत्म हो गईं।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला जीत पर गदगद हुए वीवीएस लक्ष्मण... तुम पर गर्व

जोहानिसबर्ग (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए भारतीय टीम के मुख्य कोच वीवीएस लक्ष्मण ने टी 20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में जीत को विशेष बताया है। भारत ने चौथे और अंतिम मैच में 135 रन से जीत दर्ज करके चार मैच की श्रृंखला 3-1 से जीती। इस श्रृंखला में बल्लेबाज तिलक वर्मा और संजू सैमसन तथा गेंदबाज वरुण चक्रवर्ती ने प्रभावशाली प्रदर्शन कर सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। लक्ष्मण ने पोस्ट किया कि जिस तरह से हमारे खिलाड़ी पूरी श्रृंखला में खेले उससे मुझे वास्तव में उन पर बहुत गर्व है। श्रृंखला में 3-1 से जीत विशेष प्रयास का परिणाम है। सूर्यकुमार यादव ने बेहतरीन कप्तानी की और टीम की जीत में अहम योगदान दिया। सैमसन और तिलक ने बल्लेबाजी में कमाल दिखाया। वहीं गेंदबाजी के क्षेत्र वरुण का प्रदर्शन असाधारण रहा। पूरी टीम ने जिस तरह का प्रदर्शन किया और एक दूसरे की सफलता का आनंद उठाया, उससे मुझे इन खिलाड़ियों पर गर्व है। इस यादगार जीत के लिए बधाई। कप्तान सूर्यकुमार ने भी श्रृंखला में जीत को विशेष बताया। उन्होंने अपने साथियों को संबोधित कर कहा, 'शाबाश मेरे साथियों, हर किसी को बधाई। हर कोई जानता है कि विदेशों में श्रृंखला जीतना कितना मुश्किल है। प्रत्येक खिलाड़ी ने अपनी भूमिका बखूबी निभाई। प्रत्येक खिलाड़ी को श्रेय जाता है।

करनाली याक्स टीम से जुड़े शिखर धवन, फिर लगाएंगे मैदान पर छक्के-चौके

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व क्रिकेटर शिखर धवन फिर से क्रिकेट मैदान पर चौके छक्के लगाते नजर आएंगे। धवन करनाली याक्स टीम में शामिल हो गए हैं। वह नेपाल प्रीमियर लीग (एनपीएल) के उद्घाटन सत्र में खेलते नजर आएंगे। उनका यह फैसला इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) फ्रेंचाइजी पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) द्वारा उन्हें 2025 मेगा-नीलामी से पहले रिलीज करने के बाद आया है। आईपीएल 2024 में शिखर धवन ने पांच मैचों में पंजाब किंग्स फ्रेंचाइजी का प्रतिनिधित्व किया और 125.62 की स्ट्राइक रेट से 152 रन बनाए थे। घायल होने के बाद वह नहीं खेल पाए थे।

करनाली याक्स ने धवन से जुड़ाव का ऐलान करते हुए एक्स पर लिखा- करनाली याक्स नेपाल प्रीमियर लीग में गब्बर की प्रचंड ऊर्जा शिखर धवन ला रहे हैं! अपने आप को संभालो क्योंकि गब्बर आ गया है। इससे पहले अगस्त में शिखर धवन ने अंतरराष्ट्रीय और घरेलू क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। अपने फैसले की घोषणा करने के लिए एक भावनात्मक संदेश में धवन ने अपने शानदार करियर पर पर्दा डाला। उन्होंने सभी प्रारूपों में भारत का प्रतिनिधित्व किया, लेकिन वनडे उनकी खासियत थी। उन्होंने 167 वनडे में 44.1 की औसत से 6,793 रन बनाए जिसमें 17 शतक और 39 अर्द्धशतक शामिल हैं।

टेस्ट क्रिकेट में उन्होंने मुरली विजय के साथ शानदार खेल खेला है। धवन ने 34 मैचों में 40.6 की औसत से 2,315 रन बनाए। उनके टेस्ट करियर में सात शतक और पांच अर्धशतक शामिल रहे। टी20ई प्रारूप में धवन ने 68 मैच खेले और 27.9 की औसत से 1,759 रन बनाए, जिसमें 11 अर्द्धशतक शामिल हैं। घरेलू सर्किट में, धवन ने 122 प्रथम श्रेणी क्रिकेट मैच खेले और 44.26 की औसत से 8,499 रन बनाए, जिसमें 25 शतक और 29 अर्द्धशतक शामिल हैं।

आईसीसी का ऐलान, चैंपियंस ट्रॉफी 15-26 जनवरी तक भारत के शहरों में करेगी भ्रमण

दुबई। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने घोषणा की कि 2025 पुरुष चैंपियंस ट्रॉफी टूर इस्लामाबाद से शुरू होगा। ट्रॉफी को शहर के प्रसिद्ध स्थलों जैसे दमन-ए-कोह, फैसल मस्जिद और पाकिस्तान स्मारक में भी प्रदर्शित किया जाएगा, इसमें दिग्गज तेज गेंदबाज शोएब अख्तर भी मौजूद रहने वाले है। ट्रॉफी टूर हर बड़े आईसीसी इवेंट से पहले एक प्रमोशनल इवेंट होता है, लेकिन पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) द्वारा घोषणा करने के बाद यह एक बड़े विवाद में फंस गया कि स्कार्दू, मुरी, हुंजा और मुजफ्फराबाद जैसे स्थान, जो कि पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आते हैं, चैंपियंस ट्रॉफी टूर सूची में शामिल किए गए थे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा कड़ी आपत्ति जताने बाद आईसीसी द्वारा घोषित ट्रॉफी टूर कार्यक्रम में केवल मुरी को रखा गया है, जबकि 25 नवंबर तक पाकिस्तान संस्करण की यात्रा के लिए तक्षशिला, खानपुर, एबटाबाद, नथिया गली और कराची जैसे स्थानों को सूची में रखा गया है। आईसीसी के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी अनुराग दहिया ने कहा, सभी भाग लेने वाले देशों में प्रदर्शित किए जाने वाली विजेता ट्रॉफी से खेल के उत्साही प्रशंसकों को प्रतिष्ठित ट्रॉफी के करीब होने का अविस्मरणीय अनुभव मिलेगा। ट्रॉफी 26-28 नवंबर तक अफगानिस्तान का दौरा करेगी, फिर 10-13 दिसंबर तक बांग्लादेश और 15-22 दिसंबर तक दक्षिण अफ्रीका में रहेगी। इसके बाद 25 दिसंबर से 5 जनवरी तक ऑस्ट्रेलिया में रहेगी और उसके बाद 6-11 जनवरी तक न्यूजीलैंड जाएगी।

फिर पिता बने रोहित शर्मा... पत्नी ने दिया बेटे को जन्म

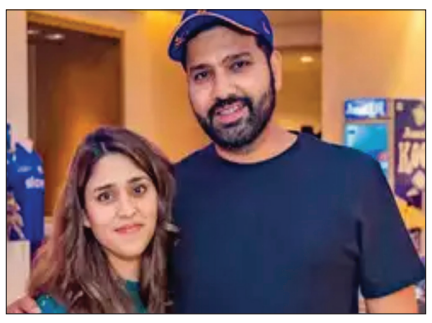

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा फिर से पिता बने हैं, उनकी पत्नी रितिका सजदेह ने बेटे को जन्म दिया है। 15 नवंबर को रितिका ने बेटे को जन्म दिया। यह खुशखबरी प्रशंसकों के बीच तेजी से फैल रही है, हालांकि दंपति ने अभी तक इस बारे में कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। रोहित और रितिका ने 13 दिसंबर 2015 को शादी की थी और उनके परिवार में पहले से एक बेटी समायरा है, जिसका जन्म 2018 में हुआ था। रोहित ने अपनी पत्नी के साथ रहने के लिए पितृत्व अवकाश लिया है। वर्तमान में भारतीय टीम बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी की तैयारी कर रही है, लेकिन रोहित ने अपनी पारिवारिक जिम्मेदारियों को प्राथमिकता दी है। मुख्य कोच गौतम गंभीर ने बताया कि रोहित की पहले टेस्ट में भागीदारी को लेकर अभी कोई स्पष्टता नहीं है, लेकिन उम्मीद है कि अगर घर पर सब कुछ ठीक रहा, तब वह टीम में शामिल हो सकते हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, रोहित ने मुंबई में नेट्स पर अभ्यास जारी रखा है, ताकि वह महत्वपूर्ण सीरीज के लिए तैयार रहें। प्रशंसक इस समय सोशल मीडिया पर दंपति को बधाइयाँ देने में जुटे हैं और रोहित के जल्द से जल्द मैदान पर लौटने की उम्मीद कर रहे हैं। उनके बेटे के जन्म ने क्रिकेट जगत और उनके चाहने वालों के बीच उत्साह की लहर दौड़ा दी है। रोहित शर्मा का यह कदम फिर दर्शाता है कि वह एक जिम्मेदार पिता और पति के साथ-साथ एक समर्पित खिलाड़ी भी हैं।

भारतीय मुक्केबाज नीरज गोयत ने सुपर-मिडिलवेट मुकाबले में व्हिंडरसन नून्स को हराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीरज गोयत ने शुक्रवार को टेक्सास के अर्लिंग्टन स्थित एटी एंड टी स्टेडियम में जेक पॉल बनाम माइक टायसन नेटफ्लिक्स इवेंट के अंडरकार्ड सुपर-मिडिलवेट मुकाबले में व्हिंडरसन नून्स को हराया।

डब्ल्यूबीसी रैंकिंग में जगह बनाने वाले पहले भारतीय मुक्केबाज ने छह राउंड की गैर-टाइटल लड़ाई में 60-54 के व्यापक अंतर से सर्वसम्मत निर्णय से अपना मुकाबला जीता। यह भारतीय मुक्केबाज का एकतरफा मुकाबला था, जिसने पूरे मुकाबले में अपना दबदबा बनाए रखा।

भारत के 33 वर्षीय मुक्केबाज ने अपने पिछले पांच मैचों में से चार जीते हैं, जिसमें उनकी आखिरी जीत पिछले साल दूसरे दौर में फाकोर्न ऐम्योद पर तकनीकी नॉकआउट (टीकेओ) से जीत के रूप में आई थी।

उनके प्रतिद्वंद्वी, नून्स ने हाल ही में मिसफिट्स बॉक्सिंग प्राइम कार्ड में नाथन बार्टलिंग से हारकर अपना पेशेवर पदार्पण किया। ब्राजीलियाई मुक्केबाज केवल प्रदर्शनी मैचों में ही दिखाई दिए हैं। उनका मुकाबला टायसन और पॉल के बीच बड़े मुकाबले से पहले पांच अंडरकार्ड मुकाबलों में से अंतिम था।

जेक पॉल ने दिग्गज मुक्केबाज माइक टायसन को हराया

नई दिल्ली। युवा यूट्यूबर से मुक्केबाज बने जेक पॉल ने शुक्रवार रात 58 वर्षीय पूर्व हेवीवेट चैंपियन दिग्गज मुक्केबाज माइक टायसन पर सर्वसम्मति से जीत हासिल की। जजों के अनुसार मुकाबला करीबी नहीं था, एक ने पॉल को 80-72 की बढ़त दी, जबकि अन्य दो ने इसे 79-73 बताया। टायसन शुरुआती घंटी बजने के तुरंत बाद पॉल के पीछे आए और कुछ तेज़ मुक्के मारे, लेकिन बाकी समय उन्होंने कुछ और करने की कोशिश नहीं की। यह लगभग 20 वर्षों में टायसन का पहला स्वीकृत पेशेवर मुकाबला था, जहां उनका सामना एक नौसिखिए मुक्केबाज से था। टायसन के शुरुआती सेकंड में तेज धमाके के बाद पॉल अधिक आक्रामक हो गए, लेकिन मुक्के बहुत प्रभावी नहीं थे। कई बार उन्होंने बेतहाशा वार किए और चूक गए, हालांकि इसके बाद भी उन्होंने अंत में जीत दर्ज की। यह टायसन के लिए 2005 के बाद से पहली स्वीकृत लड़ाई थी, जबकि पॉल ने चार साल से थोड़ा अधिक समय पहले लड़ना शुरू किया था। यह मुकाबला मूलतः 20 जुलाई को होना था, लेकिन उड़ान के दौरान बीमार पड़ने के बाद पेट के अल्सर के उपचार के लिए टायसन को ले जाया गया, जिसके कारण इसे स्थगित करना पड़ा।

भारत/ऑस्ट्रेलिया : शुभमन गिल के लगी गंभीर चोट, पर्थ टेस्ट से लगभग बाहर

नई दिल्ली/पर्थ (एजेंसी)। भारत को शनिवार को बड़ा झटका लगा जब शीर्ष क्रम के स्टार बल्लेबाज शुभमन गिल के बाएं हाथ के अंगूठे में फ्रैक्चर हो गया जिसके कारण वह बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के 22 नवंबर से पर्थ में शुरू हो रहे पहले टेस्ट से बाहर हो सकते हैं। भारत की पिछली बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में मिली जीत के युवा नायकों में से एक गिल बल्लेबाजी के मुख्य आधार हैं और अगर कप्तान रोहित शर्मा पहले टेस्ट से बाहर हो जाते हैं तो भारत का शीर्ष क्रम कमजोर दिख सकता है।

टीम को दो टुकड़ों में विभाजित करके कराए गए अभ्यास मैच के दूसरे दिन क्षेत्ररक्षण करते समय गिल को चोट लगी। वह चोट के बाद काफी दर्द में दिख रहे थे और स्कैन के लिए तुरंत मैदान से बाहर चले गए। इस मामले की जानकारी रखने वाले भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक सूत्र के अनुसार गिल के बाएं अंगूठे में फ्रैक्चर है और टेस्ट शुरू होने में एक सप्ताह से भी कम समय बचा है इसलिए इस स्टाइलिश दाएं हाथ के बल्लेबाज के लिए शुरुआती मैच के लिए समय पर फिट होना लगभग असंभव होगा।

अंगूठे के फ्रैक्चर को ठीक होने में आम तौर पर लगभग 14 दिन लगते हैं जिसके बाद व्यक्ति से अपने नियमित नेट सत्र शुरू करने की उम्मीद की जाती है। पर एडिलेड में दूसरा टेस्ट छह दिसंबर से शुरू हो रहा है तो संभावना है कि वह उस मैच के लिए समय पर फिट हो जाएंगे। गिल की अनुपस्थिति राष्ट्रीय टीम के लिए बहुत मुश्किल भरी हो सकती है क्योंकि वह तीसरे नंबर के लिए अहम बल्लेबाज हैं और रोहित की अनुपस्थिति में उन्हें यशस्वी जायसवाल के साथ पारी की शुरुआत कराने के लिए विचार किया जा सकता था।

वहीं लोकेश राहुल को भी टीम के अभ्यास मैच के शुरुआती दिन प्रसिद्ध कृष्णा की शॉर्ट गेंद से कोहनी में चोट लगी है और उन्हें मैदान छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा। राहुल के चोट वाले हिस्से पर 'आइसिंग' की जरूरत पड़ी और वह शनिवार को अभ्यास के दूसरे दिन मैदान पर नहीं उतरे। हालांकि ऐसा एहतियात के तौर पर किया गया। अगर गिल अनुपस्थित रहते हैं तो अभिमन्यु ईश्वरन को टेस्ट पदार्पण का मौका मिल सकता है क्योंकि भारत के पास ज्यादा विकल्प नहीं हैं। हालांकि बेटे के पिता बने कप्तान रोहित शर्मा अगर तीन दिन की ट्रेनिंग के लिए टीम में शामिल होने का फैसला करते हैं तो कहानी अलग होगी।

मोहम्मद शमी ने रणजी ट्रॉफी में 43.2 से अधिक ओवर गेंदबाजी करते हुए सात विकेट लिए हैं और 37 रन बनाए हैं। इससे निश्चित है कि वह दूसरे टेस्ट से पहले टीम से जुड़ने जा रहे हैं। अभ्यास मैच का आखिरी दिन रविवार को होगा जिसके बाद रिजर्व खिलाड़ियों को छोड़कर भारत ए की टीम भारत वापस आ जाएगी और खिलाड़ी सैयद मुश्ताक अली

ट्रॉफी के लिए अपने राज्य की टीमों से जुड़ेंगे। इसके बाद मुख्य टीम पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम जाएगी जहां वह शुक्रवार से शुरू होने वाले टेस्ट में उतरने से पहले मंगलवार से गुरुवार तक तीन नेट सत्र में हिस्सा लेगी।

केएल राहुल की वापसी का लक्ष्य : आईपीएल में प्रदर्शन से नई राह की उम्मीद

पर्थ (ऑस्ट्रेलिया)। खराब फॉर्म के बावजूद भारतीय बल्लेबाज केएल राहुल ने तीनों प्रारूपों में खेलने की अपनी महत्वाकांक्षा को दोहराया है। आगामी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) को वह टी20 टीम में वापसी का जरिया मान रहे हैं। राहुल, जिन्होंने 2022 से अब तक टेस्ट में संघर्ष किया है, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला में रोहित शर्मा की अनुपस्थिति में ओपनिंग का मौका मिलने की उम्मीद कर सकते हैं। राहुल ने कहा, 'मैं भारत के लिए तीनों प्रारूपों में खेलना चाहता हूं। पिछले कुछ समय से मैं टी20 टीम से बाहर हूं, लेकिन मुझे पता है कि वापसी के लिए क्या करना है। आईपीएल के नए सत्र का इंतजार कर रहा हूं ताकि अपने प्रदर्शन से टी20 टीम में फिर से जगह बना सकूं।' राहुल का हालिया फॉर्म चिंता का विषय रहा है। उन्होंने 2022 से 12 टेस्ट मैचों की 21 पारियों में केवल 514 रन बनाए, जिसमें उनका औसत 25.7 रहा। इसके बावजूद राहुल ने जोर देकर कहा कि वह व्यक्तिगत आंकड़ों की बजाय टीम के लिए खेलने को प्राथमिकता देते हैं। राहुल ने कहा, 'हमेशा से मेरी प्राथमिकता टीम रही है। व्यक्तिगत प्रदर्शन से ज्यादा टीम के लिए योगदान देना मायने रखता है। अगर मैं टेनिस खेल रहा होता, तो स्थिति अलग होती, लेकिन क्रिकेट में टीम के लिए अलग-अलग भूमिकाएं निभानी पड़ती हैं।' राहुल का मानना है कि आईपीएल उनके लिए मंच प्रदान करेगा, जहां वह अपने फॉर्म को सुधारकर राष्ट्रीय टीम में जगह पक्की कर सकते हैं। भारतीय टीम में वापसी के लिए राहुल के पास आईपीएल के अलावा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज में भी खुद को साबित करने का मौका होगा। अगर रोहित शर्मा पहले टेस्ट से बाहर रहते हैं, तो राहुल के पास पारी की शुरुआत का मौका होगा। हालांकि, उनके हालिया प्रदर्शन ने टीम प्रबंधन के सामने चयन को लेकर सवाल खड़े किए हैं। राहुल के लिए यह सीजन बेहद महत्वपूर्ण है, जहां उनका प्रदर्शन उनके भविष्य का रास्ता तय कर सकता है। टीम में उनकी भूमिका और जिम्मेदारियों को लेकर उन्होंने जो समझ दिखलाई है, उससे उनकी वापसी की संभावनाएं मजबूत हो सकती हैं।

पंत का दुर्घटना की चोट से उबरना चमत्कार था, मुझे लगा था कि वह कभी नहीं खेल पायेंगे: शास्त्री

मेलबर्न (एजेंसी)। भारत के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने भीषण कार दुर्घटना के बाद जब विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को अस्पताल में देखा था तब उनके क्रिकेट भविष्य को लेकर अनिश्चित थे। उन्होंने विकेटकीपर बल्लेबाज के चोट से उबरने को 'चमत्कार' करार दिया। पंत ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के बीते सत्र में सीमित ओवरों की क्रिकेट में वापसी करने के बाद दलीप ट्रॉफी से लाल गेंद प्रारूप में सफल वापसी की थी। वह बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट श्रृंखला में भारतीय टीम का हिस्सा थे। शास्त्री ने 'न्यूज़ डॉट कॉम डॉट एयू' से कहा, ''ईमानदारी से कहूं तो, अगर आपने उसे देखा होता तो आप उससे दोबारा क्रिकेट खेलने की उम्मीद नहीं करते।''

भारत के इस पूर्व हरफनमौला ने कहा, ''मैं इसे कभी नहीं भूलूंगा। वह बहुत पीड़ादायक स्थिति में था। उसके चोटिल होने के एक महीने बाद मैं उसे अस्पताल में देखने गया था। उसे काफी चोट लगी थी और पूरे शरीर पर चोट के निशान थे।'' शास्त्री ने कहा, ''उसका एक बड़ा ऑपरेशन हुआ था और हर जगह टांके लगे थे। उस स्थिति से ठीक होकर क्रिकेट खेलना एक चमत्कार है। फिर आगे बढ़ना और विश्व कप विजेता टीम में खेलना और टेस्ट टीम का हिस्सा बनना वास्तव में एक बड़ी और उल्लेखनीय उपलब्धि है।''

भारतीय टीम 22 नवंबर से शुरू होने वाली पांच मैचों बॉर्डर गावस्कर श्रृंखला के लिए ऑस्ट्रेलिया में है और इस देश में पंत का औसत 62 का है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के पिछले दो दौरे में टीम की सफलता में शानदार भूमिका निभाई थी। सड़क दुर्घटना की चोट से वापसी करने के बाद से पंत शानदार लय में है। शास्त्री ने कहा, '' वह शानदार लय के साथ ऑस्ट्रेलिया आया है। वह ऐसा खिलाड़ी जिसका खौफ ऑस्ट्रेलिया की टीम में है। जब वह अस्पताल में था तब हालांकि इस बात की बेहद कम संभावना था कि वह इस दौरे का हिस्सा बनेगा।'' शास्त्री ने कहा, ''अब जब आप उनसे बात करते हैं तो खेल के प्रति उनके मन में सम्मान और भी बढ़ जाता है। अपनी वापसी के बाद से वह इस खेल को और अधिक महत्व देता है। मैंने उसे टेस्ट क्रिकेट के मुताबिक फिटनेस हासिल करने के लिए काफी कड़ी मेहनत करते हुए देखा है।'' पंत दिसंबर 2022 में नयी दिल्ली से अपने गृह नगर रुड़की लौटते समय कार दुर्घटना में घायल हो गए थे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दूर का दिखाने वाली दूरबीन

चिड़िया देखना हो या फिर तारे। एक दूरबीन से दो काम बहुत अच्छे से हो सकते हैं। अपनी पॉकेट मनी बचाकर अगर ऐसी कोई चीज खरीदते हो तो वह जिंदगीभर काम आएगी। दूरबीन दूर की दुनिया को तुम्हारे पास ले आएगी। जाड़े के दिनों में तो प्रकृति को, पंछियों और तारों को दूरबीन से घंटों देखा जा सकता है। कौन जाने, एक दूरबीन तुममें भी वैसी ही कुछ रुचि पैदा कर दे या फिर गैलीलियो की तरह तुम भी अपनी दूरबीन के कारण अपने दोस्तों में पहचाने जाओ। जन्मदिन पर तुम पापा-मम्मी से कोई बड़ी चीज माँगने के बजाय दूरबीन की जिद भी कर सकते हो। उन्हें भी दूरबीन दिलाने में कोई परेशानी नहीं होगी। दूरबीन से देखने पर नई दुनिया खुल जाती है। दूर की कौड़ी को पास लाने वाली दूरबीन अगर तुम्हारी दोस्त बन जाए तो क्या बात है। तो ले आओ दूर की चीजों को पास, एक दूरबीन के साथ।

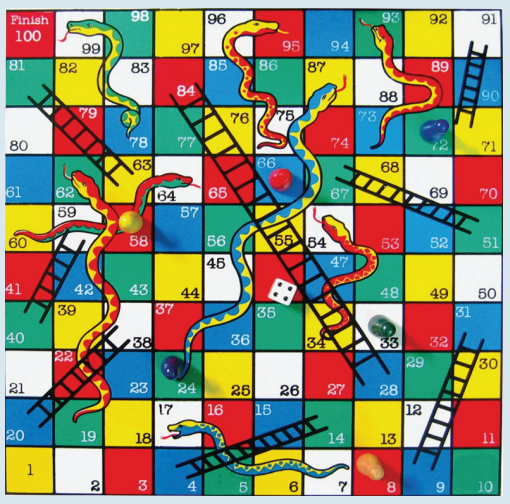

साँप-सीढ़ी खेल की शुरुआत किस देश में हुई?

बच्चों के पसंदीदा इस खेल की शुरुआत प्राचीन भारत में हुई है। पहले इसे मोक्षपत और मोक्षपतामु कहा जाता था। इसकी शुरुआत कब हुई इसका ठीक-ठीक समय तो पता नहीं पर माना जाता है यह खेल ईसा के जन्म के भी दो सौ सालों पहले से खेला जा रहा है। कुछ इतिहासकारों का मानना है कि ईसा के 1300 साल बाद संत ज्ञानदेव ने इसकी शुरुआत की। इस खेल के जरिए बच्चों को यह सिखाया जाता था कि अगर वे अच्छा काम करते हैं तो वे आगे बढ़ेंगे। भारत में जो खेल चलता था उसमें साँप के मुकाबले सीढ़ियों की संख्या कम होती थी। फिर यह खेल इंग्लैंड पहुँचा और वहाँ कुछ बदलाव के साथ यह स्नेक एंड लेडर्स के तौर पर पहचाना जाने लगा। यहाँ से खेल में जितने साँप हो गए उतनी ही सीढ़ियाँ हो गई। 1943 से यह खेल अमेरिका में भी खेला जाने लगा।

कैटरपिलर

कैटरपिलर का मतलब इल्ली होता है। जितनी भी तितलियाँ या मोथ हैं सभी के अंडे से पहले इल्ली बनती है। धीरे-धीरे यह कैटरपिलर बड़ी होती है और बटरफ्लाय में चेंज हो जाती है। कैटरपिलर में स्पेशल ग्लैंड होती है जिसकी सिकरिशन से वे सिल्क बनाती हैं। कैटरपिलर के सिर पर 12 छोटी-छोटी आँखें होती हैं जिसे 'ओसिली' कहा जाता है। इसके सिर पर दो जोड़ी जबड़े भी जुड़े रहते हैं, जो मेंडीबल्स कहलाते हैं।
इसकी स्किन स्ट्रेचेबल नहीं होती है इसलिए जैसे ही इसका साइज बढ़ता है इसकी स्किन टूटती जाती है। कैटरपिलर के आगे के तीन जोड़ी पैर को थोरेसिक लेग कहा जाता है और ये चलने और पकड़ने का काम करते हैं। इसकी बॉडी 13 सेगमेंट में बँटी हुई होती है। सभी इंसेक्ट की तरह यह भी शरीर पर मौजूद छेदों से साँस लेते हैं। इन छेदों को स्पाइरेकल कहा जाता है। इसके पीछे के पैरों को प्रोलेग कहा जाता है। इन पैरों से वह पौधों की डालियों को पकड़ने का काम करता है। ज्यादातर कैटरपिलर का कलर हरा होता है ताकि वे आसानी से पत्तियों में छुपे रहें। इनका मुख्य खाना ही पत्तियाँ होती हैं। लेकिन कुछ कैटरपिलर बहुत सुंदर होते हैं। जैसे कैबेज व व्हाइट कैटरपिलर पर बहुत ही सुंदर स्पाट होते हैं। टाइगर मोथ एकदम लाल रंग का होता है। पस मॉथ का शेप एकदम अलग ढंग का होता है। एम्प्रर मॉथ हरे रंग का बहुत सुंदर कैटरपिलर होता है। वैसे तो मॉथ के सभी कैटरपिलर सिल्क बनाते हैं, लेकिन जो सबसे अच्छी क्वालिटी का सिल्क देता है उसे सिल्क वर्म कहा जाता है।

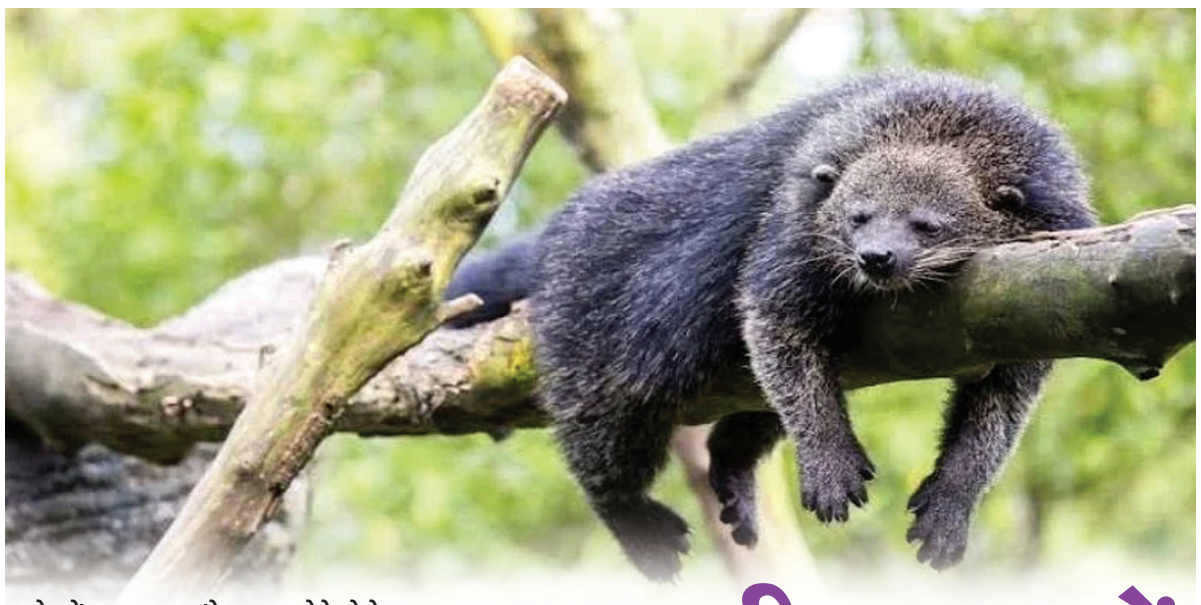

आलसी जानवरों की दुनिया

दोस्तों, तुम 6-8 घंटे जरूर सोते होगे, जिसके बाद फ्रेश होकर अपने काम में जुट जाते होगे। तुमने अपने पेट्स और आसपास रहने वाले जानवरों को भी रात भर सोते हुए देखा होगा। यही नहीं, अगर मौका मिले तो वे दिन में भी सो जाते हैं, ऊंघते रहते हैं या आलसी बनकर पड़े रहते हैं। लेकिन क्या तुम दुनिया के ऐसे जानवरों के बारे में जानते हो, जो पूरे दिन का 60-80 प्रतिशत से भी अधिक समय सोने में खर्च करते हैं। यानी कई जानवर दिन भर में 16-22 घंटे सोते रहते हैं। इनमें कुछेक को छोड़ कर सभी आलसी होते हैं। वे खाते-पीते हैं और अपने जरूरी काम धीरे-धीरे निपटाकर दोबारा सो जाते हैं। तुम ऐसे जानवरों को लेजी, सोतूराम या आलसीराम नहीं कहोगे क्या? लेकिन ऐसा कर ये जानवर एक तो शिकारियों से अपना बचाव करते हैं, साथ ही लंबे समय तक अपनी एनर्जी भी बचाए रखते हैं।

शेर

तुम्हें यह अटपटा जरूर लगेगा कि ताकतवर और जंगल का राजा शेर भी अधिक सोने वाले जानवरों की क्षेणी में आता है। यह अलग बात है कि नर शेर आलसी या कमजोर बिल्कुल नहीं हैं। ताकत से भरपूर और एक्टिव होने के कारण ही ये जंगल के दूसरे जानवरों पर अपना दबदबा बनाए रखते हैं। शिकार करके नर शेर के खाने-पीने का इंतजाम करने का जिम्मा भी जब मादा शेरनी का होता है तो ये दिन में 18-22 घंटे ऊंघने के अलावा करते ही क्या हैं। कभी-कभी तो ये नर शेर दिन में 24 घंटे सोते रहते हैं।

कोआला

ऑस्ट्रेलिया में पाए जाने वाले कोआला आलसी जानवरों में पहले स्थान पर हैं। ये ज्यादातर नीलगिरी के पेड़ों पर समूह में रहते हैं और आसानी से उपलब्ध नीलगिरी के पत्ते, फल-फूल, पेड़ की छाल खाकर पेट भरते हैं। खाना ढूंढने के लिए उन्हें कहीं जाने की भी जरूरत नहीं पड़ती। फाइबर से भरपूर ये पत्ते कोआला को ऊर्जा प्रदान करते हैं। कोआला नीलगिरी के पेड़ों पर बैठे-बैठे दिन में 22 घंटे सोते रहते हैं।

आर्माडीलो

ये दक्षिण और मध्य अमेरिका के जंगलों में पाए जाते हैं और समूह में रहते हैं। आउल मंकी एक दिन में 17 घंटे सोते रहते हैं। ये रात के समय एक्टिव रहकर अपने सारे काम निपटा लेते हैं।

ये एक दिन में 18-20 घंटे तक सोते हैं। अकेले रहने वाले आर्माडीलो रात के समय एक्टिव होते हैं और दिन में अपने बिल के अंदर जहां तक होता है, क्रॉल करते रहते हैं। ये कमजोर नजर वाले होते हैं। सूंघ कर अपने भोजन की तलाश करते हैं।

स्लोथ

दक्षिण और मध्य अमेरिका में पाए जाने वाले स्लोथ बहुत धीमी गति से अपने काम करते हैं। जमीन पर चलते और पेड़ पर चढ़ते वक्त ये एक मिनट में सिर्फ 15-20 सेमी ही आगे बढ़ पाते हैं। ये इतने आलसी होते हैं कि उनके आसपास क्या हो रहा है, इससे उन्हें फर्क नहीं पड़ता। स्लोथ दिन में अपने हाथों से पेड़ों की शाखाओं को घेरकर उलटे लटके रहते हैं। ऐसे ही ये लटके हुए 20 घंटे तक सोते रहते हैं।

ब्राउन बैट

ये उत्तरी अमेरिका में पाए जाते हैं। उलटे लटकने वाले ब्राउन बैट दिन में 20 घंटे सोते रहते है और रात को एक्टिव होते हैं।

गिलहरी

गिलहरी कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन और वसा से भरपूर खाना खाती है, जिससे इसे नींद ज्यादा आती है। ये टहनियों, पत्तों, फर और पंखों जैसी नरम चीजों से बनाए घोंसले में रहती है और दिन में करीब 14 घंटे सोती है।

आउल मंकी

ये दक्षिण और मध्य अमेरिका के जंगलों में पाए जाते हैं और समूह में रहते हैं। आउल मंकी एक दिन में 17 घंटे सोते रहते हैं। ये रात के समय एक्टिव रहकर अपने सारे काम निपटा लेते हैं।

दरियाई घोड़े

अफ्रीका में पाए जाने वाले हिप्पो ऊंघने में मास्टर होते हैं। समूह में रहने वाले हिप्पो दिन के समय गर्मी से बचने के लिए पानी के नीचे या जमीन पर, जहां भी मौका मिलता है, झपकी ले लेते हैं। अपने समूह के साथ हिप्पो बेखौफ होकर दिन में 18-20 घंटे सोते हैं।

प्यारा और अनूठा शेवट्रेन

शेवट्रेन ऐसा जीव है, जिसका शरीर हिरन की तरह और मुंह चूहा जैसा होता है। अलग-अलग देशों के लोग इसे अलग-अलग नामों से बुलाते हैं। यह दक्षिण भारत के अलावा एशिया और अफ्रीका के विभिन्न जंगलों में पाया जाता है। इसे आर्द्र जलवायु ज्यादा भाती है। यही कारण है कि यह वर्षावनों में ज्यादा पाया जाता है। शेवट्रेन या पिसूरी चूहे की शक्ल का जीव है, पर इसका शरीर हिरन जैसा होता है। इसलिए लोग इसे माउस डियर कहते हैं। एशिया में पाए जाने वाले माउस डियर अफ्रीकी माउस डियर से हल्के और छोटे होते हैं। एशियाई माउस डियर आठ किलोग्राम तक के होते हैं। वहीं, इसकी अफ्रीकी प्रजाति का वजन 16 किलोग्राम तक होता है। यह पूरी तरह शाकाहारी होता है और पौधों के मुलायम पत्ते व पेड़ से गिरे फलों को खाता है। इसके शरीर के निचले हिस्से पर हिरन के जैसी ही धारियां भी बनी होती हैं। इसके कान छोटे-छोटे होते है। यह बहुत ही डरपोक होता है, पर विरोधी कमजोर हो, तो हमला भी कर देता है। शेवट्रेन नाम फ्रेंच से लिया गया है, जिसका मतलब 'छोटी बकरी' होता है। तेलुगु में इसे जारिनी पंडी, मलयालम में खूरान और कोंकणी में इसे बरिंका कहा जाता है। एक अनुमान के अनुसार इस जीव की खोज नव पाषाण काल में हुई। इसके पेट की संरचना बाकी जीवों से थोड़ी अलग होती है। इसके पाचन प्रक्रिया के लिए चार अलग-अलग चेंबर होते हैं। भोजन बारी-बारी से हर चेंबर से होकर गुजरता है, जहां पौष्टिक तत्वों का अवशोषण होता है। मादा एक बार में एक ही बच्चा देती है. इस कारण इनकी संख्या बहुत ही कम है। इनके पैर पतले होते हैं और खुर गाय जैसे, पर काफी छोटे होते हैं। इन्हें सींग नहीं होता, पर नर का जबड़ा काफी मजबूत होता है और जरूरत पड़ने पर इससे वह दुश्मनों पर हमला भी करता है। ये समूह में रहने के बजाय जोड़ी में रहना पसंद करते हैं। ये बच्चों का देखभाल 2-3 माह तक ही करते हैं। 10 माह में इनके बच्चे वयस्क की भूमिका निभाने और प्रजनन के लिए तैयार हो जाते हैं।

इनक्यूबेटर का कमाल

आर्यन और प्रफुल्ल दोनों भाइयों की साइंस में विशेष रुचि थी। साइंस की उन्हें काफी जानकारी भी थी। स्कूल से लौटकर आने के बाद भी वे दोनों कभी साइंस की कोई मैगजीन पढ़ते रहते तो कभी साइंस से जुड़ी कोई वेबसाइट देखते रहते। उनकी कॉलोनी में रहने वाले लोग अकसर उनके पापा से कहते, 'देख लीजिएगा श्याम जी! आपके बेटे एक दिन बहुत बड़े वैज्ञानिक बनेंगे।'

लोगों के ऐसा कहने की वजह यह थी कि उन्होंने कई बार आर्यन और प्रफुल्ल को साइंस की मदद से समस्याओं के काफी रोचक समाधान निकालते देखा था। आज भी उनके पास एक ऐसी समस्या आ गई थी। दरअसल सुबह जब वे स्कूल बस के आने का इंतजार कर रहे थे तब उनकी कॉलोनी में रहने वाले एक अंकल उनके पास आए और कहने लगे, 'मैं एक मुश्किल में फंस गया हूं। मुझे लगता है कि उसका समाधान तुम दोनों निकाल सकते हो। क्या तुम मेरी मदद करोगे?'

'क्या हुआ अंकल, आप बताइए। अगर संभव हुआ तो हम आपकी परेशानी का हल जरूर निकालेंगे।' आर्यन बोला।

'थैंक्यू बच्चो! मुझे तुमसे यही उम्मीद थी। अब मेरी समस्या सुनो- मेरे पास एक मुर्गी है, जिसे मैंने बड़े प्यार से पाला है। कल वह घर के बाहर घूमते-घूमते अचानक सामने वाले घर में चली गई और लोहे के कंटीले तारों में फंसकर जख्मी हो गई। कल ही उसने दो अंडे दिए हैं। अंडों में से चूजों के बाहर आने में अभी समय है और मुर्गी अभी ऐसी हालत में नहीं है कि उन्हें गर्मी देकर से सके। क्या अंडों को सेने का कोई और तरीका हो सकता है? मैं चाहता हूं कि दोनों चूजे अंडों से बाहर निकलने के बाद पूरी तरह स्वस्थ हों और तब तक मुर्गी की हालत भी सुधर जाए।'

आर्यन और प्रफुल्ल ने एक पल के लिए कुछ सोचा और एक-दूसरे की तरफ देखकर दोनों के मुंह से निकला- 'इनक्यूबेटर'।फिर वे दोनों बोले, 'अंकल आपका काम हो जाएगा। हमें शाम तक का समय दीजिए। आपके चूजे भी सही सलामत रहेंगे और मुर्गी भी।' यह सुनते ही कॉलोनी वाले अंकल के चेहरे पर मुस्कान आ गई।

स्कूल से घर वापस आते ही दोनों भाइयों ने खाना खाया और इनक्यूबेटर बनाने में लग गए। सबसे पहले आर्यन ने थर्मोकॉल का एक चौकोर डिब्बा बनाया, जिसे खोला भी जा सके। इसके बाद प्रफुल्ल ने उसके अंदर चारों तरफ रुई की मोटी पर्त बिछा दी ताकि उसके अंदर अंडों को सेने के लिए जरूरी गर्मी बनी रहे। दोनों भाइयों ने बायोलॉजी के पाठ इनक्यूबेटर में पढ़ा था कि मुर्गी के अंडों को सेने के लिए 99 से 102 डिग्री के आस-पास के तापमान की जरूरत होती है। दोनों ने इसके लिए उस डिब्बे का तापमान मापने के लिये उसमें तापमान मानक यंत्र के रूप में थर्मामीटर रख दिया। फिर डिब्बे के अंदर एक साफ मुलायम कपड़ा बिछाया। साथ ही उस डिब्बे में ऊपर से एक छेद करके उसमें बिजली का एक तार लटकाया। बिजली के उस तार के एक कोने में प्लग लगाया और तार के दूसरे कोने को बॉक्स में लटकाकर उसके अंदर होल्डर लगाया। होल्डर में एक बल्ब फिट किया और उसे जला दिया ताकि उसके जलने से डिब्बे में जरूरत के हिसाब से तापमान बना रहे। इसके बाद दोनों ने उसका तापमान थर्मामीटर से मापकर देखा तो वह उतना ही था, जितने की उन्हें जरूरत थी। अब उनका इनक्यूबेटर मुर्गी के अंडे सेने के लिए तैयार था।

शाम को आर्यन और प्रफुल्ल इनक्यूबेटर लेकर मुर्गी वाले अंकल के घर गए। वहां उन्होंने उसे सेट करके उसमें दोनों अंडों को रख दिया। साथ ही उन्होंने अंकल से कहा,'इन अंडों में से चूजे निकलने में 21-23 दिन का समय लगेगा। हम बीच-बीच में आकर इसे चेक करते रहेंगे। अब हम चलते हैं और आप भी अब निश्चिंत होकर अपनी मुर्गी का इलाज करवाइये।

घरेलू इनक्यूबेटर में अंडों के सेने का इंतजाम असर दिखा रहा था। 21वें दिन आर्यन और प्रफुल्ल को अंडों में कुछ हलचल सी दिखी। यह देखकर वे दोनों बहुत खुश हुए। 23वें दिन अंडे का छिलका टूटा और उसके अंदर से दो प्यारे-प्यारे चूजे बाहर आए। उन्हें देखकर सब तालियां बजाने लगे। कॉलोनी में रहने वाले लोग आर्यन और प्रफुल्ल को बधाई दे रहे थे।

आर्यन और प्रफुल्ल की खुशी का ठिकाना नहीं था। अगले दिन उन दोनों के स्कूल में प्रिंसिपल सर ने दोनों की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, 'आर्यन और प्रफुल्ल हमारे स्कूल के नंबर वन बाल वैज्ञानिक हैं। ये सिर्फ परीक्षा में पास होने के लिए ही पढ़ाई नहीं करते, बल्कि उसे अमल में भी लाते हैं। आज स्कूल के सभी छात्र इन दोनों के लिए तालियां बजाएंगे।' सर का इतना कहना था, सारे बच्चों ने प्रफुल्ल और आर्यन के लिए जोरदार तालियां बजाईं। इससे दोनों का हौसला और बुलंद हो गया। दोनों ने सोच लिया था कि वे थॉमस अल्वा एडीसन, गैलीलियो और आइंस्टीन के बारे में केवल एग्जाम में ही नहीं लिखेंगे, बल्कि उनकी तरह बन कर दिखाएंगे और अपने स्कूल का नाम रोशन करेंगे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एक और बाघ की मौत, संकट में आ जाएगा मध्यप्रदेश का टाइगर स्टेट का दर्जा

–बाघ की मौत ने वन विभाग की लापरवाही उजागर की

भोपाल। मध्यप्रदेश के पेंच टाइगर रिजर्व में एक और बाघ की मौत ने वन्यजीव प्रेमियों और वन विभाग को हिल कर रख दिया है। दक्षिणी वन मंडल में एक बाघ की मृत अवस्था में प्राप्त हुई, जिसकी मौत के कारणों का पता पोस्टमार्टम से चला। रिपोर्ट के अनुसार, बाघ को चोट लगने के कारण शिकार करने में असमर्थ हो गया था, और वह कई दिनों तक इधर–उधर भटकता रहा। बाघ ने जंगल में भोजन की तलाश की, लेकिन अंततः भोजन नहीं मिलने पर अपनी जिंदगी खो दी। यह घटना विशेष रूप से चिंता का विषय बनी है, क्योंकि बाघ का शव एक रिहायशी इलाके के नजदीक मिला था, और आसपास के ग्रामीणों ने बाघ के मूवमेंट की सूचना दी थी। इसके बावजूद, वन विभाग ने समय रहते ध्यान नहीं दिया। विभाग द्वारा जंगल में पेट्रोलिंग और सीसीटीवी निगरानी की जा रही है, फिर भी घायल बाघ का पता नहीं चल पाया। जहां एक ओर मध्यप्रदेश, जिसे देश का टाइगर स्टेट कहा जाता है, में बाघों की मौत का सिलसिला लगातार जारी है। पेंच टाइगर रिजर्व में मई 2024 में एक बाघिन का शव मिला था, बीते कुछ सालों में करंट लगने या अन्य कारणों से बाघों की मौतें सामने आई हैं। 2023 में भी करंट लगाकर एक बाघ का शिकार करने की घटना सामने आई थी।

बहराइच में तेंदुए के हमले में चार वर्षीय बालक की मौत, गांव में कोहराम

बहराइच । बहराइच जिले के बाजपुर गांव में तेंदुए के हमले में एक चार वर्षीय बालक की दुखद मौत हो गई। वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, यह घटना तब हुई जब संदीप नामक युवक अपनी पत्नी और चार साल के बेटे अभिनंदन के साथ गन्ने की फसल काटने के लिए खेतों में गया था। तभी संदीप और उसकी पत्नी खेतों में काम कर रहे थे, जबकि उनका बेटा अभिनंदन खेल रहा था। अचानक, खेत में छिपे तेंदुए ने बच्चे पर हमला कर बच्चे को अपने मुंह में दबोचकर सरयू नहर की ओर भाग गया। इस दौरान परिजन शोर मचाते हुए तेंदुए के पीछे दौड़े, लेकिन तेंदुआ बच्चे को छोड़कर जंगल की ओर भाग गया। परिजनों और गांव वालों शोर मचाने पर तेंदुआ बच्चे को अधमरा करके छोड़ गया। इसके बाद गंभीर रूप से घायल बच्चे को परिजन तुरंत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। वन क्षेत्राधिकारी आशीष गौड़ ने घटना की जानकारी देकर कहा कि पीड़ित परिवार को पांच हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी गई है।

पाकिस्तान से बांग्लादेश पहुंचे 300 से ज्यादा कंटेनर, भारतीय सुरक्षा एजेंसियां हुई सतर्क

नई दिल्ली। पाकिस्तान ने बांग्लादेश को समुद्र के रास्ते हथियार भेजने का पहला कदम उठाया है, इससे भारतीय सुरक्षा प्रतिष्ठानों में चिंता बढ़ गई है। कराची से बांग्लादेश के चटगांव तक पहुंचे 300 से ज्यादा कंटेनरों में हथियारों की बड़ी खेप होने की खबर है। यह पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच 1971 के मुक्ति संग्राम के बाद पहला सीधा समुद्री संपर्क है, जो दोनों देशों के रिश्तों में एक नई शुरुआत का संकेत है। बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के सत्ता से बाहर होने के बाद, मुहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार ने पाकिस्तान के साथ संबंधों में बदलाव का संकेत दिया है। पाकिस्तान और बांग्लादेश के नेताओं की संयुक्त राष्ट्र की बैठक में मुलाकात के बाद दोनों देशों के बीच व्यापार बढ़ाने की उम्मीद जाहिर की थी। बांग्लादेश ने पाकिस्तान से तोपखाने के गोले, टैंक गोला–बारूद, विस्फोटक और प्रोजेक्टाइल का ऑर्डर किया था, और अब बांग्लादेश की सेना को पाकिस्तानी हथियारों की पहली खेप मिल चुकी है। वहीं भारतीय सुरक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, समुद्री संपर्क से भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में दिक्कत बढ़ सकती है। चटगांव और मोंगला बांग्लादेश के प्रमुख बंदरगाह हैं, जो दशकों तक पाकिस्तान की पहुंच से बाहर थे। लेकिन अब बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच सीधा समुद्री संपर्क स्थापित होने से इन दोनों देशों के रिश्तों में नए समीकरण बन सकते हैं, जो भारत की सुरक्षा स्थिति के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकते हैं।

20 नवंबर को मतदान के कारण 6 राज्यों में रहेगी सार्वजनिक छुट्टी

नई दिल्ली। 20 नवंबर को झारखंड, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, पंजाब, केरल और उत्तराखंड में मतदान होनो है जिसके चलते यहां सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है। इन राज्यों में स्कूल, कॉलेज, बैंक, पोस्ट ऑफिस और सरकारी कार्यालय बंद रहेंगे ताकि मतदाता बिना किसी बाधा के अपने मतदान का इस्तेमाल कर सकें। झारखंड में 38 विधानसभा सीटों पर वोटिंग होना है यहां दूसरे चरण के लिए मतदान होगा। 12 जिलों के 528 उम्मीदवार मैदान में हैं। यहां 1.23 करोड़ से ज्यादा मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। महाराष्ट्र में 288 विधानसभा सीटों पर वोट डाले जाएंगे। महाराष्ट्र में एक ही चरण में चुनाव होंगे। कुल 4,140 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं, जो 2019 के विधानसभा चुनाव की तुलना में 28 फीसदी ज्यादा हैं। वहीं यूपी की 9 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होना है जिसमें फूलपुर, गाजियाबाद, मझवां, खैर, मीरापुर, सीसामऊ, कटेहरी, करहल और कुंदरकी सीटें हैं। पंजाब में 4 विधानसभा सीटों पर वोट डाले जाएंगे जिसमें डेरा बाबा नानक, छब्बेवाल, गिद्दड़बाहा, बरनाला हैं। केरल की एक विधानसभा सीट पलक्कड़, उत्तराखंड की एक विधानसभा सीट केदारनाथ और महाराष्ट्र की एक लोकसभा सीट नांदेड़ लोकसभा पर मतदान होगा। राज्य सरकारों ने मतदान में नागरिकों की भागीदारी तय करने के लिए सार्वजनिक अवकाश की घोषणा की है। सभी सीटों के परिणाम 23 नवंबर को आएंगे।

शिकायतों के बाद एक्शन में चुनाव आयोग, नड्डा और खड़गे से मांगा जवाब, दी यह सलाह

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारतीय चुनाव आयोग ने शनिवार को बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को अलग-अलग पत्र भेजकर एक-दूसरे की शिकायत पर टिप्पणी करने को कहा है। आयोग ने सोमवार दोपहर एक बजे तक दोनों पक्षों से औपचारिक प्रतिक्रिया मांगते हुए उनके बीच शिकायतों का आदान-प्रदान किया। ईसीआई ने पार्टी नेताओं को लोकसभा चुनाव के दौरान 22 मई, 2024 को दी गई एक पूर्व सलाह की याद दिलाई, जिसमें उन्हें स्टार प्रचारकों और नेताओं पर नजर रखने के लिए कहा गया था ताकि सार्वजनिक मर्यादा का उल्लंघन न हो और चुनाव के दौरान एमसीसी का अक्षरशः पालन किया जा सके।

यह महाराष्ट्र और झारखंड में चल रहे विधानसभा चुनावों में भाजपा और कांग्रेस द्वारा चुनाव आयोग से एक-दूसरे के खिलाफ शिकायत करने के बाद आया है। कांग्रेस ने भारत के चुनाव आयोग से महायुति अभियान को बढ़ावा देने के लिए मराठी भाषा के टेलीविजन धारावाहिकों में रणनीतिक रूप से विज्ञापन दिए जाने की शिकायत की है। एक मराठी टेलीविजन चैनल कल से विज्ञापन चला रहा है जिसमें धारावाहिक के एक विशेष दृश्य के बाद शिव सेना के अभियान नारे का एक होर्डिंग दिखाया गया है। महाराष्ट्र कांग्रेस के महासचिव सचिन सावंत ने विज्ञापन लगाने को लेकर राज्य चुनाव आयोग से शिकायत की.

सावंत ने इसमें शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए राज्य चुनाव आयोग के अधिकारियों से संपर्क किया है। कांग्रेस नेता के अनुसार विज्ञापन कल से प्रसारित होना शुरू हुआ और आज तक चल रहा है और उन्हें एक अन्य मराठी मनोरंजन चैनल के धारावाहिकों पर ऐसे ही विज्ञापन चलने की शिकायत मिली है। भाजपा ने आरोप लगाया कि कुछ मुस्लिम संगठन अपने समुदाय के सदस्यों से धर्म के आधार पर इंडिया ब्लॉक को वोट देने की अपील करके महाराष्ट्र और झारखंड में चुनावी माहौल को खराब करने की कोशिश कर रहे हैं, और चुनाव आयोग और सुप्रीम कोर्ट से इस मामले में कार्रवाई करने का आग्रह किया है।

भाजपा मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के पदाधिकारी मौलाना सज्जाद नोमानी ने कहा कि संगठन ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में 269 सीटों पर महा विकास अघाड़ी (एमवीए) और कुछ सीटों पर अन्य गैर-भाजपा दलों को समर्थन देने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि नोमानी ने मुसलमानों से एमवीए को वोट देने की अपील करते हुए कहा है कि 2024 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजे न केवल राज्य के भविष्य पर बल्कि पूरे देश के भविष्य पर असर डालेंगे। भाटिया ने दावा किया कि इससे पहले जमीयत उलेमा-ए-हिंद की लोहरदगा इकाई ने मुसलमानों से झारखंड में कांग्रेस-जेएमएम-आरजेडी-सीपीआई (एमएल) लिबरेशन गठबंधन के लिए एकजुट होकर वोट करने की अपील की थी।

एआईएमआईएम नेता अकबरुद्दीन ने दिया मराठा आरक्षण को अपना समर्थन

मुंबई। ऑल इंडिया मजलिस–ए–इत्तेहादुल मुस्लिमीन यानि एआईएमआईएम के नेता अकबरुद्दीन ओवैसी ने मराठा आरक्षण को अपना समर्थन दिया। उन्होंने महाराष्ट्र में तेलंगाना की तर्ज पर मुस्लिम आरक्षण लागू करने की मांग की। उन्होंने कहा,卐महाराष्ट्र में मराठा नेताओं को मैं पूरी तरह से समर्थन दूंगा। वे मराठा आरक्षण के लिए संघर्ष कर रहे हैं। जब भी उन्हें मेरी जरूरत हो, मैं उनका साथ दूंगा। लेकिन एक बात कहूंगा, कि हमारे तेलंगाना में मुसलमानों के लिए 4 प्रतिशत आरक्षण दिया जा रहा है। महाराष्ट्र में क्यों नहीं है? ऐसा क्यों है? इसका कारण यह है कि हमारा इतिहास मजबूत नहीं है। लोग हमेशा इल्जाम लगाते हैं। ओवैसी ने कहा, पहले राज शेखर रेड्डी मुख्यमंत्री थे, फिर चंद्रशेखर राव आए और उनकी टीम में हो गए। अब कांग्रेस के रेवंत रेड्डी आए और फिर, अकबर और असद भी उनके साथ आ गए। माफ करना मेरे भाई, मुख्यमंत्री के पास हम नहीं रहते, वे हमारे पास रहते हैं। जो भी मुख्यमंत्री होता है, उसे हमारी जरूरत होती है। उन्होंने कहा, 'कोई राम भक्त है, तब मैं उस तरह मोहम्मद और रसूल अल्लाह का चाहने वाला गुलाम हूं। मैं रसूल अल्लाह का आशिक हूं और आज मैं उनके आशिकों के बीच खड़ा हूं। रसूल के इश्क का वास्ता देते हुए, मैं यही अपील करता हूं कि वक्त बर्बाद करने का नहीं है, यह वक्त एक होने, संगठित होने और मुक्त होने का है।

एकनाथ शिंदे ने उद्धव ठाकरे और अजित पवार ने शरद पवार की पीठ में छुरा घोंपा: रेवंत रेड्डी

चंद्रपुर (महाराष्ट्र) (एजेंसी)। । तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने सत्ता के लिए उद्धव ठाकरे जबकि उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने शरद पवार की पीठ में छुरा घोंपा। चंद्रपुर जिले में महा विकास आघाडी (एमवीए) के उम्मीदवार के लिए एक रैली को संबोधित करते हुए रेड्डी ने कहा कि अगर महाराष्ट्र के लोग गर्व के साथ जीना चाहते हैं तो शिंदे और अजित पवार को (राजनीतिक रूप से) दफन कर देना चाहिए। उन्होंने कहा, एकनाथ शिंदे ने उद्धव ठाकरे की पीठ में छुरा घोंपा और गुजरात का गुलाम बनना चुना।

उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने अपने चाचा और गुरु शरद पवार की पीठ में छुरा घोंपा। मैं महाराष्ट्र के लोगों से अपील करता हूं कि अगर वे गर्व से सिर ऊंचा करके जीना चाहते हैं तो उन्हें शिंदे और अजित पवार को दफना देना चाहिए। रेड्डी ने दावा किया कि दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और चेन्नई समेत भारत के छह सबसे बड़े शहरों ने भाजपा को नकार दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि गुजरात से मुंबई को लूटने के लिए दो लोग आए, जिनके नाम हैं प्रधानी और अडाणी है।

उन्होंने कहा, डबल इंजन सरकार का मतलब है कि एक (इंजन) प्रधानी है और दूसरा अडाणी है। अजित पवार ने कबूल किया था कि अडाणी एमवीए सरकार को गिराने की साजिश में शामिल थे। उन्होंने कहा कि तेलंगाना सरकार ने राज्य सरकार में युवाओं को 50,000 नौकरियां दी हैं और यह उपलब्धि गुजरात सरकार भी हासिल नहीं कर सकती।

मुडा मामले में सीएम सिद्धारमैया और उनके परिवार की प्रत्यक्ष भूमिका नहीं

–लोकायुक्त पुलिस ने जांच रिपोर्ट में प्राधिकरण के अधिकारियों को ठहराया जिम्मेदार

बैंगलुरु (एजेंसी)। मैसूरु विकास प्राधिकरण (मुडा) के भूखंड आवंटन मामले में लोकायुक्त पुलिस ने जांच रिपोर्ट में सीएम एन. सिद्धारमैया और उनके परिवार की किसी भी प्रत्यक्ष भूमिका से इनकार कर दिया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भूखंड आवंटन में अनियमितताएं और त्रुटियां मुडा के अधिकारियों की ओर से हुई हैं। जांच में सीएम द्वारा पद और अधिकारों के दुरुपयोग के सबूत नहीं मिले हैं। उनके परिवार के सदस्य, विशेषकर उनकी पत्नी को भूखंड आवंटन में कोई अनुचित लाभ देने की पुष्टि नहीं हुई है। जांच में भूखंड आवंटन में त्रुटियों के लिए प्राधिकरण के अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराया गया है। जांच में पाया कि अधिग्रहित भूमि को कृषि भूमि में परिवर्तित करने और भूखंड आवंटन प्रक्रिया में नियमों का पालन नहीं किया गया। सीएम सिद्धारमैया की पत्नी को 14 भूखंडों का आवंटन प्रक्रिया में हुई त्रुटियों के कारण हुआ, जिसे मुडा अधिकारियों की प्रशासनिक लापरवाही बताया गया है। लोकायुक्त पुलिस ने लोकायुक्त पुलिस महानिदेशक को स्टेटस रिपोर्ट सौंप दी है। मामले की जांच के दो चरण पूरे हो चुके हैं। जनप्रतिनिधि विशेष अदालत ने इस मामले में 25 दिसंबर तक जांच पूरी कर रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए हैं। मुडा के भूखंड आवंटन में कथित अनियमितताओं को लेकर विपक्षी दलों ने सीएम सिद्धरामैया पर सवाल उठाए थे। यह मामला तब चर्चा में आया जब आरोप लगे कि सीएम के परिवार को भूखंड आवंटन में विशेष लाभ दिया गया है। सीएम सिद्धारमैया के समर्थकों ने जांच रिपोर्ट का स्वागत करते हुए इसे विपक्षी दलों द्वारा रचा गया राजनीतिक षड्यंत्र बताया है। विपक्ष ने रिपोर्ट पर सवाल उठाते हुए जांच को और विस्तृत करने की मांग की है। यह रिपोर्ट सीएम के लिए राहत की खबर मानी जा रही है, लेकिन 25 दिसंबर को अंतिम रिपोर्ट आने के बाद ही मामले की तस्वीर पूरी तरह साफ हो सकेगी।

मनसे की सरकार आने पर महाराष्ट्र में मस्जिदों में लाउडस्पीकर की समस्या का समाधान होगा : राज ठाकरे

मुंबई । महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के प्रमुख राज ठाकरे ने राज्य के नागरिकों से अपील की कि वे महाराष्ट्र को वैभवशाली बनाने के लिए उनकी पार्टी को वोट दें। ठाकरे ने ठाणे और कल्याण में आयोजित कई रैलियों में राज्य में व्याप्त राजनीतिक अस्थिरता की कड़ी आलोचना कर इस बदलने के लिए वोट करने को कहा। राज ठाकरे ने कहा, राजनीतिक और व्यक्तिगत मतभेदों से ऊपर उठकर हमें राज्य के कल्याण पर ध्यान देना चाहिए। असल में, मनसे ही राज्य के असल विकास का मार्ग प्रशस्त कर सकती है। इसके साथ ही उन्होंने मस्जिदों में लाउडस्पीकर की समस्या का त्वरित समाधान करने की बात कही। ठाकरे ने कहा कि यदि उनकी पार्टी सत्ता में आती है, तब वह 48 घंटों के भीतर मुद्दे का हल निकाल लेगी। उन्होंने जोर दिया कि धार्मिक प्रथाओं से दूसरों को परेशानी नहीं होनी चाहिए और धर्म को घरों तक ही सीमित रहना चाहिए। ठाकरे ने कहा, सार्वजनिक सड़कों पर प्रार्थना के लिए जगह नहीं होनी चाहिए।

दिल्ली से लाहौर तक फैली जहरीली हवा, एक्युआई 450 के पार

–मौसम विभाग की अपील, मॉस्क लगाकर बाहर निकले, बुजुर्ग–बच्चे घर में ही रहें

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर समेत पूरे उत्तर भारत और पाकिस्तान के बड़े हिस्से पर जहरीली हवा फैलने से संकट मंडरा रहा है। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने सैटेलाइट तस्वीरों में दिल्ली से लेकर लाहौर तक के इलाके को गैस चैंबर जैसी स्थिति में दिखाया है। स्थिर हवाओं और कम तापमान के कारण प्रदूषण का स्तर बढ़ता ही जा रहा है।

दिल्ली की बिगड़ती हवा से एक्युआई 450 के पार हो गया है। दिल्ली और आसपास के इलाकों में वायु गुणवत्ता सूचकांक गंभीर श्रेणी में पहुंच गया है। सुबह 7 बजे दिल्ली का औसत एक्युआई 406 रहा। आनंद विहार और अशोक विहार में 438 दर्ज किया गया। प्रगति मैदान और आईटीओ जैसे इलाकों में एक्युआई 357 रहा, जिसे खराब श्रेणी में रखा गया है। दिल्ली-एनसीआर में स्मॉग की मोटी परत के कारण लोगों को सांस लेने में दिक्कत हो रही है। आंखों और गले में जलन की समस्या उत्पन्न हो रही है। अस्पतालों में सांस और हृदय संबंधी बीमारियों के मामले सामने आ रहे हैं।

भारतीय मौसम विभाग ने 21 नवंबर तक पंजाब, दिल्ली, यूपी, राजस्थान, मध्य प्रदेश, बिहार और झारखंड में तापमान में भारी गिरावट का अनुमान लगाया है। ठंड के साथ हवा की गति धीमी होने के कारण प्रदूषण का स्तर और खराब हो सकता है। मौसम प्रदूषण ने इससे बचने के उपाय बताएं हैं। जिसमें कहा गया है कि घर से बाहर निकलते समय मास्क का इस्तेमाल करें। बच्चे और बुजुर्ग घर के अंदर ही रहें। इनडोर एयर प्यूरीफायर का इस्तेमाल करें। मॉर्निंग वॉक या व्यायाम बाहर करने से बचें। आंखों की जलन से बचने के लिए चश्मा पहनें। यह जहरीली हवा केवल आज की समस्या नहीं है, बल्कि भविष्य के लिए एक बड़ा खतरा है। सामूहिक प्रयासों से ही इस संकट को दूर किया जा सकता है।

दिल्ली में प्रदूषण बढ़ने जानबूझकर डीजल बसें भेज रहे भाजपा शासित राज्य : गोपाल राय

नई दिल्ली (एजेंसी)। बढ़ते प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए दिल्ली सरकार ने ग्रेप-3 (ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान-3) के तहत बीएस-6 से नीचे के डीजल इंजन वाली बसों की दिल्ली में प्रवेश पर रोक लगा दी है। हालांकि, नियम के बावजूद बीएस-3 और बीएस-4 डीजल इंजन वाली बसें दिल्ली में प्रवेश कर रही हैं। इन बसों का प्रवेश रोकने के लिए दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने शनिवार को कश्मीरी गेट बस अड्डे पर औचक निरीक्षण किया।

मंत्री राय ने निरीक्षण में पाया कि दो बीएस-3 और बीएस-4 डीजल इंजन वाली बसें दिल्ली पहुंची हैं, जो दूसरे राज्यों से आई थीं। इसमें से एक हरियाणा और दूसरी उत्तराखंड से आई थी। दोनों बसों का 20-20 हजार रुपये का चालान किया गया। इसके अलावा, वे बसें जिनके पास प्रदूषण प्रमाणपत्र नहीं थे, उनका भी चालान उसी समय किया गया।

मंत्री राय ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि किसी भी हालत में प्रतिबंधित बसों को दिल्ली में प्रवेश नहीं मिलना चाहिए और सभी बसों की पूरी जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण की रिपोर्ट में यह बात सामने आई है कि 30 प्रतिशत प्रदूषण दिल्ली के अंदर का है, जबकि 70 प्रतिशत प्रदूषण पड़ोसी राज्यों से आता है।

मंत्री ने बीजेपी शासित राज्यों खासकर उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और हरियाणा पर आरोप लगाकर कहा कि ये राज्य जानबूझकर डीजल बसें दिल्ली भेज रहे हैं, जो कि प्रतिबंधित हैं। उन्होंने बताया कि दिल्ली सरकार ने इन राज्यों को पहले ही पत्र लिखा था, जिसमें कहा गया था कि सर्दियों में दिल्ली में प्रदूषण बढ़ने से बचने के लिए डीज़ल बसों को दिल्ली न भेजें, लेकिन इन राज्यों ने इस अनुरोध को नजरअंदाज किया।

श्रद्धा हत्याकांड के आरोपी अफताब की अदालत में हत्या करवाना चाहता था लॉरेंस

–बाबा सिद्दीकी की हत्या के मास्टरमाइंड शुभम ने खोले राज, एक महीने तक की थी रेकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने श्रद्धा वाकर हत्याकांड के आरोपी आफताब पूनावाला की हत्या का भी प्लान बनाया है। दिल्ली के साकेत कोर्ट में उसकी हत्या करने की योजना थी। इसके लिए एक महीने तक रेकी भी की थी। सूत्रों ने बताया कि मुंबई में एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या के मास्टरमाइंड और वॉन्टेड आरोपी शुभम लोनकर ने श्रद्धा वॉकर हत्याकांड में गिरफ्तार आरोपी आफताब पूनावाला की हत्या की योजना भी बनाई थी।

सूत्रों के मुताबिक लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े शुभम लोनकर ने 2022 में दिल्ली के साकेत कोर्ट में आफताब की हत्या करने के लिए एक महीने तक रेकी की थी। श्रद्धा वाकर हत्याकांड का आरोपी आफताब फिलहाल तिहाड़ जेल में बंद है और उसे मिल रही धमकियों के बाद वह निशाना बन गया है। लॉरेंस के गुर्गों ने आफताब की हत्या करने के लिए एक महीने तक रेकी की थी, लेकिन दिल्ली पुलिस की कड़े सुरक्षा इंतजाम के चलते यह योजना कामयाब नहीं हो सकी।

सूत्रों ने बताया कि शुभम लोनकर को आफताब को खत्म करने के लिए मुंबई से दिल्ली बुलाया गया था और उसने एक महीने तक रेकी की थी। शुभम लोनकर साल 2022 में आफताब की गिरफ्तारी के बाद से ही कोर्ट में उसकी पेशी के दौरान आसपास दो शूटरों के साथ मौका तलाश रहा था। इस बीच, तिहाड़ जेल प्रशासन ने मीडिया रिपोर्टों पर तत्काल संज्ञान लिया और पूनावाला के आसपास सुरक्षा बढ़ा दी है।

बाबा सिद्दीकी हत्या के सिलसिले में गिरफ्तार शिव कुमार गौतम ने पुलिस को बताया कि आफताब पूनावाला की हत्या करने की मंशा जताई है। इसके अलावा, सूत्रों ने पुष्टि की है कि आफताब अब लॉरेंस बिश्नोई गैंग के निशाने पर है, जो जेल के अंदर ही उसकी हत्या की साजिश रच रहा है। जेल अधिकारी हाई अलर्ट पर हैं ताकि संभावित खतरे की जांच करते समय आफताब की सुरक्षा को प्राथमिकता दी जा सके। 18 मई 2022 को दिल्ली के महरौली इलाके में आफताब ने कथित तौर पर श्रद्धा वाकर की हत्या कर शव के कई टुकड़े कर दिए थे। उसने शव के टुकड़े छतरपुर पहाड़ी इलाके के जंगल में फेंक दिए थे। नवंबर 2022 में उसे गिरफ्तार किया गया था।

इस बीच 23 जुलाई को साकेत जिला कोर्ट ने श्रद्धा वाकर की हत्या के मामले और आरोपी आफताब पूनावाला की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उसने अपने वकील को अपना बचाव तैयार करने के लिए उपयुक्त समय देने के लिए हर महीने केवल दो बार सुनवाई करने की मांग की थी। अदालत ने कहा कि आरोपी जानबूझकर मुकदमे में देरी करने की कोशिश कर रहा है। यह भी कहा गया कि जून 2023 से अभियोजन पक्ष के 212 गवाहों में से केवल 134 की ही जांच की गई है। इसलिए मुकदमे को तेजी से पूरा करने के लिए तारीखों की जरूरत है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

श्रीलंका के संसदीय चुनाव में एनपीपी भारी जीत की ओर, केवल एक सीट पर परिणाम घोषित

कोलंबो एजेंसी। श्रीलंका के संसदीय चुनाव में राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के नेतृत्व वाली सत्तारूढ़ पार्टी नेशनल पीपुल्स पावर (एनपीपी) भारी जीत की ओर अग्रसर है।मुख्य विपक्षी दल, समागी जन बालवेगया को 11 प्रतिशत और पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे द्वारा समर्थित नेशनल डेमोक्रेटिक फ्रंट को पांच प्रतिशत वोट मिले हैं। अब तक केवल एक सीट पर परिणाम घोषित हुआ है। स्थानीय समयानुसार रात 11 बजे तक एनपीपी को 70 प्रतिशत वोट मिले हैं।मुख्य विपक्षी दल, समागी जन बालवेगया को 11 प्रतिशत और पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे द्वारा समर्थित नेशनल डेमोक्रेटिक फ्रंट को पांच प्रतिशत वोट मिले हैं। अब तक केवल एक सीट पर परिणाम घोषित हुआ है। एनपीपी ने गाले में 70 प्रतिशत से अधिक वोट के साथ जीत हासिल की। विश्लेषकों का कहना है कि एनपीपी ने सितंबर के राष्ट्रपति चुनाव की तुलना में अपना वोट शेयर बढ़ाया है। रुझानों के अनुसार एनपीपी 225 सदस्यीय संसद में पूर्ण बहुमत हासिल करते हुए 150 सीटों के आंकड़े को पार कर सकती है। मतदान निगरानी समूहों ने कहा कि गत सितंबर में हुए राष्ट्रपति चुनाव की तुलना में संसदीय चुनाव में कम मतदान हुआ है। राष्ट्रपति चुनाव में 79 प्रतिशत मतदान हुआ था। चुनाव आयोग ने कहा कि देशभर में शांतिपूर्ण मतदान हुआ और करीब 65 प्रतिशत मतदान होने का अनुमान है।

अमेरिका में आ रहा तूफान सारा, बाढ़, बारिश और भूस्खलन को लेकर अलर्ट जारी

वाशिंगटन एजेंसी। अमेरिका में कुछ दिन पहले चक्रवाती तूफान हेलेन ने फ्लोरिडा जैसे बड़े शहरों में जमकर तबाही मचाई थी। वहीं, अब उष्णकटिबंधीय तूफान सारा मध्य अमेरिका में पहुँच रहा है। इस तूफान के कारण विनाशकारी बाढ़, बारिश और भूस्खलन की संभावना जताई गई है। यह तूफान उत्तरी होंडुरास के तट से टकराएगा। सारा में अधिकतम 40 मील प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल रही हैं। राष्ट्रीय तूफान केंद्र के पहले के पूर्वानुमानों में मैक्सिको की पूर्वी खाड़ी के निवासियों को तूफान के अमेरिका तक पहुंचने की संभावना पर नजर रखने के लिए कहा गया था, लेकिन अब केंद्र का मानना है कि तूफान मध्य अमेरिका और मैक्सिको के युकाटन प्रायद्वीप तक पहुंचने में काफी धीमा हो जाएगा। सारा 2024 अटलांटिक तूफान के मौसम का 18वां नामित तूफान है। नवंबर में उष्णकटिबंधीय गतिविधि कम हो जानी चाहिए, लेकिन जलवायु परिवर्तन के कारण असाधारण रूप से गर्म पानी के कारण सारा अब इस महीने का तीसरा नामित तूफान है। होंडुरास और निकारागुआ के कुछ हिस्सों के लिए उष्णकटिबंधीय तूफान की चेतावनी जारी की गई है। दोनों देशों में तूफान की बारिश गुरुवार को शुरू हुई और शाम होते ही तेज हवाएं आएंगी और शुक्रवार को तेज हो जाएंगी। राष्ट्रीय तूफान केंद्र के अनुसार, यह तूफान हवा की तीव्रता काफी तेज रहेगी औ विनाशकारी बाढ़ और भूस्खलन के साथ भारी वर्षा पैदा कर सकता है।उत्तरी होंडुरास के कुछ हिस्सों में 30 इंच तक बारिश हो सकती है। पूर्वी मेक्सिको से लेकर निकारागुआ तक मध्य अमेरिका के अन्य हिस्सों में सारा से 15 इंच तक बारिश हो सकती है। अधिकतर, कैरेबियन और मध्य अमेरिका के कुछ हिस्सों को नवंबर के तूफानों से भारी नुकसान उठाना पड़ा है।

विशेषज्ञों का दावा- भारत और चीन भविष्य की वैश्विक अर्थव्यवस्था को देंगे आकार

सिंगापुर, एजेंसी। सिंगापुर की विदेश मंत्री सिम एन ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत और चीन की क्षेत्रीय वृद्धि और विकास में महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए सिंगापुर और दक्षिण-पूर्व एशियाई क्षेत्र को दोनों देशों के साथ घनिष्ठ संबंध बनाए रखने चाहिए। विदेश मंत्री ने वैश्विक मंच पर आर्थिक महाशक्तियों और अहम देशों के रूप में चीन और भारत के महत्व को रेखांकित किया। सिम एन ने यह टिप्पणी 'चीन और भारतः वैश्विक अर्थव्यवस्था को आकार देने वाले दो बड़े देश कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में की। इस कार्यशाला का आयोजन नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर में ईस्ट एशियन इंस्टीट्यूट और इंस्टीट्यूट ऑफ साउथ एशियन स्टडीज ने किया था। कार्यशाला में विशेषज्ञों ने दोनों देशों के बारे में अपने विचार और राय साझा करते हुए बताया कि क्रय शक्ति समता के आधार पर दुनिया की पहली और तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं क्रमशः चीन और भारत का वैश्विक स्तर पर बहुत अधिक प्रभाव है। विश्व की 35 फीसदी आबादी दोनों देशों में रहती है तथा अनुमान है कि 2024 में वैश्विक आर्थिक विकास में इनका योगदान 50 प्रतिशत होगा। ईएआई के निदेशक अल्फ्रेड शिपके ने कहा कि चीन और भारत वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में खड़े हैं।

खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में बम विस्फोट में 5 लोगों की मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में बृहस्पतिवार को हुए बम विस्फोट में कम से कम पांच लोग मारे गए। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि यह विस्फोट अफगानिस्तान की सीमा से लगे उत्तरी वजीरिस्तान जिले के टप्पी दावर इलाके में हुआ, जिसमें कई अन्य लोग घायल हो गए। अधिकारी ने बताया कि घायलों और शवों को जिला अस्पताल ले जाया गया है। अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा बल और पुलिस दल घटनास्थल पर पहुंच गए और आतंकवादियों को पकड़ने के लिए व्यापक तलाशी अभियान शुरू कर दिया। मुख्यमंत्री अली अमीन गंदापुर ने विस्फोट की निंदा की।

इजरायल का हिजबुल्लाह पर सबसे भयंकर हमला, एक ही झटके में 200 लड़ाके ढेर

यरुशलम, एजेंसी। इजरायली रक्षा बलों ने गुरुवार को कहा कि हफ्ते भर से जारी हवाई हमलों में 200 हिजबुल्लाह लड़ाके मारे गए और 140 राकेट लॉन्चर नष्ट कर दिए गए। ये लॉन्चर सैनिकों के लिए खतरा पैदा कर रहे थे। मरने वालों में बटालियन आपरेशन प्रमुख और हिजबुल्लाह के राडवान फोर्स में एंटी टैंक हथियारों के बटालियन प्रमुख भी शामिल थे।

हथियार भंडारण और उत्पादन केंद्र नष्ट : हमलों से हिजबुल्लाह की क्षमता को बड़ा नुकसान पहुंचा है। लेबनानी मीडिया ने बेरूत के दहियाह में नए हवाई हमले की सूचना दी। यह लेबनान की राजधानी के दक्षिणी क्षेत्र में शियाओं का गढ़ है। इसमें कहा गया है कि पास स्थित समूह के अधिकांश हथियार भंडारण और उत्पादन केंद्रों को नष्ट कर दिया गया।

बीते 24 घंटे में 78 की मौत : इस बीच, लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने घोषणा की है कि पिछले 24 घंटों में लेबनान के विभिन्न क्षेत्रों में इजरायली हवाई हमलों में 78 लोगों की मौत हो गई, जबकि 122 अन्य घायल हो गए।

हिजबुल्लाह को हथियारों की तस्करी : रॉयटर्स के अनुसार, इजरायल ने मध्य सीरिया में होम्स प्रांत के दक्षिणी इलाके में कुसैर को निशाना बनाया है। सेना ने सीरिया और लेबनान के बीच उन मार्गों पर हमला किया, जिनका इस्तेमाल सीरिया से हिजबुल्लाह को हथियारों की तस्करी के लिए किया जाता है।

सैन्य स्थलों को निशाना बनाया : इजरायली हवाई हमले ने कुसैर में सीरियाई-लेबनानी सीमा पर पुलों को निशाना बनाया, जिससे महत्वपूर्ण क्षति पहुंची है। वहीं, गुरुवार को सीरिया की राजधानी दमिश्क में कई आवासीय इमारतों पर इजरायली हमलों में 15 लोग मारे गए और 16 घायल हो गए। इजरायल ने कहा कि उन्होंने सैन्य स्थलों को निशाना बनाया है। लेबनान के एक वरिष्ठ अधिकारी ने संकेत दिया है कि हिजबुल्लाह किसी भी युद्धविराम में अपने लड़ाकों को लेबनान-इजरायल सीमा से हटाने को तैयार है। हालांकि, भविष्य में लेबनान में ईरान समर्थित समूह के खिलाफ कार्रवाई की स्वतंत्रता की इजरायल की मांग को खारिज कर दिया।

जल्द खत्म होगी लेबनान में जंग : एक इजरायली मंत्री ने संकेत दिया कि युद्धविराम करीब है। हालांकि उन्होंने कहा कि एक महत्वपूर्ण बिन्दु यह सुनिश्चित करना है कि किसी भी समझौते का उल्लंघन होने पर इजरायल को लेबनान के अंदर कार्रवाई की स्वतंत्रता बरकरार रहे। 7 अक्टूबर को गाजा सीमा के पास इजरायली समुदायों पर हमास के हमलों में कम से कम 1200 लोग मारे गए और 252 इजरायली और विदेशी बंधक बनाए गए। शेष 97 बंधकों में से 30 से ज़्यादा को मृत घोषित कर दिया गया है।

हिजबुल्लाह ने लिया इजरायल से हमले का बदला, तेल अवीव के पास खुफिया अड्डे पर दागीं मिसाइलें : **यरुशलम एजेंसी।** इजरायल और लेबनान के बीच युद्ध खत्म होने का नाम ही नहीं ले रहा है। हिजबुल्लाह ने दावा किया कि अब उसने तेल अवीव में तेल हैम सैन्य अड्डे को निशाना बनाया, जो लेबनान सीमा से लगभग 120 किलोमीटर दूर स्थित है। अल जजीरा की रिपोर्ट में ये जानकारी सामने आई है। हिजबुल्लाह ने कहा कि उसने बेस को निशाना बनाने के लिए कई मिसाइलों का इस्तेमाल किया। इसको लेकर हिजबुल्लाह का कहना है कि मिसाइलें इजरायली सेना के सैन्य खुफिया प्रभाग की है। साथ ही इजरायली सेना अभी इसको लेकर कोई टिप्पणी नहीं की है। 30 से अधिक हमले आज हुए 30 से अधिक हमलों में से कुछ में, हिजबुल्लाह ने कहा कि उसने लेबनान के साथ सीमा के पास किर्यत शमोना बस्ती और अन्य समुदायों की ओर रॉकेट दागे। इससे पहले, लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा था कि एक इजरायली हवाई हमले ने बालबेक-हर्मेल गवर्नरेट में बालबेक शहर के आसपास के नागरिक सुरक्षा केंद्र को निशाना बनाया। इसमें कहा गया है कि हमला तब हुआ जब 20 सदस्य अंदर थे। अल जज़ीरा के अनुसार, बाल्बेक-हर्मेल गवर्नर ने एक्स पर हमले को लेकर पोस्ट भी किया। पोस्ट में कहा गया है कि साइट से 12 शव बरामद किए गए हैं, लेकिन मलबे को हटाने की प्रक्रिया जारी है।

नए दस्तावेज़ों से खुलासाः खालिस्तानी फंडिंग पर चल रही ट्रूडो सरकार, कनाडा की जनता से छुपाई जा रही सच्चाई

ओटावा , एजेंसी। हाल ही में सामने आए दस्तावेजों ने कनाडा की राजनीतिक स्थिरता और खालिस्तानी तत्वों द्वारा दी जाने वाली वित्तीय सहायता के बीच गहरे और चिंताजनक संबंधों का खुलासा किया है। पहली बार ठोस साक्ष्य यह दर्शाते हैं कि प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की सरकार ने भारत के अनुरोधों को अनदेखा क्यों किया है। भारत लंबे समय से नामित खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर और उसके सहयोगियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर रहा था, परंतु कनाडा में इस पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। यह महज राजनीतिक अनदेखी नहीं है, बल्कि वित्तीय और राजनीतिक मजबूरी की वजह से लिया गया एक सोच-समझा फैसला है। दस्तावेजों से यह सामने आया है कि निज्जर और उसके सहयोगियों ने न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता जगमीत सिंह ढलिवाल को बड़े पैमाने पर धनराशि पहुंचाई है। ढलिवाल की एनडीपी, ट्रूडो की सरकार की बहुमत को सुनिश्चित करने वाली पार्टी है, जो कि लिबरल पार्टी के लिए सत्ता में बने रहने के लिए आवश्यक है। इस स्थिति ने कनाडा की सत्ताधारी गठबंधन को एक अस्थिर स्थिति में डाल दिया है, जिसमें उसकी राजनीतिक स्थिरता खालिस्तानी हितों पर निर्भर होती जा रही है।इस खतरनाक गठजोड़ ने ट्रूडो के भारत विरोधी हालिया राजनयिक रुख पर भी नई रोशनी डाली है। जब ट्रूडो ने निज्जर की हत्या में भारत की कथित संलिप्तता का आरोप लगाया था, तो यह महज शब्दों का खेल नहीं था, बल्कि वे एक ऐसे नेटवर्क को बचाने का प्रयास कर रहे थे जिसने उनकी सरकार को वित्तीय सहयोग दिया है। वहीं, कनाडा में हिंदू समुदाय, जो अपने को अलग-थलग महसूस करने लगा है, आशंकित है कि कहीं उनकी सुरक्षा राजनीति के नाम पर बलिदान न कर दी जाए।कनाडा में खालिस्तानी तत्वों का राजनीतिक में प्रवेश कोई नई चिंता नहीं है, लेकिन इन दस्तावेजों से पता चलता है कि अब यह मुद्दा कितना गहराई से जड़ पकड़ चुका है। खालिस्तानी समर्थकों ने लंबे समय से कनाडा में शरण पाई है।

सीओपी29 समिट में दिल्ली प्रदूषण का मुद्दा रहा हावी, भारत को मीथेन- ब्लैक कार्बन पर लगाम लगाने की मिली सलाह

बाकू, एजेंसी। दिल्ली में प्रदूषण का स्तर बदतर होने के बाद यहां सीओपी29 जलवायु सम्मेलन में विशेषज्ञों ने भारत से मीथेन और ब्लैक कार्बन जैसे अल्पकालिक जलवायु प्रदूषकों को कम करने का आग्रह किया, जो वायु गुणवत्ता में गिरावट और ग्लोबल वार्मिंग दोनों के लिए प्रमुख कारक होते हैं। अल्पकालिक जलवायु प्रदूषक ग्रीनहाउस गैसों और वायु प्रदूषकों का एक समूह होता है जो जलवायु को निकट अवधि में गर्म करता है और वायु की गुणवत्ता को प्रभावित कर सकता है। एसएलसीपी में ब्लैक कार्बन, मीथेन, ग्राउंड-लेवल ओजोन और हाइड्रोफ्लोरोकार्बन शामिल हैं। नई दिल्ली की वायु गुणवत्ता इस सीजन में पहली बार गंभीर स्तर पर पहुंच गई, बुधवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक 418 तक पहुंच गया। 'इंस्टीट्यूट फॉर गवर्नेंस एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट में भारत की कार्यक्रम निदेशक जेरीन ओशो और द्वतस्ष्ठ के अध्यक्ष ड्यूरवुड जेल्के ने बताया कि स्रष्टक्कमें कटौती की रणनीतियां प्रदूषण और ग्लोबल वार्मिंग से निपटने में कैसे मदद कर सकती हैं। ड्यूरवुड जेल्के ने बताया कि वर्तमान वार्मिंग के लिए आधा जिम्मेदार स्रष्टक्कहै। जेलके ने बताया, अगर हम एसएलसीपी पर ध्यान देते हैं, तो हम तेजी से शीतलन प्रभाव प्राप्त कर सकते हैं और दीर्घकालिक कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए महत्वपूर्ण समय हासिल कर सकते हैं।

भारतवंशी तुलसी गबार्ड की भगवद् गीता पर है अगाध श्रद्धा, हिंदू धर्म के लिए कई बार उठा चुकी हैं आवाज

वाशिंगटन एजेंसी। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा पहली अभारतीय हिंदू नेता तुलसी गबार्ड को अमेरिका की नेशनल इंटेलीजेंस एजेंसी का निदेशक नियुक्त करने को परंपरागत अमेरिकी राजनीति में बड़े बदलाव के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है। हिंदू धर्म की परंपराओं और रीति रिवाज में गहरी आस्था रखने वाली गबार्ड ना सिर्फ भारत और अमेरिका के मौजूदा रणनीतिक रिश्तों को और ज्यादा प्रगाढ़ बनाने की प्रबल समर्थक रही हैं बल्कि समय-समय पर वह हिंदू हितों की बात भी खुल कर रखती रही हैं। उनकी नेतृत्व में भारत व अमेरिका के बीच आतंकवाद के खिलाफ सहयोग बढ़ने की संभावना है। वैसे इस क्षेत्र में दोनों देशों के बीच लगातार सहयोग बढ़ रहा है। तुलसी ने पूरी तरह से हिंदू धर्म को अंगीकार कर लिया अमेरिकन सामोआ (दक्षिणी प्रशांत महासागर में स्थित अमेरिका के अधिकार द्वीप) में जन्मी तुलसी गबार्ड की मां कैरोल गबार्ड का झुकाव हिंदू धर्म की तरफ था। उन्होंने अपने बच्चों के हिंदू नाम रखे हैं। किशोरवस्था में आते-आते तुलसी ने पूरी तरह से हिंदू धर्म को अंगीकार कर लिया। उन्होंने दो दशक तक आर्मी नेशनल गार्ड को अपनी सेवाएं दी हैं। 21 वर्ष की आयु में गबार्ड ने राजनीति में प्रवेश किया था। वह पहली बार प्रतिनिधि सभा की हिंदू सदस्य बनी थीं। इसके बाद वह जब कांग्रेस में चयनित हुई तो गीता पर हाथ रख कर शपथ ली थी। एक साक्षात्कार में उन्होंने गीता को अपनी जीवन-रेखा बताया था। राष्ट्रपति ट्रंप की कट्टर समर्थक के तौर पर सामने आई वर्ष 2020 में राष्ट्रपति पद के लिए डेमोक्रेट पार्टी की तरफ से दावेदारी भी पेश की। लेकिन जब यह स्पष्ट हो गया कि डेमोक्रेट पार्टी की तरफ से कमला हैरिस को प्रतिनिधि बनाया जाएगा तो वह पीछे हट गईं। बाद में वह राष्ट्रपति ट्रंप की कट्टर समर्थक के तौर पर सामने आईं। ट्रंप की तरफ से उन्हें अमेरिका की राष्ट्रीय खुफिया एजेंसी के मुखिया के पद पर नियुक्त करने पर गबार्ड ने बुधवार देर रात कहा कि आपकी कैबिनेट के सदस्य के तौर पर अमेरिकी लोगों की सुरक्षा, रक्षा व आजादी के लिए काम करने का अवसर देने पर आपका धन्यवाद, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप। गबार्ड ने भारत के साथ संबंधों को खास तरजीह देने की वकालत की गबार्ड ने पूर्व में हमेशा से भारत के साथ संबंधों को खास तरजीह देने की वकालत की है। कई मौकों पर उन्होंने भारत के हितों का खुल कर समर्थन किया है। भारत ने जब अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने का प्रस्ताव संयुक्त राष्ट्र में पेश किया था तो सबसे पहला समर्थन गबार्ड ने ही किया था। बाद में गबार्ड ने मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान मुलाकात भी की थी और उन्हें गीता भी भेंट की। अमेरिका में जब हिंदू धर्म स्थलों पर हमला हुआ तो उन्होंने इसका विरोध किया। हाल ही में जब बांग्लादेश में मंदिरों पर हमलों को लेकर भी इंटरनेट मीडिया पर आवाज बुलंद की। पाकिस्तान व इसके समर्थन से चलने वाले आतंकवादी संगठनों के खिलाफ भी तुलसी काफी कठोर विचार रखती हैं।

अमेरिकी में राष्ट्रपति चुनाव के बाद पहला बड़ा आयोजन, कैपिटल हिल में धूमधाम से मनाई गई दिवाली

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में 24 से अधिक सांसदों और भारतीय अमेरिकियों ने 'कैपिटल में दिवाली मनाई। पिछले सप्ताह के राष्ट्रपति चुनाव के बाद अमेरिकी कांग्रेस में यह पहला बड़ा आयोजन था। मंगलवार को ''कैपिटल हिल में दिवाली का वार्षिक आयोजन बीएपीएस श्री स्वामीनारायण मंदिर द्वारा हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन, सिख फॉर अमेरिका, जैन एसोसिएशन ऑफ नॉर्थ अमेरिका और आर्ट ऑफ लिविंग समेत कई अन्य भारतीय अमेरिकी संगठनों के सहयोग से किया गया था। पिछले सप्ताह राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप ने जीत हासिल की थी। दिवाली समारोह को संबोधित करते हुए सीनेटर रैंड पॉल ने कहा कि अमेरिका अप्रवासियों की भूमि है, जो विश्वभर से सर्वश्रेष्ठ और प्रतिभाशाली लोगों को आकर्षित करता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वे मिलकर अमेरिका को एक महान देश बनाते हैं। पॉल ने कहा, ''मैं वैध आव्रजन नियमों का बड़ा समर्थक हूं और इसे बढ़ाने के लिए मेरे पास कई विधेयक हैं और मैं इस पर काम करना जारी रखूंगा। दिवाली की शुभकामनाएं। इस मौके पर

भारतीय अमेरिकियों को बधाई देते हुए मिसिसिपी की सीनेटर सिंडी हाइड-स्मिथ ने कहा कि वह अगले चार वर्षों के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने कहा, ''हम इस देश में समृद्धि लाना चाहते हैं, उन लोगों के लिए, जो कुछ नया करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, ''हम आपको प्रोत्साहित करना चाहते हैं, हम एक स्थिर माहौल चाहते हैं। हम एक बेहतरीन अर्थव्यवस्था चाहते हैं। हम हर किसी के लिए एक सुरक्षित जगह चाहते हैं, जहां वे अपने परिवार का पालन-पोषण कर सकें। इस समारोह में अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा भी मौजूद थे। क्वात्रा ने अपने संबोधन में कहा, ''यह (दीपावली) एक भारतीय त्योहार है जिसे दुनियाभर में मनाया जाता है। आपकी यहां उपस्थिति, इतने सारे सांसदों और सीनेटर की उपस्थिति ने इसे सबसे खास बना दिया है। यह रिश्ते के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का प्रतीक है। कांग्रेस सदस्य श्री थानेदार ने कहा, ''मैं हिंदू मंदिरों पर हमलों के मामले में विदेश विभाग के साथ मिलकर काम कर रहा हूं और यह सुनिश्चित कर रहा हूं कि पूरे अमेरिका में हमारे समुदाय की सुरक्षा हो। मैं बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों के मामले में भी विदेश विभाग के साथ संपर्क में हूं। अपने संबोधन में कांग्रेस सदस्य राजा कृष्णमूर्ति ने कहा, ''आप अमेरिका में सबसे तेजी से बढ़ने वाले जातीय अल्पसंख्यक हैं। आप सबसे समृद्ध, सबसे शिक्षित हैं। हर सात डॉक्टरों में से एक देसी है। प्रतिनिधि सभा के पूर्व नेता स्टेनी होयर ने देश की प्रगति में भारतीय अमेरिकियों के योगदान की सराहना की।

ट्रंप गुजराती को देने वाले हैं बड़ी जिम्मेदारी

वाशिंगटन एजेंसी। डोनाल्ड ट्रंप अमेरिकी राष्ट्रपति का चुनाव जीतने के बाद हर रोज बड़े बड़े फैसले करते दिख रहे हैं। उन्होंने एलन मस्क से लेकर तुलसी गबार्ड को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। हर कोई उनकी कैबिनेट सदस्यों को देख चौंक रहा है। हाल ही में उन्होंने मैट गेट्ज को अटॉर्नी जनरल, पीट हेगसेट को रक्षा सचिव और तुलसी गबार्ड को राष्ट्रीय खुफिया निदेशक के लिए नामित किया है। हालांकि, आलोचकों का कहना है कि ये सब अनुभवहीन लोग हैं और ट्रंप की ये बड़ी गलती है, लेकिन ट्रंप सबको चौंकाने से पीछे नहीं हट रहे। इसी कड़ी में एक और गुजराती नाम जुड़ा है जिसे ट्रंप का वफादार कहा जाता है।

वफादारों को बड़ी जिम्मेदारी दे रहे ट्रंप : माना जा रहा है कि ट्रंप शीर्ष पदों पर अपने सबसे वफादार व्यक्तियों का चयन कर रहे हैं ताकि वह अपने स्वयं के सहयोगियों के दबाव में कभी न आएं। जो कि पहले कार्यकाल के दौरान कई मामलों में हुआ था। अब ट्रंप गुजराती मूल के काश पटेल को बड़ी जिम्मेदारी दे सकते हैं। पहले माना जा रहा था कि वो काश पटेल को सीआईए प्रमुख बनाएंगे, लेकिन उन्होंने अपने करीबी सहयोगी जॉन रैटक्लिफ को सीआईए हेड के रूप में नामित किया है। हालांकि, अब पटेल को एफबीआई में शीर्ष पद मिलने की उम्मीद है। एनबीसी ने कहा कि शीर्ष खुफिया एजेंसियों के लिए उनकी संभावित नियुक्ति ने खुफिया समुदाय में अलार्म की घंटी बजा दी है। कुछ अधिकारियों को पहले डर था कि ट्रंप ने पटेल को सीआईए के निदेशक के रूप में नामित किया है। काश पटेल पहले भी ट्रंप के साथ काम कर कई अहम प्रोजेक्ट को पूरा कर चुके हैं।

क्यों पटेल से डर रहा खुफिया समुदाय : दरअसल, पटेल के अमेरिका के खुफिया समुदाय के बारे में कट्टरपंथी विचार हैं, जिसके बारे में वो एक पुस्तक गवर्नमेंट गैंगस्टर्स-द डीप स्टेट, द ट्रुथ एंड द बैटल फॉर अवर डेमोक्रेसी में विचार भी रख चुके हैं। यहां तक की ट्रंप ने कहा कि पटेल की पुस्तक उनके अगले कार्यकाल का खाका होगी। उन्होंने कहा कि ये हर भ्रष्टाचारी को उजागर करने वाला एक शानदार रोडमैप है, जो केवल अमेरिकी लोगों के लिए काम करने के लिए हमारी एजेंसियों और विभागों को वापस काम पर लाएगा। ट्रंप ने ये भी कहा था कि हम इस ब्लूप्रिंट का उपयोग व्हाइट हाउस की ताकत को गैंगस्टरों से वापस लाने और सरकार के सभी पदों को स्वतंत्र बनाने में मदद करने के लिए करेंगे। वकील के रूप में की करियर की शुरुआत 44 वर्षीय पटेल का पूरा नाम कश्यप प्रमोद पटेल है। उनका जन्म न्यूयॉर्क में गुजराती-मूल के परिवार में हुआ। उनका परिवार मूल रूप से वडोदरा का रहने वाला है। हालांकि, माता-पिता माता-पिता यूगांडा में रहते थे, जो पूर्वी अफ्रीका से अमेरिका में आ गए थे। उन्होंने अपनी कानून की डिग्री हासिल करने के लिए न्यूयॉर्क लौटने से पहले रिचमंड विश्वविद्यालय में अपनी स्नातक की पढ़ाई पूरी की। वह आइस हॉकी खिलाड़ी और कोच भी रह चुके हैं।

इस्लामिक राष्ट्र बनेगा बांग्लादेश ! संविधान से सेक्युलरिज्म-धर्मनिरपेक्ष शब्द हटाने का प्रस्ताव

ढाका एजेंसी। हिंसक छात्र आंदोलन के चलते गत पांच अगस्त को शेख हसीना की सरकार के पतन के बाद बांग्लादेश अब इस्लामिक देश बनने की राह पर बढ़ता दिख रहा है। देश के अटॉर्नी जनरल मोहम्मद असदुज्जमां ने इसके लिए पैरवी की है। उन्होंने संविधान में बड़े बदलाव करने और धर्मनिरपेक्ष समेत कई प्रमुख शब्दों को हटाने का सुझाव दिया है।

90 प्रतिशत आबादी मुस्लिम : उन्होंने कहा कि समाजवाद और धर्मनिरपेक्षता उस देश की वास्तविक तस्वीर पेश नहीं करते, जहां 90 प्रतिशत आबादी मुस्लिम है। यूनाइटेड न्यूज आफ बांग्लादेश की खबर के अनुसार, असदुज्जमां ने समाजवाद, बंगाली राष्ट्रवाद, धर्मनिरपेक्ष और बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान को राष्ट्रपिता की उपाधि देने जैसे प्रविधानों को हटाने का सुझाव दिया है।

संविधान संशोधन की वैधता : उन्होंने हाई कोर्ट में बांग्लादेश के 15वें संविधान संशोधन की वैधता पर चल रही सुनवाई के पांचवें दिन इस तरह की पैरवी की। उन्होंने मूल वाक्यांश को पुनः स्थापित करने की वकालत की, जिसमें अल्लाह पर अटूट विश्वास पर जोर दिया गया था। उन्होंने अनुच्छेद नौ में बंगाली राष्ट्रवाद की प्रासंगिकता पर भी सवाल उठाया और इसे आधुनिक लोकतांत्रित सिद्धांतों के साथ असंगत करार दिया। असदुज्जमां ने यह दलील दी कि ये बदलाव देश को लोकतांत्रिक और ऐतिहासिक चरित्र के अनुरूप बना देंगे। उन्होंने जनमत संग्रह के प्रविधान को फिर से लागू करने की अपील भी की, जिसे 15वें संशोधन में समाप्त कर दिया गया था। अटॉर्नी जनरल ने कार्यवाहक सरकार प्रणाली को खत्म करने के कदम का भी विरोध किया और कहा कि यह लोकतंत्र पर आघात

है। आखिर में उन्होंने कहा कि अंतरिम सरकार 15वें संशोधन को मोटे तौर पर असंवैधानिक घोषित करना चाहती है और केवल कुछ चुनिंदा प्रविधानों को ही बरकरार रखना चाहती है।

बांग्लादेश छात्र आंदोलन : असदुज्जमां ने सुनवाई के बाद मीडिया से बात की और कहा कि 15वें संविधान संशोधन को बरकरार रखना मुक्ति संग्राम, 1990 के जन विद्रोह और इस वर्ष जुलाई में छात्र आंदोलन की भावना को कमजोर करता है। यह संशोधन अबू सईद और मुग्धो जैसे बलिदानियों के साथ विश्वासघात है।

अटॉर्नी जनरल नियुक्त : बता दें कि बांग्लादेश में जुलाई में सरकार विरोधी प्रदर्शनों में अबू सईद और मुग्धो जैसे छात्र शामिल थे। हिंसक छात्र आंदोलन के बाद शेख हसीना सरकार अपदस्थ हो गई थी इसके बाद मोहम्मद यूनुस की अगुआई में अंतरिम सरकार बनी।

क्या है 15वां संविधान संशोधन : ढाका ट्रिब्यून के अनुसार, बांग्लादेश की संसद में 30 जून, 2011 को 15वें संविधान संशोधन को पारित किया गया था। इसमें धर्मनिरपेक्षता को बहाल करने के साथ ही शेख मुजीबुर को राष्ट्रपिता की मान्यता दी गई थी, कार्यवाहक सरकार प्रणाली को खत्म किया गया था और संसद में महिलाओं के लिए आरक्षित सीटों की संख्या 45 से बढ़ाकर 50 की गई थी।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हनीट्रैप

कॉन्ट्रैक्टर को नग्न तस्वीरों के जरिए ब्लैकमेल कर 5 लाख की उगाही

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के उमरा इलाके में एक 45 वर्षीय कॉन्ट्रैक्टर को हनीट्रैप में फंसा कर, उसकी नग्न तस्वीरें खींचने और रेप केस में फंसाने की धमकी देकर 5 लाख रुपये वसूलने का मामला सामने आया है। इस घटना में पुलिस ने छह लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

घटना का विवरण:

पीड़ित का बुलावा: अडाजन के कॉन्ट्रैक्टर को अमानउल्लाह शेख नाम के व्यक्ति ने काम के बहाने सूरत के पाले पॉइंट स्थित वृंदावन कॉम्प्लेक्स में बुलाया।

हनीट्रैप की योजना: अमानउल्लाह ने कॉन्ट्रैक्टर को एक कमरे में भेजा, जहां पहले से एक महिला मौजूद थी।

नकली पुलिस की एंट्री: जैसे ही अमान बाहर गया, नकली पुलिस कर्मियों का एक समूह कमरे में घुसा। उन्होंने कॉन्ट्रैक्टर को धमकाते हुए थप्पड़ मारे, उसे हथकड़ी पहनाई और उसकी नग्न तस्वीरें खींची।

ब्लैकमेलिंग: नकली पुलिस ने रेप केस में फंसाने की धमकी देते हुए 20 लाख रुपये की मांग की। अंत में सौदा 5 लाख में तय हुआ।

राशि का भुगतान: कॉन्ट्रैक्टर ने अपने दोस्त को 5 लाख रुपये सरगम शॉपिंग सेंटर लाने के लिए कहा, और रकम नकली पुलिस के रिक्षा चालक को दे दी गई।

पुलिस की कार्रवाई:

- कॉन्ट्रैक्टर की शिकायत पर उमरा पुलिस ने फौरन कार्रवाई की।
- छह लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया, जिनमें से चार को गिरफ्तार कर लिया गया:

1. **अमित मनसुख ठक्कर** (30 वर्ष, कतरगाम)
2. **विजय मणिलाल माली** (31 वर्ष, वडोदरा)
3. **अल्पेश जगदीश पटेल** (34 वर्ष, कतरगाम)
4. **अमानउल्लाह शेख** (39 वर्ष, उमरा) – दो अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

सामाजिक प्रतिक्रिया:

इस घटना ने नकली पुलिस और हनीट्रैप गैंग के खतरनाक इरादों को उजागर किया है। पुलिस ने लोगों को सतर्क रहने और इस तरह के झांसे में न आने की चेतावनी दी है।

पुलिस की तत्परता से कार्रवाई ने एक बड़ा गिरोह पकड़ने में मदद की, लेकिन यह घटना इस तरह की धोखाधड़ी के खिलाफ सख्त कदम उठाने की आवश्यकता को रेखांकित करती है।

मुंबई से हाई प्रोफाइल लड़कियों को लाकर देह व्यापार करने का मामला

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

मुंबई से हाई प्रोफाइल लड़कियों को लाकर देह व्यापार करने का मामला सामने आया है। यह घिनौनी गतिविधि स्पा और OYO होटल्स की आड़ में चल रही थी। आरोप है कि लड़कियों के प्रोफेशनल फोटोशूट किए जाते थे और फिर उन तस्वीरों को ग्राहकों को भेजकर उन्हें होटल में बुलाया जाता था। भुगतान के लिए क्यूआर कोड के माध्यम से पैसे ट्रांसफर किए जाते थे। यह गोरखधंधा बेहद संगठित तरीके से चलाया जा रहा था, जिसमें ग्राहकों को किसी भी तरह की कानूनी परेशानी से बचने के लिए सावधानी बरती जाती थी।

स्पा और OYO रूम्स की आड़ में चल रहे सेक्स रैकेट का पर्दाफाश करते हुए पुलिस ने वेसु के सफल रूम्स OYO होटल में छापा मारा। पुलिस ने OYO रूम के मैनेजर सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया है। 15,000 रुपये लेकर मुंबई से आई एक महिला भी पुलिस के हाथ लगी। उमरा पुलिस ने बुधवार रात वेसु के सफल रूम्स OYO होटल में छापा मारा और होटल के रूम से छह मोबाइल फोन सहित 76,000 रुपये की नकदी बरामद की।

ग्राहकों को महिलाओं के फोटो भेजे जाते थे, और फिर वे अपनी पसंद के अनुसार युवतियों को बुलाते थे। पुलिस की छापेमारी के दौरान होटल के रूम नंबर 206 में एक महिला और पुरुष आपत्तिजनक स्थिति में मिले। महिला ने बताया कि वह मुंबई के दलाल अंगत कुमार के तहत काम करती थी और सुरत के दलाल ब्रिजेश और नयन उर्फ काका के माध्यम से उसे देह व्यापार के लिए भेजा गया था। एजेंट ब्रिजेश ग्राहकों को व्हाट्सएप पर युवतियों के फोटो भेजता था, और फिर ग्राहक द्वारा चुनी गई युवती को अन्य राज्य से बुलाया जाता था। ग्राहकों से पैसे लेने के लिए दलाल क्यूआर कोड स्कैन करवा लेते थे। सुरत में पकड़ी गई महिला के साथ 15,000 रुपये में सौदा हुआ था, जिसमें से 70% राशि उसे मिलती थी और 30% राशि दलालों के बीच बांटी जाती थी। इसके अलावा, ग्राहक को रूम का किराया भी अलग से चुकाना होता था।

पुलिस ने होटल के मालिक, मैनेजर और कुछ अन्य आरोपी को गिरफ्तार किया है और अंगद कुमार प्रजापति, नयन उर्फ काका, एजेंट ब्रिजेश और होटल के मालिक ब्रिजेश पटेल को वॉन्टेड घोषित किया है।

वलसाड में दुष्कर्म और हत्या की घटना

फोरेंसिक और तकनीकी जांच से पुलिस को मिले अहम सुराग

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वलसाड जिले के उदवाड़ा में बीकॉम द्वितीय वर्ष की एक छात्रा के साथ दुष्कर्म और हत्या की घटना ने सभी को झकझोर कर रख दिया है। इस मामले की जांच तेज़ी से आगे बढ़ रही है, और फोरेंसिक, तकनीकी साक्ष्य और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने अहम सुराग जुटाए हैं।

घटना का विवरण घटना 14 नवंबर को तब हुई जब छात्रा ट्यूशन से लौट रही थी।

उसका शव मोगीवाड़ा रेलवे फाटक के पास आम के बगीचे में मिला।

फोरेंसिक पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में पुष्टि हुई कि दुष्कर्म के बाद गला दबाकर हत्या की गई।

परिवार की खोजबीन और घटनास्थल पर सुराग जब छात्रा देर शाम तक घर नहीं लौटी, तो परिवार ने उसकी तलाश शुरू की।

आम के बगीचे में छात्रा की चप्पल और अन्य सामान मिलने पर परिवार को संदेह हुआ।

बेहोशी की हालत में मिलने के बाद छात्रा को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया।

पुलिस जांच और तकनीकी सर्विलांस

सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी सर्विलांस: पुलिस ने घटनास्थल के आसपास के कैमरों की फुटेज खंगाली और तकनीकी सर्विलांस की मदद ली।

फोन कॉल का विवरण: घटना के समय छात्रा एक परिचित युवक से फोन पर बात कर रही थी। फोन पर हुई बहस के बाद कॉल कट गई।

मोबाइल सिम कार्ड: घटनास्थल से छात्रा के मोबाइल का सिम कार्ड बरामद हुआ, जो जांच में मददगार साबित हो सकता है।

पुलिस की कार्रवाई

वलसाड जिला पुलिस ने इस मामले को सुलझाने के लिए LCB (लोकल क्राइम ब्रांच) और SOG (स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप) सहित 10 टीमें गठित की हैं।

तकनीकी और मानवीय खुफिया जानकारी का उपयोग करते हुए, अपराधी को पकड़ने के प्रयास तेज कर दिए गए हैं।

घटना की संवेदनशीलता इस घटना ने पूरे क्षेत्र में गहरी चिंता पैदा कर दी है।

दोषियों को सख्त सजा दिलाने की मांग जोर पकड़ रही है।

पुलिस के प्रयासों पर जनता की नजर है, और त्वरित न्याय की अपेक्षा की जा रही है।

इस मामले में, तकनीकी साक्ष्य और पुलिस की त्वरित कार्रवाई ही न्याय दिलाने में निर्णायक भूमिका निभाएंगे।

वलसाड के पारडी तालुका में एक कॉलेज की युवती गुरुवार दोपहर को ट्यूशन से घर वापस नहीं लौटी। बाद में उदवाड़ा के मोतीवाड़ा रेलवे फाटक के पास एक खेत (आंबावाड़ी) में अज्ञात व्यक्ति ने उसका बलात्कार किया, गला दबाकर हत्या कर दी और फरार हो गया। पुलिस बलात्कारी हत्यारे को पकड़ने के लिए जुटी हुई है, लेकिन तीन दिन बाद भी उसका कोई सुराग नहीं मिल सका। पुलिस को एक सिम कार्ड मिला है, जबकि युवती का मोबाइल गायब है। 48 घंटे से अधिक समय बीत जाने के बावजूद पुलिस हत्यारे को पकड़ने में असफल रही है।

CCTV और तकनीकी निगरानी से जांच

युवती की खोजबीन करते हुए उसके परिवार के सदस्य को उसकी लाश आंबावाड़ी में मिली। घटना की जानकारी पारडी पुलिस को मिलते ही, मामले की गंभीरता को देखते हुए पोस्टमॉर्टम करवाकर आगे की जांच शुरू की गई। हत्या का राज़ सुलझाने के लिए वलसाड जिले की LCB, SOG सहित 10 अलग-अलग टीमों का गठन किया गया और जांच आगे बढ़ाई गई। घटना स्थल से वलसाड जिले की पुलिस को युवती के मोबाइल का सिम कार्ड मिला है। घटना स्थल के आसपास के CCTV

कैमरों और तकनीकी निगरानी की मदद से युवती की हत्या और बलात्कार के मामले को सुलझाने की कोशिशें तेज की गई हैं।

बलात्कार के बाद हत्या के बारे में प्रारंभिक जानकारी इस प्रकार है:

मोतीवाड़ा गांव की बी.कॉम की सेकंड ईयर की एक छात्रा गुरुवार दोपहर को उदवाड़ा में ट्यूशन क्लास में गई थी। इसके बाद, वह अपने एक दोस्त के साथ फोन पर बातचीत कर रही थी, लेकिन अचानक उसका फोन स्विच ऑफ हो गया। इसके बाद, युवती के दोस्त ने उसकी बहन को पूरी घटना की जानकारी दी। युवती की बहन तुरंत उदवाड़ा पहुंची। उदवाड़ा रेलवे स्टेशन के पास कच्चे रास्ते पर युवती की बहन और उसके अन्य दोस्तों ने युवती की खोजबीन शुरू की। एक आंबा बाड़ी के पास युवती के चप्पल मिले। आंबावाड़ी में जांच करने पर युवती की लाश मिली।

युवती की बहन और उसके दोस्त उसे बाइक पर निजी अस्पताल में इलाज के लिए ले जा रहे थे, लेकिन ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर ने युवती को मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही पारडी पुलिस की टीम घटनास्थल पर पहुंची, लाश को कब्जे में लिया और आगे की जांच शुरू की।

युवती की लाश का पोस्टमॉर्टम सूरत स्थित FSL में किया गया, जिसमें रिपोर्ट में यह सामने आया कि युवती के साथ बलात्कार हुआ था और गला दबाकर हत्या की गई थी।

पुलिस ने हत्यारे को पकड़ने के लिए 10 टीमों का गठन किया और जांच शुरू की। वलसाड जिले की स्थक्र स्हल सहित कुल 10 टीमों ने तकनीकी निगरानी और मुखबिरों की मदद से हत्या और बलात्कार की घटना का राज़ सुलझाने के लिए प्रयास तेज़ कर दिए हैं। वलसाड जिले की पुलिस टीम ने घटना स्थल से गहन जांच करते हुए युवती के मोबाइल का सिम कार्ड प्राप्त किया। अब इस सिम कार्ड के CDR (Call Detail Record) निकालकर वलसाड पुलिस आगे की जांच कर रही है। जिले के सभी पुलिस अधिकारियों की टीम पारडी में केस सुलझाने में मदद कर रही है। युवती के परिवार के सदस्य और दोस्तों के बयान और तकनीकी निगरानी टीम की सहायता से आगे की जांच की जा रही है।

बांग्लादेश से एक महिला ने 15,000 रुपये देकर अवैध रूप से भारत में प्रवेश

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

बांग्लादेश से एक महिला ने 15,000 रुपये देकर अवैध रूप से भारत में प्रवेश किया। यह घटना चार साल पहले की है, जब महिला बांग्लादेश से बंगाल होते हुए भारत आई थी। यहां उसने तीन साल तक सुरत के विभिन्न स्पा में काम किया और इस दौरान उसने भारतीय आधार कार्ड भी बनवाया।

महिला ने बांग्लादेश से भारत आने के लिए 15,000 रुपये का भुगतान किया था, और अवैध तरीके से भारत में घुसी थी। सुरत में काम करते हुए, उसने भारतीय पहचान दस्तावेज भी हासिल किए, जिससे यह मामला और भी गंभीर हो गया है।

स्पेशल ऑपरेशन्स ग्रुप (SOG) ने सूरत में पिछले तीन साल से रह रही एक बांग्लादेशी महिला को गिरफ्तार किया है। यह महिला चार साल पहले बांग्लादेशी एजेंट को केवल 15,000 रुपये देकर भारत में प्रवेश की थी। एक साल मुंबई में रहने के बाद, वह सूरत में तीन साल से रह रही थी। यहां आकर उसने अलग-अलग स्पा में नौकरी की थी और बोगस दस्तावेजों के आधार पर आधार कार्ड समेत अन्य पहचान पत्र बनवाए थे। पुलिस को उसकी बांग्लादेशी नागरिकता का पहचान कार्ड भी मिला है।

एसओजी ने महिधरपुरा दिल्ली गेट चार रास्ता भारतीय ऑयल पेट्रोल पंप के पास से इस महिला को गिरफ्तार किया। महिला का नाम रसीदा बेगम जहांगिर अली शेख बताया गया है। पूछताछ में महिला ने बताया कि वह चार साल पहले बांग्लादेशी एजेंट के जरिए पश्चिम बंगाल से भारत आई थी। इस महिला ने झूठा नाम अपनाया था और गलत दस्तावेज भी बनवाए थे।

महिला से बोगस दस्तावेज भी मिले

एसओजी द्वारा महिला से की गई अतिरिक्त पूछताछ में उसने बताया कि भारत में प्रवेश करने के लिए उसने बांग्लादेशी एजेंट को बांग्लादेशी मुद्रा में 15,000 रुपये दिए थे। इसके बाद, वह बांग्लादेश से पश्चिम बंगाल में दाखिल हुई और फिर वहां से विभिन्न ट्रेनों में सवार होकर सुरत पहुंची। मुंबई में एक साल रहने के बाद, वह पिछले तीन सालों से सुरत में अलग-अलग जगहों पर कमरे किराए पर लेकर रह रही थी। आरोपी महिला ने नकली दस्तावेजों के आधार पर भारत का आधार कार्ड और अन्य पहचान पत्र भी बनवाए थे।

आरोपी महिला से पूछताछ में यह भी जानकारी मिली कि वह बांग्लादेश के बरंगा गांव की रहने वाली है। एजेंट के माध्यम से उसने बांग्लादेश के प्रतिबंधित बॉर्डर से भारत के पश्चिम बंगाल राज्य के बांगोन क्षेत्र में प्रवेश किया था। इसके बाद, वह हावड़ा रेलवे स्टेशन पहुंची और ट्रेन के माध्यम से सुरत पहुंची। पुलिस ने उसके खिलाफ फॉरेन एक्ट और पासपोर्ट रूल्स के तहत कार्रवाई की है।

शादी का झांसा देकर बलात्कार,आरोपी की जमानत याचिका खारिज

गुजरात के वलसाड जिले के वापी तालुका में 19 वर्षीय उत्तरभारतीय समुदाय की युवती से बलात्कार का मामला सामने आया है। आरोपी, जो पहले से शादीशुदा है, ने युवती को धोखे में रखकर शारीरिक शोषण किया। अदालत ने आरोपी की जमानतयाचिका खारिज कर दी है।

घटना का विवरण:

- युवती की मुलाकात आरोपी से उसके पैतृक स्थान पर हुई थी।
- मोबाइल फोन के जरिए दोनों में दोस्ती हुई, और आरोपी ने युवती का विश्वास जीतते हुए शादी का झांसा दिया।
- आरोपी ने युवती की मांग में सिंदूर भरकर उसे अपने भाड़े के कमरे में ले जाकर उसकी मर्जी के खिलाफ बार-बार शारीरिक संबंध बनाए।
- जब युवती ने आरोपी से शादी के लिए कहा, तो उसने बहाने बनाने शुरू कर दिए।
- बाद में युवती को पता चला कि आरोपी पहले से शादीशुदा है।

पुलिस कार्वाई:

- युवती ने मामले की शिकायत नजदीकी पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई।
- पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया।
- आरोपी ने जेल से रिहा होने के लिए वलसाड की एडिशनल सेशंस कोर्ट में जमानत याचिका दायर की।

अदालत का फैसला

-एडिशनल सेशंस कोर्ट के जज टी.वी. आहूजा ने आरोपी की जमानत याचिका खारिज कर दी।

- मामले में डीजीपी अनिल त्रिपाठी की दलील को स्वीकार करते हुए अदालत ने आरोपी की जमानत याचिका नामंजूर की।

सामाजिक संदेश:

यह घटना उन मामलों की ओर इशारा करती है, जहां शादी का झांसा देकर महिलाओं का शोषण किया जाता है। समाज में महिलाओं को इस तरह के धोखे से बचने और अपने अधिकारों के लिए सशक्त होने की जरूरत है।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वलसाड जिले के वापी तालुका में रहने वाली 19 वर्षीय उत्तर भारतीय समाज की युवती के साथ एक युवक की मुलाकात हुई, जिसने मोबाइल फोन के जरिए दोस्ती कर विश्वास जीत लिया। युवक ने युवती को शादी का झांसा देकर उसकी मांग में सिंदूर भरकर विवाह का प्रलोभन दिया और उसे अपने किराए के कमरे में ले जाकर उसकी मर्जी के खिलाफ बार-बार शारीरिक संबंध बनाए।

जब युवती ने युवक से शादी करने को कहा, तो उसने बहाने बनाना शुरू कर दिया। आगे की जांच में युवती को पता चला कि युवक पहले से शादीशुदा है। इसके बाद युवती ने पास के पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। इस मामले में गिरफ्तार युवक ने जेल से रिहा होने के लिए वापी की एडिशनल सेशंस कोर्ट में जमानत अर्जी दाखिल की।

अर्जी पर सुनवाई के दौरान डीजीपी अनिल त्रिपाठी की दलीलों को मानते हुए एडिशनल सेशंस कोर्ट के जज टी.वी. आहूजा ने आरोपी शादीशुदा युवक की जमानत अर्जी खारिज कर दी।

वलसाड जिले के वापी में रहने वाली 19 वर्षीय उत्तर भारतीय समाज की युवती पर उत्तर भारतीय समाज के जीतेंद्र उपाध्याय की नजर पड़ी। अक्सर उत्तर प्रदेश की यात्रा के दौरान दोनों की मुलाकात होती थी। इस दौरान जीतेंद्र ने युवती का मोबाइल नंबर हासिल कर लिया और दोनों के बीच मोबाइल पर बातचीत शुरू हो गई।

धीरे-धीरे जीतेंद्र ने युवती को प्रेमजाल में फंसा लिया। उसने युवती को वापी में स्थित अपने किराए के कमरे पर बुलाकर शादी का झांसा दिया। जीतेंद्र ने युवती को भरोसा दिलाने के लिए उसकी मांग में सिंदूर भरने का नाटक किया और उसकी मर्जी के खिलाफ शारीरिक संबंध बनाए। इसके बाद भी जीतेंद्र बार-बार शादी का प्रलोभन देकर युवती के साथ संबंध बनाता रहा। जब युवती ने उससे शादी करने की बात कही, तो जीतेंद्र बहाने बनाकर बात को टालने लगा।

वलसाड जिले के वापी में रहने वाली 19 वर्षीय उत्तर भारतीय समाज की युवती पर उत्तर भारतीय समाज के जीतेंद्र उपाध्याय की नजर पड़ी। अक्सर उत्तर प्रदेश की यात्रा के दौरान दोनों की मुलाकातें होती थीं। इस दौरान जीतेंद्र ने युवती का मोबाइल नंबर हासिल कर लिया और फिर दोनों के बीच मोबाइल फोन के माध्यम से बातचीत होने लगी।

इसके बाद, जीतेंद्र ने युवती को वापी में स्थित अपने किराए के कमरे पर बुलाकर उसे शादी का झांसा दिया और प्रेमजाल में फंसा लिया। जीतेंद्र ने युवती को भरोसा दिलाने के लिए उसकी मांग में सिंदूर भरने का नाटक किया और फिर उसकी मर्जी के खिलाफ शारीरिक संबंध बनाए। इसके बाद, जीतेंद्र बार-बार युवती को शादी का प्रलोभन देकर शारीरिक संबंध बनाता रहा। जब युवती ने उसे शादी करने को कहा, तो जीतेंद्र ने हमेशा किसी न किसी बहाने से उसकी बातों को टाल दिया।